महानगर नई दिल्ली मंगलवार 29 अक्तूबर, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

मोदी ने आतंक को लेकर पाक पर हमला बोला

आतंकवाद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई जरूरी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

भारत दौरे पर आए यूरोपीय संघ (ईयू) के सांसदों का 28 सदस्यीय दल मंगलवार को जम्मू-कश्मीर की यात्रा करेगा। कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाए जाने के बाद यह किसी विदेशी प्रतिनिधिमंडल की पहली कश्मीर यात्रा होगी।

सोमवार को यूरोपीय सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सांसदों से कहा कि उम्मीद है कि आपको जम्मू-कश्मीर समेत तमाम इलाकों का दौरा करने से भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता के बारे में पता चलेगा। इसके साथ ही उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि हमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है।

यूरोपीय संघ के सांसदों ने मोदी से की मुलाकात। जम्मू-कश्मीर जाएगी सांसदों की टीम।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री आवास पर मोदी से भेंट की। प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने और उसे प्रायोजित करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। आतंकवाद पर कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति (जीरो टॉलरेंस) होनी चाहिए। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार मोदी ने उम्मीद बाकी पेज 8 पर

ईयू सांसदों के साथ प्रधानमंत्री।

रद्द करें दौरा : स्वामी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी ने यूरोपीय संघ के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के जम्मू-कश्मीर दौरे को लेकर केंद्र सरकार पर बाकी पेज 8 पर

संसद का अपमान : कांग्रेस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

यूरोपीय संघ के सांसदों के क प्रतिनिधिमंडल को जम्मू-कश्मीर का दौरा करने की इजाजत देने को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार की कड़ी बाकी पेज 8 पर

इस साल दीपावली पर प्रदूषण 30 फीसद घटा

पिछले साल के मुकाबले दिल्ली में कम घुटा दम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिवाली पर हुई आतिशबाजी के बावजूद इस बार दिल्ली की हवा की गुणवत्ता पिछले साल यानी 2018 के मुकाबले बेहतर रही। हालांकि फिर भी दिवाली बाद सुबह की वायु गुणवत्ता इस मौसम में सबसे खराब थी और कई इलाकों में हवा की स्थिति 'गंभीर' और 'बहुत खराब' दर्जे की रही। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने सोमवार को कहा कि कम आतिशबाजी, सख्त गश्त और अन्य कड़े उपायों से पिछले साल की तुलना में इस बार दिवाली में पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में 30 फीसद की गिरावट आई। इस बार पटाखे जलाने की अवधि में कमी आने की वजह से प्रदूषण का स्तर गहराने के बावजूद पहले की तुलना में कम रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को शाम चार बजे दिल्ली की हवा का गुणवत्ता सूचकांक 368 था। यह रविवार को शाम चार बजे 337 रहा था। पिछले साल दिवाली के बाद दिल्ली में एक्यूआइ 600 को पार कर गया था, जो कि सुरक्षित स्तर का 12 गुना था। 2017 में दिवाली के बाद एक्यूआइ 367 और 2016 में 425 पर पहुंच गया था। इस बार गुरुग्राम, गाजियाबाद व ग्रेटर नोएडा की हवा दिल्ली से भी अधिक खराब बाकी पेज 8 पर

फिर भी हवा 'बहुत खराब' श्रेणी में। डीपीसीसी ने कड़े उपायों का नतीजा बताया।

प्रदूषण स्तर पांच साल में न्यूनतम : केजरीवाल

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दावा किया कि दीपावली की रात राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का स्तर पिछले पांच वर्षों में 'सबसे कम' था क्योंकि अपेक्षाकृत कम पटाखे चलाए गए। उनकी टिप्पणी तब आयी है जब राष्ट्रीय बाकी पेज 8 पर

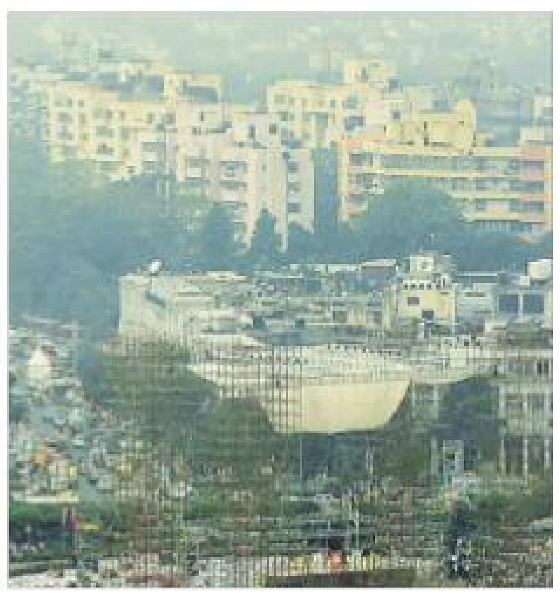

पराली व पटाखों से हवा हुई दमघोंटू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिवाली बाद देश भर के 103 शहरों में मापे गए प्रदूषण में 34 शहरों की हवा की गुणवत्ता खराब से 'बेहद खराब' दर्जे में पहुंच गई जिनमें से कई शहर पंजाब और हरियाणा के भी हैं।

इन 34 शहरों में 301-400 के बीच रहा जिसे 'बहुत बाकी पेज 8 पर

आइएस का सरगना बगदादी अमेरिकी हमले में ढेर

वाशिंगटन, 28 अक्तूबर (भाषा)।

इस्लामिक स्टेट (आइएस) का सरगना अबू बक्र अल बगदादी शनिवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में अमेरिका के विशेष बलों के हमले में मारा गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को यह घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि क्रूर संगठन इस्लामिक स्टेट का सरगना और दुनिया का नंबर एक आतंकवादी बगदादी 'एक कुत्ते और कायर की तरह' मारा गया।

उन्होंने वाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान बगदादी की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका के के-9 स्वान दस्ते ने एक तरफ से बंद सुरंग में आइएस सरगना का पीछा किया और जब उसके पास बचने का कोई रास्ता नहीं बचा तो उसने आत्मघाती जैकेट में विस्फोट करके खुद को और तीन को उड़ा लिया। वह अपने जीवन के अंतिम क्षणों में वह रोया, चीखा।

ट्रंप ने कहा, 'कुत्ते और कायर' की तरह मारा गया दुनिया का नंबर एक आतंकी।

बगदादी एक तरफ से बंद सुरंग में भागते हुए मारा गया।

राष्ट्रपति ने कहा, 'अमेरिका ने दुनिया के नंबर एक आतंकी सरगना को मार गिराया। अबू बक्र अल बगदादी मर चुका है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह (बगदादी) आइएसआइएस का संस्थापक और नेता था जो दुनिया का बाकी पेज 8 पर

सिख श्रद्धालुओं का 'नगर कीर्तन' ननकाना साहिब रवाना

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

भारत से सिख श्रद्धालुओं के एक समूह ने दिल्ली से पाकिस्तान के ननकाना साहिब तक अपनी यात्रा सोमवार को शुरू की। ननकाना साहिब सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म स्थान है।

पाकिस्तानी उच्चायोग ने यहां एक बयान में कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के पूर्व अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना के नेतृत्व में 'नगर बाकी पेज 8 पर

शिवसेना ने सख्त लहजे में कहा

हमें विकल्प ढूंढ़ने पर मजबूर न करे भाजपा

मुंबई/नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

शिवसेना नेता संजय राउत ने सोमवार को भाजपा से कहा कि वह उनकी पार्टी को महाराष्ट्र में अगली सरकार के गठन के लिए विकल्प ढूंढ़ने पर विवश न करे। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि राजनीति में कोई 'संत' नहीं होता है।

उधर राज्य में नई सरकार बनाने को लेकर दोनों दलों के बीच सत्ता को लेकर जारी झगड़े के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के नेता दिवाकर राउते ने सोमवार सुबह राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की। राज भवन के बाकी पेज 8 पर

महाराष्ट्र में सरकार गठन पर खींचतान के बीच राज्यपाल से मिले भाजपा, शिवसेना नेता

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यपाल से मुलाकात की।

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि राजनीति में कोई 'संत' नहीं होता है।

दो निर्दलीय विधायकों ने भाजपा, एक ने शिवसेना को दिया समर्थन

मुंबई/अमरावती, 28 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर राजग के घटक दलों-भाजपा और शिवसेना के बीच तकरार के बीच दो निर्दलीय विधायकों ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की है। जबकि एक निर्दलीय विधायक ने शिवसेना बाकी पेज 8 पर

अजय चौटाला ने छोटे भाई अभय से की मुलाकात

चंडीगढ़, 28 अक्तूबर (भाषा)।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय चौटाला ने उनसे अलग हुए छोटे भाई अभय चौटाला से सोमवार को मुलाकात की।

अजय के बेटे दुष्यंत चौटाला ने भाजपा के नेतृत्व वाली मनोहर लाल खट्टर सरकार में राज्य के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। दोनों भाइयों के बीच मुलाकात ने चौटाला परिवार के शुभचिंतकों व उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच उम्मीद पैदा कर दी है कि पारिवारिक झगड़ा जल्द ही बीते जमाने की बात हो सकती है। गौरतलब है कि इस झगड़े की वजह से पिछले साल इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) दो धड़ों में बंट गया बाकी पेज 8 पर

पारिवारिक कलह खत्म होने की आस

अजय चौटाला ने कहा, 'मैंने पहले कहा था कि हम उन्हें दोबारा सोचने पर विवश करेंगे। मैंने कहा था कि हम ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करेंगे कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला और इनेलो दोबारा सोचने पर मजबूर होंगे कि उन्होंने गलत फैसला लिया जिसने न केवल हरियाणा के लोगों को प्रभावित किया, बल्कि परिवार को भी।'

आइसीएओ में पाकिस्तान की शिकायत की भारत ने

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमान के लिए पाकिस्तान के द्वारा अपना हवाई क्षेत्र खोलने से इनकार करने का मुद्दा भारत ने अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आइसीएओ) के समक्ष उठाया है।

प्रधानमंत्री के विमान के लिए हवाई क्षेत्र नहीं खोलने का मुद्दा

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को सऊदी अरब गए। इस यात्रा के लिए भारत ने पाकिस्तान से सऊदी अरब जाने के लिए प्रधानमंत्री के विमान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने देने का आग्रह किया था। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए मोदी के विमान को सऊदी अरब की यात्रा के लिए अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने देने के भारत के अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

भारत ने रविवार को इसके लिए औपचारिक अनुरोध भेजा था। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, वीवीआइपी विशेष उड़ान के लिए मंजूरी देने से पाकिस्तान के इनकार किए जाने पर भारत बाकी पेज 8 पर

दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ने ट्रक चालक की हत्या की

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

यूरोपीय संघ के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के कश्मीर घाटी जाने से एक दिन पहले सोमवार शाम को जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक ट्रक चालक की आतंकवादियों ने हत्या कर दी।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में बिजबेहरा के कानिलवान इलाके में आतंकवादियों ने ट्रक चालक नारायण दत्त पर गोलियां बरसा दीं। दत्त की मौके पर मौत हो गई। वह उधमपुर के कटरा के रहने वाले थे। आतंकियों ने दो और ट्रक चालकों को घेर रखा था। मौके पर पहुंचे सुरक्षाबलों ने उन चालकों को बचाया। पुलिस के अनुसार, सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर बाकी पेज 8 पर

सोपोर में आतंकियों ने हथगोला फेंका, 20 नागरिक घायल

हरियाणा से राज्यसभा की एक सीट पर कांग्रेस का कब्जा तय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस सूबे की सत्ता पर कब्जा जमाने से भले चूक गई हो लेकिन राज्य की जनता ने उसके इतने विधायक जरूर चुन दिए हैं कि वह आसानी से एक राज्यसभा सीट जीत सकती है।

प्रदेश की कुल पांच राज्यसभा सीटों में से दो सीटें अगले साल की शुरुआत में खाली हो रही हैं। इनमें से एक सीट भाजपा के खाते की है जबकि दूसरी सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा सांसद हैं।

प्रदेश की कुल पांच राज्यसभा सीटों में से दो सीटें अगले साल की शुरुआत में खाली हो रही हैं।

सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा के सांसदों को चुनने के लिए तय नियमों के मुताबिक हरियाणा में जिस पार्टी के पास कम से कम 30 विधायक हैं, उसके एक उम्मीदवार का राज्यसभा पहुंचना तय है। इस बार के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 31 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है।

जाहिर तौर पर उसके लिए अपने एक सांसद को राज्यसभा पहुंचाने का रास्ता अब बाकी पेज 8 पर

दरअसल

बर्बरता के शिकार

बंगाल के नदिया की दो विधवाएं खुश | **आइएस के हत्यारों ने बनाया था विधवा**

'और बेरहमी से मारना चाहिए था बगदादी को'

क्रिशनगर (पश्चिम बंगाल) 28 अक्तूबर (भाषा)।

सीरिया में अमेरिकी विशेष बलों के हमले में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) के कुख्यात सरगना अबु बकर अल बगदादी के मारे जाने की खबर के बाद पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की दो विधवा महिलाएं खुश हैं।

इन दोनों महिलाओं के पति उन 39 भारतीयों में शामिल थे जिनका जून 2014 में तब के इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आइएसआइएस) ने अपहरण कर लिया था और इराक के बासूद में उनकी हत्या कर दी थी। चार साल के बाद 2018 में मारे गए इन लोगों की कब्र मोसुल में बरामद की गई थी। हालांकि, समय ने महिलाओं के मन में बगदादी और उसके संगठन आइएस के प्रति नफरत को कम नहीं किया है। बाद में आइएसआइएस ने अपना नाम बदलकर इस्लामिक स्टेट कर लिया था।

इन दोनों महिलाओं के पति उन 39 भारतीयों में शामिल थे जिनका जून 2014 में तब के इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आइएसआइएस) ने अपहरण कर लिया था और इराक के बासूद में उनकी हत्या कर दी थी।

इराक में मारे गए नदिया जिले के तेहत्ता निवासी खोकोन सिकदर की विधवा नमिता सिकदर ने कहा कि मुझे टीवी से पता चला कि बगदादी मारा गया है। मैं बहुत खुश हूं। मेरे पति को 38 अन्य लोगों के साथ मारा गया था और इसके पीछे आइएस का हाथ था।

दो में से एक महिला ने बताया कि आतंकवादियों के शिविरों के ध्वस्त होने से वह खुश है। बगदादी को पहले ही और बहुत बेरहमी से मारा जाना चाहिए था।

इराक में मारे गए नदिया जिले के तेहत्ता निवासी खोकोन सिकदर की विधवा नमिता सिकदर ने कहा कि मुझे टीवी से पता चला कि बगदादी मारा गया है। मैं बहुत खुश हूं। मेरे पति को 38 अन्य लोगों के साथ मारा गया था और इसके पीछे आइएस का हाथ था। उन लोगों (आइएस) ने हजारों निर्दोष लोगों को मार गिराया। मुझे इस बात की खुशी है कि आतंकवादियों का शिविर पूरी दुनिया में ध्वस्त किया जा रहा है। इससे भविष्य में कई लोगों की जान बचेगी।

बासूद में मारे गए छपरा निवासी इलेक्ट्रिशियन समर टीकादार की विधवा दीपाली टीकादार को बगदादी के मारे जाने की जानकारी नहीं थी और इस संवाददाता से उन्हें इसकी जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि उसे (बगदादी को) बहुत पहले ही मारा जाना चाहिए था। अगर यह पहले हुआ होता तो इससे बहुत से लोगों की जान बच सकती थी। पति के हत्यारों के खिलाफ गुस्सा प्रकट करते हुए दीपाली ने कहा कि बगदादी को और बेरहमी से मारा जाना चाहिए था क्योंकि उसने बड़े पैमाने पर लोगों की हत्या की है।

जनसत्ता
क्लासीफाइड
व्यक्तिगत

I,Sanjay Gautam alias Sanjay Kumar Gautam,S/O-Shri.Rajender Prashad Gautam,R/O-B-6/94,Sector-5,Rohini,Delhi-110085,inform that Sanjay Gautam and Sanjay Kumar Gautam both are same person.
0040517705-9

I,Ambar Taneja,S/o Sh.Arvind Taneja R/o-75, Golf-Links, New-Delhi-110003.have changed the name of my minor daughter Anya Taneja aged 04-years and 06-months to Anya Aneszka Anand Taneja,for all purposes.
0040517701-8

I, Akshit Singh Arora s/o Guneet Singh Arora r/o E-296, Greater Kailash-1, Delhi-110048, have changed my name to AKSHAT SINGH ARORA. 0040517685-1

I,Ambar Taneja,S/o Sh.Arvind Taneja R/o-75, Golf-Links, New-Delhi-110003,have changed the name of my minor daughter Seher Taneja aged 04-years and 06-months to Seher Samsara Anand Taneja,for all purposes.
0040517701-7

I, Yashvir Singh S/o Mahipal Singh R/o 266, D5/A, Ward No.2, Mehrauli, Delhi–110030, have changed my name to Yeshvir Singh. 0040517701-3

I, Tejpreet Singh, S/O Avtar Singh Mendiratta Address-5/158 Subash-Nagar Delhi-110027 Changed My Name To Tej Preet Singh Mendiratta.
0040517701-1

I, Sumeru Sanjay Kumar W/o-Sanjay Kumar R/o-B-904, Anant-Apartment,Plot 25-A, Sector-4, Dwarka, New Delhi-110078 have changed my name to Sumeru. 0040517705-6

I, Palram Lakhan Shree Chandra Bali S/o-Chandra Bali R/o-Village & P.O.-Ismailkichal-Amraivadi,Tehsil & Distt.-Ahmedabad,Gujrat-380026,have changed my name to Pal Ram Lakhan.
0040517701-5

I, Nitika D/o-Naresh Kumar R/o-VPO-Khaparwas, Tehsil-Matanhail Distt.-Jhajjar, Haryana. have changed my name to Nitika Sangwan.,for all future purposes.
0040517705-4

I, Mohammad Shafiuddin Shiddiquee, S/O Abdul Halim Shiddique H.No-169, Masjid-Wali.Gali, Rajiv-Nagar, Amar-Nagar, Faridabad,Haryana-121003.,changed My Name To Mohammad Shafiuddin Shiddiqee. 0040517705-3

I, Mohammad Nadeem R/o H.No- D-4, 3rd Floor Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar, New Delhi-110025 have changed the name of my minor son's name from Mohammad Mustafa to Mohammad Mustufa. 0040517684-1

I, Manmeet Singh Arora,S/o-Sardar Jagdish Singh,R/o-E-189,Greater-Kailash-I,New-Delhi-110048.,have changed my daughters name,from Gurleen Kaur to Gurleen Kaur Arora,for all future Purposes.
0040517701-4

I Pooja D/o-Vipin Goyal R/o A-57, Shahbad-Dairy Delhi 110042.have changed my name to Pooja Goyal for all future Purposes.
0040517701-2

I, KAVITA W/o Mr.Shriniwas, R/o-RZ-106A, Street.No.14, Tughlakabad-Extension, New-Delhi-110019, have changed my name KAVITA SINGH for all purposes. 0040517705-2

I, Ishita D/o Sanjay Kumar R/o-B-904, Anant-Apartment, Plot-25-A, Sector-4, Dwarka, New Delhi-110078.have changed my name to Ishita Kanojia.
0040517705-7

I, Harish Kumar Bidhori S/o Suresh Kumar Bidhori, R/o H.No. 446, Noughara Mohalla, Tughlkabad Village, New Delhi-110044, have changed my name from Harish Kumar Bidhori to Harish Kumar Bidhuri for all future purposes. 0040517688-1

I, Deepak S/o Mukand Lal R/o 2E/26, Ward.No.11, NH-2, Faridabad, Haryana-121001. have changed my name to Deepak Madaan.
0040517705-5

I, Bhanu S/O Vinod Kumar R/O A-72 Radhey Shyam Park Extension Railway-Colony Krishna-Nagar Delhi-51.,changed My Name To Bhanu Kashyap.
0040517705-10

I, Anjuu Shukla W/O-Prashant Shukla,H.No-1, Gali.No-1, Khasra.No-30, Saidula-Ajab, Mehrauli, New-Delhi-110030, Changed My Minor Daughter Name Anvita To Anvita Bhardwaj. 0040517705-1

I, Anju Bala W/o Anil Kumar R/o WZ-137, 1st-Floor, Naraina-Ring-Road, Near-Yes-Bank, Naraina-Village, Delhi-110028.have changed my name to Anju Bassi.
0040517705-8

I, Amrita D/o-Surjeet Singh R/o-251/1 Mandir-Wali Gali,Shri.Ram Nagar,Shahdara Delhi-110032,have changed my name to Amrita Kaur for all purposes. 0040517701-6

चुनावी जीत के बाद महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष महिलाओं को भेंट करेंगे साड़ियां

पुणे, 28 अक्तूबर (भाषा)।

- महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख और राज्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने 'भाऊ-बीज' के उपहार के तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं को साड़ियां भेंट करने की बात कही।

महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख और राज्य मंत्री चंद्रकांत पाटील 'भाऊ-बीज' के उपहार के तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं को साड़ियां देंगे। उन्होंने महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में पुणे जिले के कोथरुड निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। कोल्हापुर जिले से होने के कारण अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा बाहरी करार दिए जाने वाले पाटील ने पिछले सप्ताह हुए राज्य विधानसभा चुनावों में कोथरुड से मनसे उम्मीदवार किशोर शिंदे को 25,000 से अधिक वोटों से हराया।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस भाऊ-बीज पर अपनी बहनों के लिए कुछ करना चाहिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, झुग्गी-बस्तियों में रहती हैं और घरेलू सहायिका का काम करती हैं। मैंने अपने कुछ दोस्तों से अपील की और उनमें से कुछ ने नई साड़ियां देकर सकारात्मक जवाब दिया है।' पाटील ने कहा कि साड़ी केवल उनके कोथरुड निर्वाचन क्षेत्र में बांटी जाएगी। उन्होंने कहा, 'इस साल हम कोथरुड से शुरुआत कर रहे हैं लेकिन अगले साल से मेरा लक्ष्य पुणे के सभी आठ निर्वाचन क्षेत्रों में इस कवायद को लागू करना होगा।'

पाटील ने कहा, 'मैं देने में विश्वास करता हूं...पिछले साल मेरे जन्मदिन पर, मैं मराठावाड़ा में लड़कियों को स्कूल की वर्दी का कपड़ा और जूते देना चाहता था क्योंकि वहां सूखा पड़ता है। मैंने अपने शुभचिंतकों से मुझे फूलों का गुलदस्ता देने के बजाय मेरी मदद करने की अपील की।' महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख ने कहा कि यह तय नहीं है कि कोथरुड में कितनी साड़ियां वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा, 'यह इस पर निर्भर करता है कि साड़ियों के रूप में कितनी मदद मिलती है।' कोथरुड से भाजपा पार्षद अमोल बलवडकर ने कहा कि उन्हें पाटील के कार्यालय से करीब 2000 साड़ियां मिली है जो सोमवार शाम से महिलाओं को बांटी जाएंगी।

मानसी गंगा कुंड में प्रदूषण नियंत्रित करें : एनजीटी

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

- एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को गोवर्धन शहर में मानसी गंगा कुंड में जल प्रदूषण को नियंत्रित करने और यह जांच करने के निर्देश दिए कि जल कुंड में सीवर का पानी न गिरे।

राष्ट्रीय हरित पंचाट (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को गोवर्धन शहर में मानसी गंगा कुंड में जल प्रदूषण को नियंत्रित करने और यह जांच करने के निर्देश दिए कि जल कुंड में सीवर का पानी न गिरे।

न्यायाधीश रघुवेंद्र राठौड़ की अध्यक्षता वाले पीठ ने कहा कि बोर्ड कुंड में सीवर का पानी गिराने वाले लोगों या अन्य तरीके से उसके पानी को प्रदूषित करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके जल प्रावधान कानून, 1974 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है। पंचाट ने कहा कि बोर्ड मानसी गंगा कुंड में सीवर का पानी या कोई घरेलू कचरा न गिरने दे।

पीठ ने कहा, 'राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मानसी गंगा कुंड के नमूने तत्काल लें और इसकी जांच कराएं कि क्या पानी पीने योग्य, नहाने के लिए सही है तथा कानून के तहत निर्धारित मानकों का पालन करता है। रिपोर्ट 10 दिन के भीतर सौंपें।' एनजीटी ने भरतपुर के जिला मजिस्ट्रेट को आठ नवंबर को उसके समक्ष पेश होने तथा कच्ची परिक्रमा में सीमेंट टाइल्स को हटाने से संबंधित आदेश का पालन करने के बारे में उसे सूचित करने के भी निर्देश दिए।

पुराणों के अनुसार, जब भगवान कृष्ण ने व्रज वृंदावन के निवासियों को इंद्र देव के प्रकोप से बचाया था तो उन्होंने उन्हें गोवर्धन पर्वत की पूजा करने की सलाह दी और उन्होंने पूजा की तथा पर्वत के चारों ओर परिक्रमा की। गोवर्धन पर्वत की करीब 23 किलोमीटर की परिक्रमा है और इसे पूरा करने में पांच से छह घंटे लगते हैं।

पंचाट ने पहले कहा था कि गोवर्धन में बिना पंजीकरण संख्या के ई-रिक्शा चलना अवैध है और उसने मथुरा के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध इस शहर में उनके नियमन के निर्देश दिए थे। एनजीटी मथुरा स्थित गिरिराज परिक्रमा संरक्षा संस्थान और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उसके चार अगस्त 2015 के निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

कांग्रेस बुरे दौर से बाहर निकली : खुर्शीद

बंगलुरु, 28 अक्तूबर (भाषा)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने सोमवार को कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे इस ओर इशारा करते हैं कि पार्टी का आधार खिसकना बंद हो गया है और अब वह धारा का रुख बदलने की शुरुआत कर सकती है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब असमंजस और आत्मसंशय के बुरे दौर से बाहर आ गई है। उनका इशारा लोकसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन, पार्टी अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे और कुछेक राज्यों में कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने की ओर था। खुर्शीद ने दो राज्यों के चुनावी नतीजों को उत्साहवर्धक बताया और कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इससे बेहद खुश हैं। उन्होंने एक बातचीत में कहा कि इसने (चुनाव परिणाम) उन्हें (कांग्रेस कार्यकर्ताओं) राहत की सांस दी है। मुझे लगता है यह कांग्रेस में हम सबको याद दिलाता है कि हममें अभी बहुत दम बाकी है। अब हमें फिर से अपने पैरों पर खड़े होने और विश्वास व निश्चय के साथ लड़ने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह स्पष्ट इंगित करता है कि अब आधार नहीं खिसक रहा और हम धारा का रुख पलटने की शुरुआत कर सकते हैं।

नौका दौड़

दीपावली व काली पूजा के मौके पर सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के मानिकनगर गांव में परंपरागत नौका दौड़ में भाग लेते प्रतियोगी।

मौजूदा इमारत से ही चलती रहनी चाहिए संसद : कर्ण सिंह

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने सोमवार को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि मौजूदा इमारत से ही संसद को चलने दिया जाए और किसी दूसरी इमारत में इसे स्थानांतरित नहीं किया जाए।

राज्यसभा के सभापति नायडू को सिंह ने यह सुझाव भी दिया कि मौजूदा संसद भवन में ही और सदस्यों के लिए स्थान बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मेरे विचार से संसद की मौजूदा इमारत से अनावश्यक वस्तुओं और कार्यालयों को बाहर किया जाए और इसके कक्ष का विस्तार किया जाए ताकि और अधिक सदस्यों के बैठने के लिए स्थान बन सके।' संसद के वरिष्ठ सदस्य रह चुके कर्ण सिंह ने कहा, 'मेरा यह स्पष्ट विचार है कि संसद की मौजूदा इमारत खूबसूरत, अनोखी और गोलाकार है जिसे किसी भी सूरत में नहीं छोड़ना चाहिए। हम ऐसी इमारत दोबारा नहीं बना सकेंगे। नई आधुनिक इमारत में जाने से हम इस भवन जैसे विशेष माहौल से वंचित हो जाएंगे।'

तेदेपा विधायक इस्तीफे पर अड़े, नायडू ने कहा कि यह सही समाधान नहीं

अमरावती, 28 अक्तूबर (भाषा)।

तेलुगु देशम पार्टी और विधायक पद से इस्तीफा देने वाले वल्लभानेनी वामसी अपने रुख पर सोमवार को भी कायम हैं जबकि तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने उन्हें पत्र लिख कर कहा है कि इस्तीफा देना या राजनीति छोड़ देना सही समाधान नहीं है।

वामसी ने रविवार को नायडू को पत्र लिख कर कहा था कि पार्टी के हितों के लिए उन्होंने राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने लिखा, 'विधायक के तौर पर सराहनीय काम करने की मुझे संतुष्टि है। अब मैं एक बार फिर विधायक निर्वाचित हुआ हूं लेकिन मेरे साथी और सहयोगी स्थानीय वाइएसआर कांग्रेस प्रभारी के प्रतिशोधात्मक रवैए से और कुछ सरकारी कर्मचारियों के पक्षपातपूर्ण रवैये से परेशान हैं।'

नायडू को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि अगर वह पद पर बने रहे तो शायद सहयोगियों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं। इस पर नायडू ने उन्हें लिखित जवाब में कहा, 'मेरे विचार से इस्तीफा देना या राजनीति छोड़ देना सही समाधान नहीं है।' उन्होंने कहा, 'आपके राजनीति छोड़ देने से वाइएसआरसीपी और उनकी कठपुतली सरकार की प्रतिशोधपूर्ण राजनीति या उत्पीड़न बंद नहीं हो जाएगा।

भूल चूक

27 अक्तूबर के संस्करण में ...24 घंटे के भीतर ही अजय चौटाला को मिली फरलो...शीर्षक से प्रकाशित खबर में भूलवश अजय चौटाला की जगह भाई अभय चौटाला की तस्वीर छप गई, जिसके लिए खेद है। –सं.

पटाखा दुकान में आग, तीन की मौत

कोंडागांव, 28 अक्तूबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में दीपावली की रात पटाखा दुकान में आग लगने से दुकान मालिक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कोंडागांव जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के माकड़ी गांव में पटाखा दुकान में आग लगने से काशी सेन, बलराम नेताम और शिवलाल श्रीमाली की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माकड़ी गांव के बाजार में काशी सेन ने पटाखे की दुकान लगाई थी। उसके दो मित्र बलराम नेताम और शिवलाल उसकी मदद कर रहे थे। रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे दुकान में अचानक आग लग गई और पूरी दुकान से लपटें निकलने लगीं।

अंधविश्वास में सगे भतीजे का गला रेतकर हत्या
चाचा, चाची व तांत्रिक गिरफ्तार

भागलपुर 28 अक्तूबर (जनसत्ता)।

भागलपुर जिले के पीरपैंती के विनोवा टोला गांव में सिकंदर रविदास के दस साल के कन्हैया की संतान प्राप्ति के लिए अंधविश्वास में उसके सगे चाचा और चाची ने गला रेत कर बलि दे दी। पुलिस ने आरोपी शिव रविदास और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

एसएसपी आशीष भारती के मुताबिक इसे गांव के तांत्रिक विलास मंडल ने ऐसा करने के लिए उकसाया है। उसे भी नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने विलास को भी गिरफ्तार कर लिया है। शिव रविदास निःसंतान है।

तांत्रिक विलास मंडल के बहकावे में आकर वह अपने सगे भाई के सबसे छोटे बेटे कन्हैया को दिवाली की रात घर से फुसलाकर सुनसान जगह ले गया और गला रेत हत्या कर दी।परिजन रातभर कन्हैया को ढूंढ़ते रहे। आखिरकार थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सोमवार को बांस के खेत से उसकी लाश बरामद की है। लाश को देखने पर जाहिर होता है कि पहले उसका गला रेता गया। फिर शरीर का एक अंग काटा गया। पुलिस ने नामजद एफआइआर दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू भागलपुर मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया है।

कन्हैया का पिता सिकंदर रविदास पंजाब के पटियाला में मजदूरी करता है। उनकी पत्नी मीना देवी गांव में रहकर अपने बच्चों की परवरिश करती है।

'नगा विधायक शांति प्रक्रिया पर रुख स्पष्ट करें'

कोहिमा, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पुराने जटिल राजनीतिक नगा मामले का जल्द समाधान खोजने पर जोर दे रहे सात दलों के संगठन एनएनपीजीएस ने 31 अक्तूबर को होने वाली अगले दौर की शांति वार्ता से पहले विधायकों से अनुरोध किया है कि वे इस मामले पर 'निरपेक्ष' नहीं रहें। संगठन ने कहा कि जब सरकार मामले का समाधान खोजने के प्रयास में जुटी है तो विधायकों को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

नगा नेशनल पॉलिटिकल ग्रुप्स (एनएनपीजीएस) मसले के हल को लेकर केंद्र सरकार के साथ 2017 से बातचीत कर रहा है। रविवार रात संगठन के मीडिया सेल की ओर से जारी बयान में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से यह अनुरोध किया गया है। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड, इसाक मुइवा (एनएससीएन-आइएम) ने अगस्त 2015 में केंद्र के साथ एक मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। एनएससीएन-आइएम अलग झंडे और अलग संविधान पर जोर दे रहा है जबकि सरकार उसका यह अनुरोध खारिज कर चुकी है।

केंद्र के वार्ताकार और नगालैंड के राज्यपाल आरएन रवि सोमवार को नई दिल्ली में एनएससीएन-आइएम के साथ बातचीत करेंगे। रवि ने 19 अक्तूबर को कहा था कि एनएससीएन-आइएम ने अलग नगा राष्ट्रीय ध्वज और संविधान की मांग उठा कर इसके हल में देरी करने का रवैया अपना रखा है जबकि उसे सरकार का रुख अच्छी तरह पता है।

एनएनपीजीएस ने एक बयान में कहा कि नगालैंड के निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस मुद्दे पर तटस्थ रुख नहीं रखना चाहिए। खासतौर से तब, जब सरकार इस मुद्दे को सुलझाना चाहती है।

एनएनपीजीएस ने यह भी कहा कि छह दशक पुराने इस मुद्दे के जल्द समाधान के लिए नगा समाज की मांग को देखते हुए केंद्र ने शांति वार्ता के लिए समय सीमा तय की है।

खोया+पाया

I Smt. Laxmi devi,w/o shri.arjun dass H.no-877 sector-4, urban-estate Gurgaon, I,have lost my property document-1 allotment-letter, possession-leter ,session-leter .original-certificate.
0040517701-10

I,Ajay Raj Kamra Son of J.C.Kamra Resident of-C-55,Jangpura Extension,New Delhi-110014,have lost my original,Membership Share Certificate of-The Bhawalpur CGHS at Plot.Number:-1 Sector-4,Dwarka,New Delhi-110024,If found Contact:-981813530. 0040517693-1

PUBLIC NOTICE

I, Kuldeep Kaur D/o Pavittar Singh R/o Begowal, Ludhiana, Punjab declare that in my service records my mother name is wrongly mentioned as Harjinder Kaur. That her correct name is Rajinder Kaur. That both name i.e. Rajinder Kaur & Harjinder Kaur is one and same person.

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

LAW AMBITION LAW INSTITUTE

RAJASTHAN JUDICIARY
MOCK INTERVIEW 2019...
SCARED OF FACING THE REAL INTERVIEW????
COME HAVE THE MOCK INTERVIEW
REGISTER AS SOON AS POSSIBLE
Call/Msg- 8800660301
Email- ambitionlaw1@gmail.com

New batch for IAS law optional
Hurry up limited seats
8800662140 10th NOV.

MUKHERJEE NAGAR			KAROL BAGH / PUSA ROAD		
JUDICIAL FOUNDATION	JUDICIAL WEEKEND	CLAT	JUDICIAL	IAS (LAW)	CLAT
25 NOV.	10 NOV.	2 NOV.	25 NOV.	10 NOV.	5 NOV.
880066-0301 / 2130 / 0380			880066-2140 / 011-49841810		

B-10, 1st Floor, Above Maharashtra Bank, Mukherjee Ngr, Delhi -9
011-47532639 / 8800660301
www.ambitionlawinstitute.com
Toll Free No. 1800-12000-2001

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

माओवादी हिंसा में नौ सालों में गई 3,749 लोगों की जान

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

- वाम चरमपंथ के कारण सबसे अधिक जानें छत्तीसगढ़ में गई, जहां 2010 से 2018 के बीच माओवादियों द्वारा अंजाम दी गई 3769 हिंसक घटनाओं में 1370 लोगों की मौत हुई।

गृह मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले नौ सालों के दौरान 10 राज्यों में नक्सली हिंसा में 3700 से अधिक लोग मारे गए। इनमें सबसे अधिक जान छत्तीसगढ़ में गई।

मंत्रालय ने 2018-19 की अपनी रिपोर्ट में कहा कि भाकपा (माओवादी) देश में विभिन्न वाम चरमपंथी संगठनों में सबसे ताकतवर संगठन है। वह 88 फीसद से अधिक हिंसक घटनाओं व फलस्वरूप होने वाली मौतों के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते नुकसान के बीच भाकपा (माओवादी) अंतरराज्यीय सीमाओं पर नए क्षेत्रों में अपने पांव पसारने की कोशिश में जुटा है लेकिन उसे कोई बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है। रिपोर्ट के अनुसार 2010 से 10 राज्यों में हिंसा की 10,660 घटनाओं में 3,749 लोगों की जान गई।

वाम चरमपंथ के कारण सबसे अधिक जानें छत्तीसगढ़ में गई, जहां 2010 से 2018 के बीच माओवादियों द्वारा अंजाम दी गई 3769 हिंसक घटनाओं में 1370 लोगों की मौत हुई। झारखंड में वाम चरमपंथ की 3,358 हिंसक घटनाओं में 997 लोग मारे गए जबकि बिहार में उसी दौरान 1526 ऐसी ही हिंसक वारदातों में 387 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। दस नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओड़ीशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश हैं।

शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय नीति व कार्ययोजना के दृढ़ क्रियान्वयन से देश में वाम चरमपंथ के परिदृश्य में काफी सुधार आया है। पिछले पांच सालों में वाम चरमपंथ हिंसा में काफी गिरावट आई है और वाम चरमपंथ का भौगोलिक प्रसार भी घटा है। वाम चरमपंथ हिंसा में गिरावट का दौर 2018 में भी जारी रहा। हिंसक घटनाओं में 26.7 फीसद की कमी आई। 2013 में 1136 हिंसक घटनाएं हुईं जबकि 2018 में 833 ऐसी घटनाएं सामने आईं। 2013 में वाम चरमपंथ की हिंसक घटनाओं में 397 लोग मारे गए जबकि 2018 में यह संख्या 39.5 फीसद घटकर घटकर 240 हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक 2013 में वाम चरमंपथी हिंसा में 75 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए जबकि 2018 में यह संख्या 10.7 फीसद घटकर 67 हो गई। 2013 में 136 वाम चरमपंथी मारे गए जबकि 2018 में 225 वाम चरमपंथियों का सफाया किया गया। इसमें 65.4 फीसद की वृद्धि हुई। साथ ही भारत सरकार के विकास कार्यक्रमों के कारण हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले वाम चरमपंथियों की संख्या में लगातार इजाफा नजर आया।

केरल पुलिस ने तीन माओवादियों को मार गिराया

पलक्कड़, 28 अक्तूबर (भाषा)।

केरल के पलक्कड़ जिले में अत्तापैडी के पास खोज अभियान के दौरान एक महिला समेत तीन संदिग्ध माओवादियों को सोमवार को मार गिराया गया। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि 'थंडरबोल्ट' दस्ते के कर्मियों पर माओवादियों ने गोली चलाई जिसका दस्ते ने जवाब दिया।

अधिकारी ने बताया कि खोज दल पलक्कड़ जिले के घने जंगल के अंदर गश्त कर रहा था। तभी माओवादियों ने उन पर गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अभियान में एक महिला समेत तीन माओवादियों को मार गिराया गया है। सूत्रों ने बताया कि घटनास्थल के लिए बम निष्क्रिय दस्ता और शीर्ष पुलिस अधिकारी रवाना हुए हैं। इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी जिसके बाद विशेष टीम क्षेत्र में खोज अभियान चला रही थी।

पलक्कड़ से कांग्रेस सांसद श्रीकंदन ने कहा कि मुख्यमंत्री को घटना का समय स्पष्ट करना चाहिए और यह भी बताना चाहिए कि मुठभेड़ की वजह क्या थी? उन्होंने कहा कि जब पूरा राज्य वालयार में दो बहनों की मौत के बारे में चर्चा कर रहा है तो ऐसे में हम जानना चाहेंगे कि जो मरे हैं उन्होंने ऐसा क्या किया था जिसके चलते पुलिस उन पर गोली चलाने के लिए बाध्य हुई। हमें यह भी शक है कि क्या यह भी वायनाड की तरह संदिग्ध साजिश है।

बसों में महिलाओं के लिए आज से मुफ्त सफर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

महिलाओं की सुरक्षा में तैनात मार्शलों की संख्या बढ़ाकर 13 हजार की गई

दिल्ली में महिलाएं मंगलवार से दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और कलस्टर बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। दिल्ली सरकार ने बसों में सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा में तैनात मार्शलों की संख्या बढ़ाकर 13 हजार करने का फैसला भी किया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के प्रति वचनबद्ध है और इसके तहत 29 अक्तूबर तक राजधानी की बसों में मार्शलों की संख्या बढ़ाकर तकरीबन 13 हजार कर दी जाएगी। उन्होंने त्यागराज स्टेडियम में नवनियुक्त मार्शलों के एक कार्यक्रम में कहा- आज मैं आप सभी को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपना चाहता हूं कि हर सरकारी बस में महिलाएं सुरक्षित महसूस करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ यात्रा कर सकें। उन्होंने बताया कि दिल्ली की बसों में मार्शलों की मौजूदा संख्या 3400 है। केजरीवाल ने कहा कि मंगलवार को भाईदूज के पावन पर्व पर बसों में मार्शलों की संख्या बढ़ाकर लगभग 13 हजार कर दी जाएगी। हम शहर में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे लगता है कि बसों में मार्शलों की संख्या में ऐसी बढ़ोत्तरी दुनिया के किसी भी शहर में नहीं की गई होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली एक बड़े परिवार जैसा है और इसका बड़ा बेटा होने के नाते मैं अपनी माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और डीटीसी बसों में यात्रा सुविधाजनक बनाने की जिम्मेदारी निभा रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मार्शल बस में हर तरह की आपात स्थिति से निपटेंगे। वह बस में बीमार की मदद भी करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए चिंता की बात है कि राजधानी की महिलाएं शहर में सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है, और महिलाओं को हर समय सुरक्षित महसूस करना चाहिए। क्योंकि हम एक परिवार हैं, हमें एक-दूसरे के लिए एक सुरक्षित जगह सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि भाईदूज के अवसर पर, दिल्ली सरकार मुफ्त बस सवारी योजना लागू करेगी।

'लेजर शो में किया गया जनता का पैसा बर्बाद'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

राज्य सभा सदस्य और पूर्व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि केजरीवाल सरकार सिर्फ खोखली घोषणाएं और विज्ञापनों में जनता का पैसा बर्बाद करने में लगी है। दिल्ली के विकास पर उनका कोई ध्यान नहीं है। दिल्ली में आज प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है कि लोगों का दिल्ली में रहना मुश्किल हो गया है। प्रदूषित वायु लोगों के फेफड़ों में जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े कहते हैं कि वायु गुणवत्ता सूचकांक 463 पहुंच गया है जबकि 100 से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इतना सब होने के बाद भी दिल्ली सरकार की नींद नहीं खुल रही है। जब दीपावली पर प्रदूषण का स्तर हमेशा बढ़ता है तो केजरीवाल सरकार को इसके खिलाफ पहले से ही एक्शन-प्लान तैयार कर लेना चाहिए था कि इसका समाधान कैसे करेंगे। मुख्यमंत्री ने समाधान की जगह लेजर शो में जनता के करोड़ो रुपए बर्बाद कर दिए।

डीयू के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी नहीं पहनेंगे खादी के परिधान

सुशील राघव
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

- यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों से किया है खादी परिधान उपयोग करने का अनुरोध
- यूजीसी का पत्र देरी से मिला, अगले साल खादी परिधान के लिए कोशिश करेंगे: डीयू

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने 96वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन 4 नवंबर को करने जा रहा है। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी पूर्व की तरह ही परिधान पहनेंगे। उन्हें खादी परिधान देने की इस साल डीयू की कोई योजना नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से सभी विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया गया है कि वे दीक्षांत समारोह जैसे विशेष अवसरों के लिए निर्धारित समारोह परिधान के लिए खादी या अन्य हथकरघा कपड़े का उपयोग करने पर विचार करें।

डीयू के परीक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यूजीसी का पत्र देरी से मिला है। अब विश्वविद्यालय ऐसी स्थिति में नहीं है कि वह विद्यार्थियों को खादी के परिधान उपलब्ध करा पाए। जब उनसे पूछा गया कि यूजीसी तो इस संबंध में कई सालों से अनुरोध कर रहा है तो अधिकारी ने कहा कि हम अलगे साल इस बारे में सोचेंगे। यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन की ओर से 23 अक्तूबर को देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक पत्र लिखा गया था। इसमें उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने खादी के उपयोग और हथकरघा के पुनरुद्धार को काफी महत्त्व दिया है। महात्मा गांधी ने भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान हाथ से काते गए खादी को एक हथियार के रूप में प्रयोग किया था और इसलिए इसे 'स्वतंत्रता की वर्दी' के रूप में भी जाना जाता है। खादी और हथकरघे का कपड़ा न केवल हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत का एक अभिन्न अंग है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को आजीविका का अवसर भी प्रदान करता है। अतः सभी विश्वविद्यालयों से अनुरोध है कि दीक्षांत समारोह जैसे विशेष अवसरों के लिए निर्धारित समारोह परिधान के लिए खादी या हथकरघा कपड़े के उपयोग करने पर विचार करें।

अजय चौटाला की रिहाई पर कांग्रेस ने केजरीवाल को घेरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

- हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाने में केजरीवाल ने की मदद : चोपड़ा
- केजरीवाल पर भाजपा व जजपा से मिले होने का लगाया आरोप

हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की जोरदार वापसी ने दिल्ली के पार्टी नेताओं के मन में भी अच्छे दिन आने की उम्मीदें जगा दी हैं। पार्टी नेताओं ने हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के गठन का ठीकरा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिर फोड़ा है। दिल्ली के कांग्रेसी नेताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल भाजपा से मिले हुए हैं और उन्होंने दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद अजय चौटाला को फरलो पर रिहाई सुनिश्चित कर पड़ोसी राज्य में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार बनाने का रास्ता साफ किया क्योंकि उन्हें डर था कि हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में जो आंधी उठी है, वह कहीं दिल्ली न पहुंच जाए।

प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली तथा वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा ने सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। चोपड़ा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हरियाणा में भाजपा को दुष्यंत का समर्थन मिलने के बाद उसी दिन अजय चौटाला को फरलो मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की अनुमति के बिना यह फरलो नहीं मिल सकता है। तय नियमों के मुताबिक दिल्ली सरकार के गृह मंत्रालय की मंजूरी से फरलो मिलता है। जाहिर तौर पर केजरीवाल की सहमति से ही यह फरलो मिला।

चोपड़ा ने कहा कि केजरीवाल ने जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित राज्य बनने का समर्थन किया, जबकि वह खुद दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य की मांग कर रहे हैं। यह उनका दोहरा मापदण्ड है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लवली ने आरोप लगाया कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी ने भाजपा की मदद की है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने फरलो मंजूर कराई ताकि हरियाणा में भाजपा की सरकार बन सके। सरकार बनने में केजरीवाल ने पूरी मदद भाजपा की मदद कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की तरह केजरीवाल भी दिल्ली सरकार की सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जींद उपचुनाव के समय इनेलो नेता ओमप्रकाश चौटाला का फरलो आवेदन रद्द किया गया था ताकि वह जजपा के खिलाफ प्रचार नहीं कर सकें।

इस मौके पर कांग्रेस की दिल्ली इकाई की चुनाव प्रचार समिति के प्रमुख कीर्ति आजाद ने कहा कि भाजपा और आप नूराकुश्ती कर रही है। यह कम देखा गया कि रविवार के दिन फरलो मिलती है। यहां विशेष परिस्थिति में फरलो दिया गया। भाजपा और आप के बीच समझौता हुआ कि तुम हरियाणा में बने रहो और हम दिल्ली में बने रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, जजपा और आप आपस में मिली हुई है तथा इनको डर था कि हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में जो आंधी उठी है, वह दिल्ली न पहुंच जाए। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के पिता एवं जजपा नेता अजय चौटाला को दीपावली से एक दिन पहले फरलो मिला। वह हरियाणा में भाजपा और जजपा की गठबंधन सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

दिल्ली में न्यूनतम मजदूरी बढ़ी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिल्ली सरकार ने मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी में की गई वृद्धि की अधिसूचना जारी कर दी। इससे शहर में काम करने वाले करीब 55 लाख श्रमिकों को लाभ होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली सरकार ने बढ़ी हुई न्यूनतम मजदूरी को अधिसूचित किया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को अप्रैल से सितंबर अवधि के लिए बढ़े महंगाई भत्ते का बकाया भी मिलेगा। इसके अलावा उन्हें एक महीने की मजदूरी के बराबर दिवाली बोनस भी दिया जाएगा। बढ़ी हुई मजदूरी के तहत अकुशल कामगारों के लिये न्यूनतम वेतन 14,842 रुपए मासिक, अर्द्धकुशल कर्मचारियों के लिए 16,341 रुपए तथा कुशल श्रमिकों के लिए 17,991 रुपए मासिक तय किया गया है।

केजरीवाल ने कहा कि इस कदम से गरीबी हटाने और आर्थिक नरमी से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं देने पर सरकार ने 1,373 ठेकेदारों को हटा दिया है। हमने इस संदर्भ में विशेष अभियान चलाया और न्यूनतम मजदूरी नियमों का उल्लंघन करने को लेकर 100 से अधिक नियोक्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

'केंद्र की पोषण अभियान योजना लागू करने में विफल दिल्ली सरकार'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की महिलाओं तथा बच्चों को संतुलित आहार उपलब्ध कराने वाली महत्वाकांक्षी पोषण अभियान योजना लागू करने में केजरीवाल सरकार बुरी तरह विफल रही है। दिल्ली सरकार की विफलता के कारण केन्द्र की महिलाओं तथा बच्चों में संतुलित आहार को प्रभावशाली ढंग के साथ एक ही छत के नीचे पौष्टिक आहार की सेवा उपलब्ध कराने को भारी झटका लगा है। लाखों गर्भवती तथा दूध पिलाने वाली महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाले 10752 आंगनबाड़ी केन्द्रों के आधुनिकीकरण व डिजिटलाइजेशन की गति ठप्प पड़ी है। केन्द्र ने इस योजना के क्रियांवयन के लिए 31.52 करोड़ रूपये जारी किए थे, लेकिन खेद की बात है कि दिल्ली सरकार इसमें से 65 फीसद राशि अर्थात् 20.29 करोड़ रुपए खर्च तक नहीं कर पाई है। गुप्ता ने कहा कि सारी दिल्ली को वाई-फाई उपलब्ध कराने का झूठा सपना दिखाने वाली दिल्ली सरकार ने इस योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों को स्मार्ट फोन प्राप्त कराने में काफी विलंब किया। अभी तक इनका पूरी तरह उपयोग भी नहीं किया गया है। आज तक मात्र 1946 डिवाइसिस लांच की गई है जबकि सारे राष्ट्र में 5.02 लाख डिवाइसिस लांच की गई है। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में हाजरी रिकार्ड करने का काम, केन्द्रों के खुलने और बंद होने का समय, बच्चों को दिए जाने वाले खाने के प्रतिदिन फोटोग्राफ लेने जैसे काम करने थे। परंतु दिल्ली सरकार की ढिलाई के चलते हजारों आंगनबाड़ी केन्द्रों में ये महत्वपूर्ण काम नहीं हो रहे हैं। केन्द्र ने इस योजना को 3 वर्ष की समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए 18 दिसंबर, 2017 को प्रारंभ किया था। उनका आरोप है कि केजरीवाल सरकार ने इसमें लगभग डेढ़ साल का विलंब किया।

कार्यालय: रिकवरी अधिकारी-I
ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

बिक्री उद्घोषणा

आर.सी. नं. 229/18

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

यूबीआई बनाम मै. सारा ओवरसीज

सीडी 1. सारा ओवरसीज, एक प्राप्राईटरशिप फर्म, द्वारा उसके पार्टनर श्री सुभाष नरूला एवं श्री रमण नरूला, बीबी-237, दूसरा तल, नीम चौक, नवी करीम, दिल्ली-55, साथ ही: एम-21, लाजपत नगर-II, नई दिल्ली-24, साथ ही: भूतल पर शॉप, प्लॉट नं. 6159, नवी करीम, पहारगंज, नई दिल्ली
सीडी 2. श्री सुभाष नरूला, मै. सारा ओवरसीज के पार्टनर, बीबी-237, दूसरा तल, नीम चौक, नवी करीम, दिल्ली-55, साथ ही: एम-21, लाजपत नगर-II, नई दिल्ली-24, साथ ही: भूतल पर शॉप, प्लॉट नं. 6159, नवी करीम, पहारगंज, नई दिल्ली
सीडी 3. श्री रमण नरूला, मै. सारा ओवरसीज के पार्टनर, बीबी-237, दूसरा तल, नीम चौक, नवी करीम, दिल्ली-55, साथ ही: एम-21, लाजपत नगर-II, नई दिल्ली-24, साथ ही: भूतल पर शॉप, प्लॉट नं. 6159, नवी करीम, पहारगंज, नई दिल्ली

1. जैसा कि 23.4.2016 के विलम्बित तथा 12% की दर से आगे के ब्याज के साथ रु. 49,98,615.80 की राशि की वसूली के लिये पीठासीन अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण-I द्वारा ओए नं. 271/16 तिथि 14.6.2018 में वसूली प्रमाणपत्र सं. 229/18 तैयार किया गया है जिसके साथ रु. 54000/- की लागत का भी भुगतान किया जाना है।
2. तथा जैसा कि उक्त रिकवरी प्रमाणपत्र की संतुष्टि में अधोहस्ताक्षरी ने अनुसूची में नीचे वर्णित संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. तथा जैसा कि रु. 54000 की लागत के साथ 23.4.2016 से वसूली तक विलम्बित तथा 12% प्रति वर्ष की दर से आगे के ब्याज तथा लागत, खर्चे के साथ रु. 4998615.80/- की राशि बकाया होगी।
4. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 3.12.2019 को 2.00 बजे अप. से 3.00 अप. बजे के बीच, यदि जरूरी तो 3.00 अप. के बाद 5 मिनट के विस्तार के साथ में ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली "ऑन लाइन इलेक्ट्रोनिक बोली" के माध्यम से वेबसाईट http://bankeauctions.in पर होगी।
5. यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त सीडी'ज की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।
6. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए, ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।
7. ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे।
8. यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी। संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।

8.1 आरक्षित मूल्य जिसके नीचे सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जाएगी रु. 18.31 लाख (रुपये अठारह लाख इकत्तीस हजार) तथा धरोहर राशि (ईएमडी) रु. 1.83 लाख (रु. एक लाख तिड़ासी हजार मात्र) है।

8.2 इच्छुक बोलीदाताओं को अधिकतम् 30.11.2019 के 3.00 बजे अप. तक "रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I, दिल्ली खाता आर.सी. नं. 229/18" के पक्ष में देय पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट द्वारा रु. 1.83 लाख (रु. एक लाख तिड़ासी हजार मात्र) की धरोहर राशि (ईएमडी) का भुगतान करना होगा तथा उसके बाद प्राप्त की गई ईएमडी पर विचार नहीं किया जायेगा। सफल बोलीदाता के मामले में उक्त जमा समायोजित कर ली जायेगी। असफल बोलीदाता ई-नीलामी बिक्री की प्रक्रिया की समाप्ति के तत्काल बाद रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I, दिल्ली के कार्यालय से प्रत्यक्ष रूप से अपनी ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।

8.3 रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I दिल्ली के कार्यालय में अधिकतम् 30.112019 के 3 बजे सायं तक पैन कार्ड, पहचान के प्रमाण, आवास के प्रमाण आदि के साथ आरक्षित मूल्य से ऊपर अपनी बोली जमा किए होने वाले बोलीदाता 3.12.2019 को 2.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. के बीच आयोजित की जाने वाली ई-नीलामी में भाग लेने के लिए योग्य होंगे। यदि बोली नीलामी अंतिम समय के अंतिम 5 मिनटों में रखी जाती है तो नीलामी का समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।

8.4 बोलदाता रु. 1,00,000/- (रुपये एक लाख मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं। यदि बोली राशि या बोलीदाता के संदर्भ में कोई विवाद होता है तो सम्पत्ति को तत्काल फिर से नीलामी पर रखा जायेगा।

8.5 सफल/उच्चतम बोलीदाता को किसी भी लॉट का क्रेता घोषित किया जाएगा बशर्ते उनके द्वारा प्रस्तावित बोली राशि आरक्षित मूल्य से कम नहीं हो। यदि उनके द्वारा प्रस्तावित मूल्य स्पष्ट रूप से अपर्याप्त लगे तथा ऐसा करना अव्यवहारिक हो तो अधोहस्ताक्षरी स्वेच्छा से उच्चतम बोली को अस्वीकार कर सकते हैं।

8.6 सफल/उच्चतम बोलीदाता ईएमडी समायोजित करने के बाद ई-नीलामी की समाप्ति के 24 घंटे के भीतर रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I, दिल्ली खाता आरसी नं. 229/18 के पक्ष में 25% बोली/बिक्री राशि का डीडी/पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे रिकवरी अधिकारी के कार्यालय में इस तरह से भेजना होगा ताकि वह ई-नीलामी की समाप्ति से 3 दिनों के भीतर उनके पास पहुंच जाए अन्यथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।

8.7 सफल/उच्चतम बोलीदाता को संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वां दिन रविवार या अन्य अवकाश दिवस होता है तो 15वें दिनहोता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस में रजिस्ट्रार, डीआरटी-I, दिल्ली के पक्ष में रु. 1000/- तक 2% की दर से तथा रु. 1000/- से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से पाउंडेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I, दिल्ली के समक्ष शेष 75% बिक्री राशि का रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली के समक्ष शेष 75% बिक्री राशि का रिकवरी अधिकारी -II, डीआरटी-I, दिल्ली खाता आरसी 229/18" के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/ पेआर्डर का भुगतान करना होगा। (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उपरोक्त रूप से उनके पास पहुंच जाए)।

8.8 निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे को डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं सरकार के पक्ष में जमा राशि जब्त कर ली जायेगी तथा चूक करने वाले क्रेता उस संपत्ति अथवा उस राशि के किसी भाग के लिये दावे करने से वंचित हो जाएंगे जिसके लिय बाद में उसकी बिक्री की जाएगी।

9. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व ई-नीलामी बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये पोर्टल https://bankeauctions.com देखें एवं/अथवा **श्री संतोष कुमार (मुख्य प्रबंधक) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एसडीए शाखा, सी-4, कम्युनिटी सेन्टर, सफदरजंग विकास क्षेत्र (एसडीए) नई दिल्ली**-110016, **मो.नं.** +91-7898032428 **से सम्पर्क करें।**
10. संभावित बोलीदाता को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा तथा **मै. 4 क्लोजर, बी 39/2, ब्लॉक-बी, चन्दर विहार, निलोठी एक्स्टें, नागलोई, दिल्ली सम्पर्क श्री विकास कुमार, ईमेल आईडी vikas@bankeauctions.in, मो. नं.** +91-8142000809, **हेल्पलाइन नं.** +91-8142000062/63 **(एम) टेली: 040-23836405 से** उपरोक्त ई-नीलामी में बोली के लिये यूजर आईडी तथा पास्वर्ड अग्रिम बोलीदाताओं के लिये प्राप्त करना अनिवार्य है।
11. संपत्ति की बिक्री '**जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है**' आधार पर की जा रही है।
12. अधोहस्ताक्षरी को किसी या सभी बोलियों को स्वीकार अथवा अनुपयुक्त पाते हैं तो अस्वीकार करने अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार प्राप्त है।

सह. स्वामियों जहां जहां संपत्ति डिफॉल्टर तथा सह-स्वामी के रूप में किसी अन्य व्यक्ति का है के नाम के साथ बिक्री की जाने वाली संपत्ति का विवरण	संपत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्व	ऐसा किसी अधिभारों का विवरण जो संपत्ति पर देय है	दावे, यदि कोई हो, जिसे संपत्ति पर रखा गया हो तथा उस प्रकृति एवं मूल्य के कोई अन्य ज्ञात विवरण
1. नवीकरीम, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित प्लॉट नं. 6159 पर बिना छत के अधिकार के भूतल पर कॉमर्सियल शॉप	कोई जानकारी प्राप्त नहीं		

मेरे हाथ से तथा मुहर लगाकर 17 अक्टूबर, 2019 को दी गई है।

(जीतेन्द्र कुमार) रिकवरी अधिकारी-II, डीआरटी-I, दिल्ली

पुलिस आयुक्त करते रहे गश्त, विदेशी से 37 लाख लूटे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिवाली की रात दिल्ली पुलिस के आयुक्त अमूल्य पटनायक की गश्त काम नहीं आ सकी और बदमाश विदेशियों को निशाना बनाकर चलते बने। मध्य दिल्ली के करोलबाग में फ्रांस के नागरिक को बदमाश चपत लगा फरार हो गए। हालांकि जिला पुलिस का कहना है कि यह लूटपाट या चोरी नहीं बल्कि ठगी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर धड़पकड़ शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक राजधानी दिल्ली वाले जब अपने परिवार के साथ दिवाली पर्व में व्यस्त होते हैं तब पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए घर से बाहर सड़कों पर घूमते रहते हैं जिससे लोग खुद को महफूज महसूस कर सके। इस साल रविवार रात को भी मौजूदा आयुक्त अमूल्य पटनायक ने सड़कों पर घूम-घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

दीपावली की रात ही मध्य दिल्ली के करोलबाग इलाके में विदेशियों को जांच के लिए रोककर ठगी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस अधिकारी का कहना है कि ठगी के इस मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाल लिया गया है और धड़पकड़ जारी है। फ्रांस की नागरिकता लिए इन तीनों में एक के साथ दीपावली की देर रात 47 हजार यूरो (36.89 लाख रुपए से अधिक) की ठगी की गई है। हालांकि बदमाशों के शिकार इन तीनों विदेशी पीड़ितों का कहना है कि जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया वह खुद को पुलिस वाला बता रहे थे। वारदात करोलबाग जैसे भीड़ भाड़ वाले इलाके में हुई है।

तीन विदेशी सैलानियों से लूटपाट की सूचना से पुलिस के हाथ पांव फूल गए लेकिन बाद में जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह लूटपाट नहीं बल्कि ठगी है। दीपावली की रात सवा दस बजे के आसपास करोलबाग इलाके में गाड़ी में आए बदमाशों ने खुद को पुलिस वाला बताकर पहले फ्रांस के एक नागरिक जोसेफ को रोककर उनसे बैग जांच कराने को कहा।

जोसेफ के साथ उसके दो अन्य साथी भी थे। विदेशियों के विरोध जताने पर बदमाशों ने उनके बैग लेकर भाग गए। फ्रांसीसी नागरिक से लगभग 47 हजार यूरो की ठगी हुई है। वारदात की तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हो गई है। जिला पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त के मुताबिक ये व्यापार के सिलसिले में दिल्ली आए थे जहां करोलबाग में यह घटना हो गई।

दिवाली के दिन दंपति की सड़क दुर्घटना में मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिवाली के दिन एक तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी सवार दंपति की जान ले ली। चिराग दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पुजारी परिवार का एक सदस्य और पेशे से नीति आयोग में ठेके पर नौकरी करने वाला युवक अपनी पत्नी के साथ पूजा करने मंदिर जा रहे थे तभी यह वारदात हुई। बताया जा रहा है कि महिला गर्भवती थी। टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल सका है। कालकाजी पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस को अभी तक यह पता नहीं चला है कि आखिर किस वाहन ने स्कूटी में टक्कर मारी है। रविवार को जैसे ही पीड़ित परिवार में यह सूचना मिली उनका दिवाली मातम में बदल गया और कोहराम मच गया। मृतकों की पहचान 27 साल के तरुण भारद्वाज व उनकी पत्नी 20 साल की रिया भारद्वाज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तरुण भारद्वाज अपने परिवार के साथ चिराग दिल्ली गांव में रहते थे।

वह कालकाजी मंदिर के पुजारी परिवार से ताल्लुकात रखते थे। तरुण नीति आयोग में ठेके पर नौकरी करते थे। इसी साल 14 मई को उनकी शादी हुई थी। दिवाली के अवसर पर रविवार सुबह करीब छह बजे वह स्कूटी से पत्नी के साथ कालकाजी मंदिर पूजा करने जा रहे थे। नेहरू प्लेस फ्लाइओवर पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाले वाहन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तरुण व रिया करीब 10 फुट की दूरी पर जा गिरे। तरुण के पिता बलदेव ने पुलिस को बताया है कि रविवार सुबह करीब सवा छह बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने उन्हें हादसे की सूचना दी।

दीपावली की रात 245 जगहों पर लगी आग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिल्ली में दीपावली के मौके पर छोटे-बड़े करीब 245 जगहों पर आग लगी। सदर बाजार और किराड़ी के फोम फैक्टरी में लगी आग थोड़ी बड़ी थी लेकिन अन्य जगहों पर कमोवेश पटाखे जलाने के बाद आग लगने की सूचना मिली। दिल्ली अग्निशमन विभाग का कहना है कि सभी संदिग्ध और संभावित जगहों पर पहले से ही दमकल तैनात किए गए थे अलबत्ता कहीं भी कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई है और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। बीते साल दीपावली पर एक ही रात में 271 जगहों पर आग लगने की सूचना मिली थी।

दिल्ली अग्निशमन विभाग के मुताबिक रविवार शाम सदर बाजार के एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची तो आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। आग पटाखे जलाने के कारण ही लगी थी। अग्निशमन विभाग के अधिकारी के मुताबिक यहां की एक इमारत की चौथी और पांचवीं मंजिल पर स्थित दुकान में आग लग गई। दुकान में प्लास्टिक के खिलौने और पैकेजिंग का सामान जल गया। दुकान में आग लगने की सूचना शाम तीन बजे प्राप्त हुई जिसके बाद 12 अग्निशमन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और शाम करीब पांच बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने की एक अन्य घटना उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जगतपुरी क्षेत्र में सेनेटरी की एक दुकान में हुई। रविवार दोपहर ही दो बजकर 51 मिनट पर फोन से सूचना मिली। छह दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया जिसके बाद एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली अग्निशमन अधिकारी के मुताबिक सेनेटरी दुकान में आग कैसे लगी इसके बारे में पता किया जा रहा है। शुरुआती जांच में पता चला कि यहां शार्ट सर्किट से आग लगी।

इसी तरह की सूचनाएं पूरी रात आती रहीं। दिल्ली में अभी तक कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली। पटाखे से आग लगने के अलावा बिजली और ट्रांसफार्मर से भी आग लगने की सूचनाएं मिलती रही। दमकल अधिकारियों ने बताया कि शनिवार आधी रात से ही आग लगने की सूचना मिलनी शुरु हो गई थी। सोमवार तड़के पांच बजे तक आग लगने की 245 घटनाओं की सूचना प्राप्त हुई।

दो इलाकों में इमारत से गिरने पर दो की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

दिल्ली में दीपवली की रात टैगोर गार्डन एक्सटेंशन इलाके में दीपावली की रात एक इमारत की छत से कथित रूप से गिरने के बाद युवक (24) की मौत हो गई। सोमवार सुबह पुलिस ने बताया कि युवक की पहचा संजय के तौर पर हुई है। संदेह है कि घटना के समय वह शराब के नशे में था।

तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में इमारत की पांचवी मंजिल की छत से एक महिला की गिरकर मौत हो गई। ज्योत्सना मुर्मू (27) पश्चिम बंगाल के मालदा जिला की रहने वाली थी। प्लेसमेंट एजंसी में काम करने वाले सहायक ने बताया है कि उसे एजंसी के मार्फत काम पर लगाया गया था। कुछ दिन बाद उसकी शिकायत आने लगी और फिर उसे वापस बुला लिया गया था।

सख्ती के बावजूद जले प्रतिबंधित पटाखे

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 28 अक्तूबर।

प्रशासन और पुलिस की सख्ती के बावजूद भी दीपावली पर लोगों ने प्रतिबंधित पटाखे जमकर जलाए, जिसके कारण सोमवार को नोएडा की हवा बेहद जहरीली हो गई। इससे लोगों को सांस लेने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। शनिवार रात भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) खराब स्तर पर था। लेकिन रविवार शाम इसमें तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। सोमवार को एक्यूआइ का स्तर (375- 389) तक पहुंच गया और लगातार वृद्धि जारी है। बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर प्रशासन ने लाइसेंस लेकर खोली गई पटाखों की दुकानों को बंद करा दिया है। सभी एसएचओ को अपने क्षेत्र में दौरा कर प्रतिबंधित पटाखे जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

दीपावली के अवसर पर रविवार को शहर में शाम होने के साथ ही पटाखों की आवाज बढ़ती गई। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सामान्य पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रशासन ने थाना सेक्टर-58 और थाना फेज श्री इलाके से दो दुकानदारों को भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखों के साथ गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई अन्य इलाकों से भी प्रतिबंधित पटाखे बेचे जाने की शिकायतें आई हैं, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

ग्रीन पटाखों के साथ प्रतिबंधित पटाखे देर रात तक जलाए जाने से सोमवार सुबह नौ बजे एक्यूआइ 375 और दोपहर 12 बजे तक बढ़कर 389 दर्ज हुआ। जबकि रविवार शाम सात बजे तक यह 346 और शनिवार शाम सात बजे 286 दर्ज किया गया था।

सिटी मैजिस्ट्रेट शैलेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रशासन की सख्ती की वजह से पिछले साल के मुकाबले इस बार दीपावली पर लोगों ने कम पटाखे जलाए हैं। इसमें भी अधिकांश लोगों ने ग्रीन पटाखे जलाकर प्रशासन की मदद की है।

जामिया के 99वें स्थापना दिवस का समारोह आज से होगा शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का मंगलवार से तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह शुरू होगा। इसी के तहत 30 अक्तूबर को वार्षिक दीक्षांत समारोह भी आयोजित होगा जिसमें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि होंगे। 99वें स्थापना दिवस के साथ ही यह ऐतिहासिक विश्वविद्यालय अपने 100वें साल में प्रवेश कर जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकात करके उन्हें दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया। मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक दीक्षांत समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे।

30 अक्तूबर को सुबह 11 बजे, विश्वविद्यालय के एमएके पटौदी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स (भोपाल मैदान) में वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। मणिपुर की राज्यपाल और जामिया की कुलाधिपति डॉ नजमा हेपतुल्ला इस समारोह की अध्यक्षता करेंगी। दीक्षांत समारोह में साल 2017 और 2018 में पास हुए 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को डिग्रियां और डिप्लोमा सौंपे जाएंगे। इनमें स्वर्ण पदक पाने वाले 350 विद्यार्थी भी शामिल हैं। इस तीन दिवसीय स्थापना दिवस में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, नाटक और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

तेजाब फेंकने के दोषी को पांच साल की कैद

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

दिल्ली की एक अदालत ने एक युवती पर तेजाब फेंकने के दोषी 24 वर्षीय युवक को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। तेजाब फेंकने से पहले युवक ने उस पर आपत्तिजनक टिप्पणियां और अश्लील इशारे किए थे।

अदालत ने मंगोलपुरी निवासी प्रमोद को मार्च 2017 में 22 वर्षीय युवती पर तेजाब फेंकने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) और 326बी (तेजाब फेंकने) के तहत दोषी पाया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीपक गर्ग ने प्रमोद पर 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने प्रमोद को दोषी ठहराने के लिए पीड़िता की गवाही पर विचार किया।

नोएडा स्टेडियम में होगा छठ का आयोजन

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 28 अक्तूबर।

दीपावली के बाद अब शहर में छठ पूजा को लेकर तैयारियां जोरशोर से शुरू हो गई हैं। चार दिवसीय छठ पूजा को लेकर महिलाएं घरों की साफ सफाई में जुट गई हैं। छठ से पहले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों के अलावा पूजा समितियों ने घाट बनाने के साथ अन्य तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में प्रवासी महासंघ वर्ष 2012 से छठ पूजा महोत्सव आयोजित करर रहा है।

गत वर्षों की तरह इस बार के आयोजन में प्रसिद्ध भोजपुरी गायक एवं अभिनेता अरविंद कुमार अकेला व प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका मैथिली ठाकुर समेत कई अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली के नानक पिआऊ गुरुद्वारा से सोमवार को सिखों का एक जत्था पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब के लिए रवाना हुआ।

जेएनयू प्रशासन का आरोप

विद्यार्थियों ने डीन को घेरा, तबीयत बिगड़ी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

- बिना छात्र प्रतिनिधि के हो रही बैठक का किया विरोध
- प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : प्रशासन

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने विद्यार्थियों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने इंटर-हॉल एडमिनिस्ट्रेशन (आइएचए) की सोमवार सुबह 10 बजे शुरू हुई एक महत्त्वपूर्ण बैठक में न सिर्फ व्यवधान डाला बल्कि छात्रों ने कल्याण डीन प्रोफेसर उमेश अशोक कदम का घेराव भी किया। इससे प्रोफेसर कदम की तबीयत खराब हो गई। प्रशासन का आरोप है कि इसके बाद भी विद्यार्थियों ने डीन को ले जाने के लिए आई एम्बुलेंस का काफी समय तक रास्ता रोका। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि ऐसे बर्ताव के लिए विद्यार्थियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, विद्यार्थियों का कहना है कि आइएचए की बैठक बिना छात्र प्रतिनिधियों के आयोजित की जा रही थी जिसका उन्होंने विरोध किया।

जेएनयू के रजिस्ट्रार प्रमोद कुमार की ओर से कहा गया है कि विद्यार्थियों का व्यवहार बेहद निंदनीय और अपमानजनक है। विश्वविद्यालय प्रशासन उन विद्यार्थियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर विचार कर रहा है जिनका आचरण न केवल असहनीय है बल्कि खतरनाक और शर्मनाक भी है। रजिस्ट्रार ने कहा कि विद्यार्थियों के एक वर्ग द्वारा विश्वविद्यालय को बंधक नहीं बनाने दिया जाएगा। परिसर में कोई अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रमोद के मुताबिक सोमवार सुबह 10 बजे सम्मेलन केंद्र में आइएचए की एक महत्त्वपूर्ण बैठक होनी थी। कुछ विद्यार्थियों (जो आइएचए के सदस्य नहीं हैं) ने सम्मेलन केंद्र में जबरन घुसकर बैठक को बाधित किया। बैठक में पहुंचे सदस्यों ने प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों से बैठक को शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने की प्रार्थना की लेकिन विद्यार्थी ज्यादा उग्र हो गए और जोर जोर से नारे लगाने लगे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थी डीन की ओर बढ़ने लगे। रजिस्ट्रार के मुताबिक तेज आवाज और उग्र वातावरण की वजह से प्रोफेसर कदम का रक्तचाप बढ़ गया और उनकी तबियत खराब हो गई। इसके बाद विद्यार्थियों का हृदयविहीन और असंवेदनशील व्यवहार सामने आया। रजिस्ट्रार के मुताबिक प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने किसी डॉक्टर या एम्बुलेंस को सम्मेलन केंद्र में अंदर आने नहीं दिया। विद्यार्थियों ने प्रोफेसर कदम की पत्नी और बच्चे की गुहार भी नहीं सुनी। डीन की तबीयत जब अधिक खराब हुई तो उन्हें किसी तरह से एम्बुलेंस में ले आया गया लेकिन विद्यार्थियों ने एम्बुलेंस को भी घेर लिया और उन्हें जाने से रोका। विद्यार्थियों ने प्रोफेसर कदम को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र तक ही जाने दिया और इसके बाद उन्होंने वहां भी घेराव कर लिया।

वहीं, विद्यार्थियों का कहना है कि आइएचए की बैठक में छात्रावास की फीस, छात्रावास में वापस आने का समय, जुर्माने की रकम आदि महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने थे। ऐसे में छात्र प्रतिनिधियों को बैठक के लिए क्यों नहीं बुलाया गया जबकि छात्रावास नियमों के मुताबिक छात्र प्रतिनिधि ऐसी बैठक में अनिवार्य हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि हम छात्रावास के नए नियमों के मसविदों को वापस करने की मांग कर रहे हैं।

खबरों में शहर

ईस्ट ऑफ लोनी में गोवर्धन पूजा का आयोजन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

गोवर्धन सेवा समिति एलआइजी फ्लैट्स ईस्ट ऑफ लोनी रोड़ ने 10वें गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर संगीत-भजन के साथ प्रसाद व अन्नकूट वितरण का विशेष आयोजन किया गया। उधर झंडेवालान मंदिर में भी गोवर्धन की पूजा हुई और अन्नकूट का प्रसाद बांटा गया। पूजा समिति के पदाधिकारियों विजय शर्मा, सुरेश कौशिक, संजीव तायल, अमित वशिष्ठ के साथ ईस्ट आफ लोनी रोड आरडब्लूए के प्रधान देवेंद्र कुमार शर्मा, गिरीश रावत ने भगवान गोवर्धन से शांति, सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने की कामना की। कार्यक्रम में अव्वल आने वालों को पुरस्कृत किया गया।

मेट्रो स्टेशनों पर ऑटो व ई-रिक्शा की संख्या होगी तय

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 28 अक्तूबर।

शहर के मेट्रो स्टेशन के आसपास खड़े होने वाले ऑटो और ई-रिक्शा की संख्या निर्धारित होगी। निर्धारित संख्या से अधिक ऑटो या ई-रिक्शा के खड़े होने पर पुलिस कार्रवाई करेगी। मेट्रो स्टेशनों के आसपास ई-रिक्शा व ऑटो से लगने वाले जाम से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने यह योजना तैयार की है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में इस योजना को लागू कर दिया जाएगा। नोएडा यातायात पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक जाम और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार को कम करने के लिए मेट्रो स्टेशन के आसपास ई-रिक्शा व ऑटो को दो चरणों में व्यवस्थित किया जाएगा। पहले चरण में ब्लू लाइन मेट्रो स्टेशन जैसे सिटी सेंटर, गोल्फ कोर्स, बोटेनिकल गॉर्डन, सेक्टर-18, 16 और 15ए पर इनकी संख्या निर्धारित की जाएगी। इस संख्या को तय करने के लिए यातायात पुलिस इन स्टेशनों से सफर करने वाले यात्रियों का आकलन करा रही है। सही तरीके से इस योजना को लागू करने से काफी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

दिल्ली विश्वविद्यालय : पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली प्रथम स्मारक व्याख्यान, कन्वेंशन हॉल, वाइस रीगल लॉज, विश्वविद्यालय उत्तरी परिसर, सुबह 11 बजे।

संगीत/नृत्य

इंडिया हैबीटाट सेंटर: कथक और किराना घराना का गायन, द स्टेन ऑडिटोरियम, सेंटर परिसर, लोधी रोड, शाम सात बजे।

छठ की तैयारियां तेज, सियासत चमकाने में जुटे सभी दल

मनोज मिश्र
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

- विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों में छठ पर सरगर्मी बढ़ी
- प्रशासनिक स्तर से ज्यादा राजनीतिक स्तर पर छठ को लेकर हो रही बैठकें

दीपावली समाप्त होते ही दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाए जाने वाले छठ पर्व की तैयारी तेज हो गई है। बिना पुरोहित और बिना मंत्र मनाए जाने वाला यह पर्व अब दिल्ली और एनसीआर का भी मूल पर्व बन गया है। 31 अक्तूबर से चार दिन तक चलने वाले इस लोक पर्व में दो नवंबर को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और तीन नवंबर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा। इस इलाके के मूल निवासी सालों से अपने गांव-शहर जैसा छठ यहां भी मनाने के प्रयास में लगे रहते हैं। दो-तीन महीने बाद दिल्ली विधान सभा चुनाव के कारण राजनीतिक दलों की छठ पर सरगर्मी बढ़ गई है।

इस बार प्रशासनिक स्तर से ज्यादा राजनीतिक दलों के नेता छठ घाटों की समितियों के पदाधिकारियों से बैठक कर रहे हैं। कभी दिल्ली में छठ पूजा के सामान के लिए बाजार-बाजार भटकने वाले लोगों के लिए अब पूरा दिल्ली और एनसीआर ही छठ का बाजार बन गया है। दिल्ली सरकार सौ से ज्यादा घाटों पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को दिल्ली मैथिली-भोजपुरी अकादमी से आर्थिक सहयोग दिलवाती है। घाटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की होड़ के चलते दिल्ली में मैथिली-भोजपुरी कलाकारों की भारी मांग रहने लगी है।

पवित्रता और विधि-विधान से मनाए जाने वाले इस पर्व की तैयारी तो एक छठ समाप्त होते ही शुरू हो जाती है। साठी धान और फिर छठ के लिए साल भर बचा कर गेहूं अलग से रखना, गेहूं को जानवरों यहां तक कि चिड़ियों से भी बचाने की जुगत साल भर चलती रहती है। छठ व्रत करने वाले नियमों से ज्यादा बंधे होते हैं। पहले दिन तय विधि से स्नान और एक बार भोजने के बाद व्रत करने वालों का बिना पानी के व्रत की शुरुआत गुरुवार को होगी। दूसरे दिन शाम को गुड़ की खीर से पूजा करके परिवार और परिजनों के साथ प्रसाद खाने के बाद 36 घंटे का कठिन व्रत शुरू होगा। जिसका समापन रविवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर किया जाएगा। मूली, सुथनी, अदरख, ईंख, केला, कसार, ठेकुआ और इस समय आसानी से मिलने वाले सामानों से पूजा करने का विधान है ताकि गरीब से गरीब व्यक्ति भी उसी तरह से पर्व करे जैसा संपन्न लोग करते हैं। दिल्ली में छट करने वालों की बढ़ती तादात के बाद 2000 में दिल्ली सरकार ने छठ पर्व पर एच्छिक अवकाश की घोषणा की। 2010 में केन्द्र सरकार ने छठ पर एच्छिक अवकाश की घोषणा की। 2014 में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन के दौरान छठ पर्व पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई। दिल्ली भोजपुरी समाज के पूर्व अध्यक्ष अजीत दूबे का कहना है कि अब छठ न तो किसी प्रदेश तक सीमित है और न ही किसी खास समुदाय से जुड़ा हुआ है इसलिए केन्द्र सरकार को छठ पर्व पर अविलंब सार्वजनिक अवकाश की घोषणा करनी चाहिए।

दिल्ली की पहली भाजपा सरकार ने सरकारी खर्चे से छठ घाट बनाने शुरू किए, उसे कांग्रेस सरकार में बढ़ाया गया और अजीत दुबे बताते हैं कि आम आदमी पार्टी(आप) सरकार में यह संख्या 1108 हो गई है। प्रवासियों की आबादी लगातार बढ़ने का ही असर रहा है कि भाजपा ने बिहार मूल के मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा का अध्यक्ष बनाया तो अभी कुछ दिन पहले बिहार मूल के ही कीर्ति आजाद को दिल्ली कांग्रेस चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बनाया। आप ने पूर्वांचल के मूल निवासी संजय सिंह को दिल्ली का प्रभारी बनाया। आप को पूरबियों का भरपूर समर्थन मिलने से उन्हें 2015 के विधान सभा चुनाव में भारी सफलता मिली थी। तीनों दलों में छठ पर्व के बहाने पूरबियों को अपने पक्ष में करने की होड़ लगी हुई है। दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल के प्रवासियों का पहला प्रयास तो इस पर्व पर अपने मूल स्थान पर जाने का होता है लेकिन एक तो सभी का जाना संभव नहीं होता दूसरा अब तो प्रवासियों की तीसरी पीढ़ी दिल्ली में बड़ी हो गई है जो केवल भावनात्मक रूप से ही अपने मूल स्थान से जुड़े हुए हैं, इसलिए इस इलाके में बड़ी तादात में छठ मनाया जाने लगा है। छठ के समय पूर्वांचल की ओर जाना कठिन होता जा रहा है। सरकारें चाहे अनेक विशेष रेलगाड़ी चलाने के दावे करें। पर्व को लोग खुद के साधन से ही मनाना चाहते हैं। बजीराबाद से ओखला तक यमुना 22 किलोमीटर बहती है। लगभग पूरे ही इलाके में छठ पर्व मनाया जाता है। नजफगढ़ नाला, हिंडन नदी, संजय झील, भलस्वा झील, वोट क्लब आदि हर नदी नाले से लेकर निजी स्तर पर अनेक छोटे-बड़े तालाबों में लाखों की तादात में लोग छठ पूजा करते हैं। मजदूर नेता बलराम यादव हिंडन नदी में पूजा करने जाने वाले कई रास्तों को बंद करने से परेशान हैं। उनका कहना है कि पूजा करने वालों की संख्या बढ़ने से सुविधा बढ़नी चाहिए, लेकिनव पूजा करने वालों के लिए ही परेशानी खड़ी की जा रही है।

आस्था अजमेर में सोमवार को महिलाएं गोवर्धन पूजा करतीं हुईं।

बीते वर्ष 153 आइएएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात : कार्मिक मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

केंद्रीय कर्मचारी योजना (सीएसएस) के तहत 2018-19 में केवल 153 आइएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया। पिछले पांच वर्षों में यह संख्या सबसे कम है। कार्मिक मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 2014-15 के दौरान सीएसएस के तहत कुल 340 आइएएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया था जबकि 2015-16 में 320 और 2016-17 के दौरान 247 अधिकारियों को नियुक्त किया गया था।

कार्मिक मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों में कहा गया है कि 2014-15 के दौरान सीएसएस के तहत कुल 340 आइएएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया था जबकि 2015-16 में 320 और 2016-17 के दौरान 247 अधिकारियों को नियुक्त किया गया था।

मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017-18 के दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के 211 अधिकारियों को केंद्र में पदस्थापना दी गई। भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) और भारतीय डाक सेवा जैसी समूह ए की सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए मंत्रालय ने बताया कि 2014-15 में सीएसएस के तहत 196 नियुक्तियां की गईं। आंकड़े के अनुसार 2015-16 में कुल 237 ऐसे अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया जबकि 2016-17 में 246, 2017-18 में 171 और 2018-19 में यह संख्या 195 थी।

आइएएस अधिकारियों की कुल अधिकृत क्षमता एक जनवरी, 2019 तक 6,500 थीं और केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व (सीडीआर) 1,381 थी। इन 1,381 आइएएस अधिकारियों में से केंद्र में 507 आइएएस अधिकारी कार्यरत हैं।

सऊदी अरब के वित्तीय सम्मेलन को संबोधित करेंगे मोदी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

सऊदी अरब के बहुचर्चित सालाना वित्तीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और कई अन्य देशों के नेता भाग लेंगे। मंगलवार से शुरू हो रहे इस तीसरे सम्मेलन 'फ्यूचर इंवेस्टमेंट इनिशिएटिव फोरम' का उद्देश्य खाड़ी देश को तेल आधारित अर्थव्यवस्था को विविध रूप देने में मदद के लिए विदेशी निवेशकों को आकर्षित करना है।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की यात्रा के दौरान सम्मेलन में 'भारत के लिए आगे क्या' विषय पर एक सत्र को संबोधित करेंगे। इस मंच को 'मरूभूमि में दावोस' कहा जाता है। वह सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुल अजीज और युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ मंगलवार को द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुल अजीज और युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ मंगलवार को द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

दोनों पक्ष तेल एवं गैस, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और नागर विमानन क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। तीन दिवसीय 'फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव फोरम' में सरकार, उद्योगपति और निवेशक भाग लेंगे। बैठक में अमेरिकी वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार व दामाद जेरेड कुशनेर भी शामिल होंगे। इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री खान भी लगातार दूसरी बार शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने यात्रा पर रवाना होने से पहले नई दिल्ली में कहा, 'भारत और सऊदी अरब के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ व प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। सऊदी अरब भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में सबसे बड़े और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ताओं में से एक रहा है।' मोदी ने कहा कि सऊदी अरब के साथ रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क, द्विपक्षीय सहयोग के अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

इकबाल मिर्ची पीएमएलए मामले में राज कुंद्रा तलब

मुंबई, 28 अक्तूबर (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय ने गैंगस्टर इकबाल मिर्ची व अन्य के खिलाफ धनशोधन जांच के संबंध में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के कारोबारी पति राज कुंद्रा को तलब किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि कुंद्रा से मामले के जांच अधिकारी के समक्ष चार नवंबर को यहां पेश होने को कहा गया है और उनका बयान पेशी के वक्त ही दर्ज किए जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि कार्यवाही धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। केंद्रीय जांच एजंसी मामले के संबंध में रंजीत बिंद्रा और कंपनी बैस्टियन हॉस्पिटैलिटी के साथ कुंद्रा के कथित सौदे की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों के बीच हुए कुछ कारोबारी सौदे में विस्तार से सूचना प्राप्त करने की जरूरत है और इसलिए उन्हें तलब किया गया है। बिंद्रा को प्रवर्तन निदेशालय ने कुछ समय पहले गिरफ्तार किया था।

पीडीपी नेताओं ने महबूबा से मिलने की इजाजत मांगी

जम्मू, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने श्रीनगर में हिरासत में बंद पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती से मिलने के लिए प्रशासन से नए सिरे से अनुमति मांगी है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किए जाने के बाद से ही महबूबा हिरासत में

राज्यपाल प्रशासन की तरफ से पूर्व में पीडीपी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को पूर्व मुख्यमंत्री से मिलने की इजाजत दी गई थी लेकिन पार्टी में गंभीर मतभेदों के कारण बाद इसे टाल दिया था।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक वेद महाजन ने कहा कि वरिष्ठ पीडीपी नेताओं ने मुलाकात की और संबंधित अधिकारियों से पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात के लिए नए सिरे से इजाजत मांगने का फैसला किया। इसी के अनुरूप श्रीनगर के उपायुक्त को एक पत्र भेजा गया है जिसमें जम्मू स्थित नेताओं के प्रतिनिधिमंडल को 30 अक्तूबर को मुफ्ती से मिलने की इजाजत देने का अनुरोध किया गया है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक भी शामिल हैं।

केंद्र द्वारा पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किए जाने के एलान के बाद से ही घाटी के अन्य प्रमुख नेताओं के साथ मुफ्ती हिरासत में हैं। महाजन को अधिकारियों से औपचारिक इजाजत हासिल करने के लिए अधिकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में कौन-कौन होगा, इसका फैसला इजाजत मिलने के बाद लिया जाएगा।

प्रकाश पर्व पर एअर इंडिया ने विमान पर बनाया 'एक ओंकार' का चिह्न

चंडीगढ़, 28 अक्तूबर (भाषा)।

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व समारोह के मद्देनजर एक अनूठी पहल करते हुए एअर इंडिया ने अपने विमान के पिछले हिस्से पर सिखों का धार्मिक चिह्न 'एक ओंकार' बनाया है।

एअर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमान पर यह धार्मिक चिह्न बनाया है। यह विमान 31 अक्तूबर को अमृतसर से ब्रिटेन के स्टैनस्टेड के लिए उड़ान भरेगा। इस पहल को अनूठा माना जा रहा है क्योंकि एअर इंडिया ने अपने विमानों पर कभी भी धार्मिक चिह्न नहीं बनाया है। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली-मुंबई मार्ग पर उड़ान भरने वाले अपने एअरबस ए320 विमान के पिछले भाग पर राष्ट्रपिता की छवि को चित्रित किया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रविवार को ट्वीट किया, 'श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर ऐतिहासिक समारोहों के तहत एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के पिछले हिस्से पर 'एक ओंकार' का चिह्न देखना दिल छूने वाला है।' गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए एअर इंडिया सप्ताह में तीन बार मुंबई-अमृतसर-स्टैनस्टेड मार्ग पर अपनी उड़ानों का संचालन करेगा।

अमृतसर से लंदन के स्टैनस्टेड तक की इस अंतरराष्ट्रीय उड़ान के जरिए इस मौके पर पंजाब आने वाले सिख श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।

लुधियाना में तीन भाइयों ने की खुदकुशी

लुधियाना, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पंजाब के लुधियाना में तीन भाइयों ने एक जमीन के सौदे के मामले में अपने घर में फांसी लगा कर अत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

देहलों थाना पुलिस की एसएचओ मलकीत कौर ने बताया कि लुधियाना के बाहरी इलाके में स्थित मलेरकोटला लुधियाना मार्ग पर इशर नगर कॉलोनी में स्थित एक घर से कुलदीप सिंह (40), मलकीत सिंह (38) और दविंदर सिह सन्नी (36) का शव लटकता मिला। अधिकारी ने बताया कि तीनों किराए के घर में अपने परिवार के साथ रहते थे। पुलिस ने बताया कि आठ पन्नों का एक हस्तलिखित सुसाइड नोट बरामद किया गया है जिसके आधार पर दो फाइनेंसर की भूमिका की पुलिस निगरानी कर रही है। कौर ने बताया कि मामले में दो फाइनेंसरों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

औरंगाबाद के मक्का और कपास किसानों ने नहीं मनाई दिवाली

औरंगाबाद, 28 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में मक्का और कपास किसानों ने मानसून के बाद की भारी वर्षा में अपनी फसलें नष्ट हो जाने के कारण इस साल दिवाली नहीं मनाई। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि करीब-करीब सालभर शुष्क रहने वाले मराठवाड़ा क्षेत्र के इस जिले में वैसे तो मानसून के दौरान बहुत कम बारिश हुई लेकिन पिछले एक सप्ताह में यहां खूब वर्षा हुई है।

सोयेगांव तालुका के किसान ईश्वर सपकाल ने कहा, 'पिछले साल कीटें हमारी 60-70 फीसदी कपास की फसलें खा गईं। इस साल अत्यधिक वर्षा से कपास और मक्के दोनों ही फसलों को नुकसान पहुंचा। अब केवल 10 से 15 फीसद फसलों की कटाई हो सकती है।' कृषि मित्र सपकाल ने कहा, 'जलभराव और नष्ट फसलों से दुर्गंध आने के कारण हम अपने खेतों में नहीं जा सकते। यह लगातार दूसरा साल है कि हम नुकसान उठा रहे हैं। हमने इस साल दिवाली नहीं मनाई है।' उन्होंने कहा कि कृषि मजदूर भी नुकसान हो चुकी फसलों की कटाई के लिए तैयार नहीं है।

एक अन्य किसान ने कहा, 'पूरे जिले में सभी जगह यही हाल है। सोगांव तालुका में करीब 25 फीसदी कृषि क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुंचा है।' उसने कहा, 'हम बस दस से बीस फीसद कपास बचा पाए हैं लेकिन इस क्षतिग्रस्त फसल का बाजार भाव 2000 रुपए प्रति क्विंटल है जबकि अच्छे कपास की स्थिति में हमें 5500 रुपए प्रति क्विंटल मिलते हैं।'

महाराष्ट्र में बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को सरकारी राहत देने की तैयारी

मुंबई, 28 अक्तूबर (भाषा)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव को कहा कि वह जल्द से जल्द बेमौसम बारिश के कारण फसलों को पहुंचे नुकसान का आकलन शुरु करें ताकि किसानों को तत्काल राहत प्रदान की जा सके।

पिछले कुछ दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में मानसून बाद की भारी वर्षा ने फसलों को जबरदस्त नुकसान पहुँचाया और निचले इलाके वाले खेतों में जलभराव हो गया। हालात की गंभीरता के मद्देनजर फडणवीस ने फसल को पहुंची क्षति का आकलन जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने ट्वीट किया कि फडणवीस ने मुख्य सचिव को राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश से प्रभावित किसानों को जल्द राहत प्रदान करने का निर्देश दिया।

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

उत्तरकाशी, 28 अक्तूबर (भाषा)।

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट सोमवार को अन्नकूट के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद कर दिए गए।

गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने बताया कि मंदिर के कपाट विधि विधान के साथ तीर्थ पुरोहितों द्वारा विशेष पूजा और गंगा लहरी के पाठ के बीच पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर बंद किए गए। मंदिर के धर्माधिकारियों और श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ ही गंगोत्री के विधायक गोपाल सिंह रावत और उत्तरकाशी के जिलाधिकारी आशीष चौहान भी कपाट बंद होने के मौके पर मौजूद थे। इससे पहले, सुबह आठ बजे उदय बेला पर मां गंगा के मुकुट को उतारा गया और पूर्वाहन 11 बज कर 40 मिनट पर अमृत बेला के शुभ मुर्हूत पर कपाट बंद किए गए।

● गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही गढ़वाल हिमालय की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के समापन की भी शुरुआत हो गई है।

● मंगलवार को भैयादूज के त्योहार पर यमुनोत्री मंदिर और केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे जबकि सबसे अंत में 17 नवंबर को बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होंगे।

कपाट बंद होने के बाद डोली में सवार होकर मां गंगा की मूर्ति जैसे ही मंदिर परिसर से बाहर निकली तो पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। दोपहर एक बजे तीर्थ पुरोहित गंगा की डोली को लेकर सेना के बैंड की धुन के साथ शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए पैदल रवाना हुए। अब शीतकाल में मां गंगा के दर्शन मुखबा में किए जा सकेंगे।

गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के साथ ही गढ़वाल हिमालय की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के समापन की भी शुरुआत हो गई है। मंगलवार को भैयादूज के त्योहार पर यमुनोत्री मंदिर और केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे जबकि सबसे अंत में 17 नवंबर को बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होंगे। सर्दियों में भीषण ठंड और भारी बर्फवारी की चपेट में रहने वाले चारों धामों के कपाट अक्तूबर-नवंबर में श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं जो अगले वर्ष अप्रैल-मई में दोबारा खुलते हैं।

प्रॉमिनेन्ट मेटल प्रा.लि.
प्रपत्र जी
रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमन्त्रण
[ऋण शोध अक्षमता तथा दिवालिया (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए(1) के अधीन]

सुसंगत विशिष्टियाँ		
1.	कार्पोरेट देनदार का नाम	प्रॉमिनेन्ट मेटल प्रा.लि.
2.	कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	12 फरवरी, 2014
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत रजिस्ट्रार ऑफ कपनीज, दिल्ली
4.	कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U51101DL2014PTC264825
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	एक्सडब्ल्यूएच20, द्वितीय तल, प्लॉट सं. 5, पार्क इण्ड, विकास मार्ग, दिल्ली, पूर्वी दिल्ली-110092
6.	कार्पोरेट देनदार के सम्बन्ध में ऋण शोध अक्षमता आरंभन की तिथि	25.07.2019, आई.आर.पी. सम्पर्क 26.08.2019
7.	रुचि की अभिव्यक्ति के आमन्त्रण की तिथि	28.10.2019 (28 अक्टूबर, 2019)
8.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों की पात्रता उपलब्ध है :	www.prominentmetal.in तथा/अथवा irppmpl@prominentmetal.in पर ई-मेल भेजकर आरपी से निवेदन किया जा सकता है।
9.	धारा 29ए के तहत प्रयोज्य अपात्रता के मानदण्ड उपलब्ध हैं :	irppmpl@prominentmetal.in पर ईमेल भेजकर आरपी से निवेदन किया जाना है।
10.	रुचि की अभिव्यक्ति प्राप्ति की अन्तिम तिथि	12.11.2019 (12 नवम्बर, 2019)
11.	सम्भावित समाधान आवेदकों की अस्थायी सूची निर्गत होने की तिथि	22.11.2019 (22 नवम्बर, 2019)
12.	अस्थायी सूची की आपत्तियाँ जमा करने की अन्तिम तिथि	27.11.2019 (27 नवम्बर, 2019)
13.	सम्भावित समाधान आवेदकों की अन्तिम सूची निर्गत होने की तिथि	07.12.2019 (7 दिसम्बर, 2019)
14.	सम्भावित समाधान आवेदकों हेतु सूचना ज्ञापन पत्र, मूल्यांकन आव्यूह तथा निवेदन के निर्गमन की तिथि	27.11.2019 (27 नवम्बर, 2019)
15.	समाधान योजना, मूल्यांकन आव्यूह, सूचना ज्ञापन पत्र तथा अधिक सूचना हेतु निवेदन प्राप्ति की रीति	ऋण शोध अक्षमता तथा दिवालिया (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36बी(1) के अधीन प्राप्त करने के पात्र समस्त सम्भावित समाधान आवेदक (पीआरए) के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में साझा किये जायेंगे।
16.	समाधान योजनाओं के जमा होने की अन्तिम तिथि	27.12.2019 (27 दिसम्बर, 2019)
17.	समाधान प्रोफेशनल हेतु समाधान योजना जमा करने की रीति	डाक द्वारा अथवा दस्ती तौर पर मुहरबन्द लिफाफे में निम्नलिखित पते पर : ध्यानार्थ : समाधान प्रोफेशनल, प्रॉमिनेन्ट मेटल प्राइवेट लिमिटेड ए-166, द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024 irppmpl@prominentmetal.in के पास पुष्टि ई मेल सहित कृपया फॉलो-अप करें।
18.	अनुमोदन हेतु निर्णायक प्राधिकरण के पास समाधान जमा करने की सम्भावित तिथि	27.1.2020 (27 जनवरी, 2020)
19.	समाधान प्रोफेशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या	विवेक पार्ती, समाधान प्रोफेशनल IBBI/IPA-001 /IP-P00813/2017-18/11376
20.	बोर्ड के साथ पंजीकृत के अनुसार समाधान प्रोफेशनल का नाम, पता तथा ई-मेल	विवेक पार्ती ए-166, द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024 v_parti@yahoo.com
21.	समाधान प्रोफेशनल के साथ पत्राचार हेतु प्रयुक्त होने वाला पता तथा ई-मेल	ए-166, द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024 irppmpl@prominentmetal.in
22.	अधिक विवरण अग्रलिखित पर या इसके साथ उपलब्ध है	अधिक विवरण www.prominentmetal.in पर उपलब्ध हैं अथवा irppmpl@prominentmetal.in पर ई-मेल भेजकर निवेदन किया जा सकता है।
23.	प्रपत्र जी के प्रकाशन की तिथि	28.10.2019 (28 अक्टूबर, 2019)

ह./
दिनांक : 28 अक्टूबर, 2019 — **विवेक पार्ती**
स्थान : नई दिल्ली — **समाधान प्रोफेशनल-प्रॉमिनेन्ट मेटल प्रा.लि.**
आरपी पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-001 /IP-P00813/2017-18/11376
ए-166, द्वितीय तल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

इण्डियन ओवरसीज बैंक
राजेंद्र प्लेस ब्रांच
पहला तल, रचना बिल्डिंग, 2, राजेंद्र प्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली-110008
फो.: 25762213, 25740277, 25739539, ईमेल : iob0442@iob.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) [नियम 8(1)]

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में इण्डियन ओवरसीज बैंक का अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते मैसर्स फ्रंटलाइन रिटेल इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत पता 17/10, प्रथम तल, फ्रंट पोर्शन, कालकाजी, नई दिल्ली (इसके बाद 'कर्जदार' कहा जायेगा), श्री रजत गिरधर, पुत्र स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर, 47ए/1, भूतल, अर्जुन नगर, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली-110019, श्री हर्षपाल सिंह (निदेशक), पुत्र श्री बृजपॉल सिंह, फ्लैट-एस1, द्वितीय तल, संगम अपार्टमेंट, प्लॉट सं. 11ए-31/6, सेक्टर-II, वैशाली, गाजियाबाद-201010, उ.प्र. श्री विनय गिरधर पुत्र स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर, 47ए/1, भूतल, अर्जुन नगर, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली-110019, श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री हर्षपाल सिंह, फ्लैट एस1, द्वितीय तल, संगम अपार्टमेंट, प्लॉट सं. 11ए-31/6, सेक्टर-II, वैशाली, गाजियाबाद-201010, उ.प्र., श्रीमती नीलम गिरधर पत्नी स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर, 17/10, प्रथम तल, फ्रंट पोर्शन, कालकाजी, नई दिल्ली, श्रीमती पूनम बजाज पत्नी श्री कमल बजाज, ई-38 (प्रथम तल), साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110049 (इसके बाद 'निदेशक/जमानती/बंधककर्ता' कहा जायेगा) को 06.05.2019 तक सूचना में उल्लिखित राशि रु. 9,88,43,535.29/- (रुपये नौ करोड़ अट्ठासी लाख तैंतालीस हजार पाँच सौ पैंतीस एवं उनतीस पैसे मात्र) तथा वसूली की तिथि तक अनुबन्ध दर पर भावी ब्याज एवं बकाये, प्रभारों आदि का कथित सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहते हुए 07.05.2019 को एक माँग सूचना निर्गत की थी।

(1) कर्जदारों द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल रहने के कारण एतद्वारा कर्जदारों को तथा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने कथित नियमों के नियम 8 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त अपनी शक्तियों के उपयोग में 23 अक्टूबर, 2019 को नीचे वर्णित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदारों तथा जनसामान्य को सम्पत्ति के साथ संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार 06.05.2019 तक राशि रु. 9,88,43,535.29/- (रुपये नौ करोड़ अट्ठासी लाख तैंतालीस हजार पाँच सौ पैंतीस एवं उनतीस पैसे मात्र) तथा माँग सूचना में उल्लिखित उपर्युक्त तिथि से माँग सूचना के निर्गमन के पश्चात पुनर्भुगतान की राशि, यदि कोई हो, घटाकर उसके भुगतान की तिथि तक के सहमत अनुबन्ध दरों पर ब्याज तथा बकायों, प्रभारों आदि के लिए इण्डियन ओवरसीज बैंक के प्रभार का विषय होगा। कब्जा करने की तिथि तक बकाया देय रु. 9,83,95,058.29/- (रुपये नौ करोड़ तिरासी लाख पिचानबे हजार अट्ठावन एवं उनतीस पैसे मात्र) है जो भुगतान की तिथि तक अनुबन्ध दरों पर भावी ब्याज तथा बकायों, प्रभारों आदि सहित देय है।

(3) प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए उन्हें उपलब्ध समय-सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदारों का ध्यन अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति 1 : श्री विनय गिरधर पुत्र स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर के स्वामित्व की 13/5 (संयुक्त दुकान-1ए एवं 1बी-250 वर्ग फीट), दुकान नं. 1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली पर सम्पूर्ण वाणिज्यिक सम्पत्ति से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग।
सम्पत्ति की सीमाएँ : उत्तर : कथित सम्पत्ति सं. 13/5 का शेष भाग, तत्पश्चात सड़क, दक्षिण : सम्पत्ति सं. 13/4, पूर्व : कथित कथित सम्पत्ति सं. 13/5 का शेष भाग, तत्पश्चात सर्विस लेन, पश्चिम : सड़क।
सम्पत्ति 2 : श्रीमती नीलम गिरधर पत्नी स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर के स्वामित्व की प्लॉट सं. 1279, सेक्टर-2, पलवल-121102, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) पर स्थित 135 वर्ग मीटर माप के प्लिंथ एरिया के सम्पूर्ण रिक्त एवं अनिर्मित आयताकार आवासीय सम्पत्ति से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग।
सम्पत्ति की सीमाएँ : उत्तर : 9 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिण : अन्य का प्लॉट, पूर्व : प्लॉट सं. 1280, पश्चिम : प्लॉट सं. 1278.
सम्पत्ति 3 : श्री हर्षपाल सिंह पुत्र श्री बृजपॉल सिंह एवं श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री हर्ष पॉल सिंह के नाम से 65.64 वर्ग मीटर कवर्ड एरिया सहित सम्पूर्ण अवासीय फ्लैट सं. एस1, द्वितीय तल, संगम अपार्टमेंट, प्लॉट सं.-11ए-31/6. सेक्टर-II, वैशाली, गाजियाबाद पर निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग।
सम्पत्ति की सीमाएँ : उत्तर : प्लॉट सं. 31/7, दक्षिण : प्लॉट सं. 31/5, पूर्व : 40 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम : 12 फीट चौड़ी सड़क।
सम्पत्ति 4 : श्रीमती पूनम बजाज पत्नी श्री कमल बजाज के नाम पर 200 वर्ग गज माप के फ्लैट संख्या ई-38, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-I, नई दिल्ली-49 के सम्पूर्ण बेसमेंट एवं प्रथम तल से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग।
सम्पत्ति की सीमाएँ : उत्तर : प्लॉट सं. ई-39, दक्षिण : प्लॉट सं. ई-37, पूर्व : सड़क, पश्चिम : सर्विस लेन।
सम्पत्ति 5 : श्री विनय गिरधर पुत्र स्व. श्री गुरचरन दास गिरधर के नाम पर कुतब एन्कलेव, फेज-III, नाथपुर गाँव, तहसील एवं जिला गुरुग्राम नाम की आवासीय कॉलोनी में सम्पूर्ण फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 12 (माप 264 वर्ग मीटर), रोड सं.-वी3 से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग।
सम्पत्ति की सीमाएँ : उत्तर : प्लॉट सं. V-3/11 पर निर्मित सम्पत्ति, दक्षिण : प्लॉट सं. V-3/13 पर निर्मित सम्पत्ति, पूर्व : रिक्त प्लॉट सं. V-2/5, पश्चिम : सड़क V-3.

दिनांक : 23.10.2019 — **(अधिकृत प्राधिकारी)**
स्थान : नई दिल्ली — **इण्डियन ओवरसीज बैंक**

बगदादी का अंत

अपने उद्भव के बाद कुछ ही समय में समूची दुनिया में खौफ और बर्बरता का पर्याय बन चुके संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया यानी आइएसआइएस के सरगना अबू-बकर अल-बगदादी के मारे जाने की खबर को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी घटना के रूप में दर्ज किया जाएगा। यों इससे पहले भी कई बार उसके मारे जाने की खबरें आईं, लेकिन कुछ समय बाद वे निराधार साबित हुईं। लेकिन अमेरिकी सुरक्षा बल 'डेल्टा कमांडोज' के एक गोपनीय अभियान के बाद जिस तरह के तथ्य सामने आए हैं, उनसे यही लगता है कि इस बार दुनिया को बगदादी और उसके आतंक से मुक्ति मिली है। खबरों के मुताबिक सीरिया के इदलीब प्रांत के सुदूर गांव बारिशा में एक गुप्त ठिकाने का पता लगाने के बाद अमेरिकी सैनिकों ने अचानक हमला किया और बगदादी को घेर लिया। कोई विकल्प नहीं देख कर बगदादी ने कमर में बंधे विस्फोटक से खुद को उड़ा लिया। इस मसले पर खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह की घोषणा की, उससे यही लगता है कि इस बार बगदादी के खात्मे की खबर आखिरी है। इसके बावजूद यह मानना शायद जल्दबाजी होगा कि अल-बगदादी के खात्मे के साथ ही आइएस का समूचा तंत्र ही खत्म हो गया है।

गौरतलब है कि बगदादी के मारे जाने की खबरों के बाद यह जानकारी भी सामने आई कि आइएस ने अब अब्दुल्लाह कार्दश को अपना सरगना चुन लिया। सवाल है कि इसकी क्या गारंटी है कि अब्दुल्लाह कार्दश आने वाले वक्त में बगदादी जैसा ही आतंक नहीं पैदा करेगा! दरअसल, कार्दश ने काफी पहले से आइएस के कई मामलों को संभालना शुरू कर दिया था और सभी आतंकी हमलों को अंजाम देने में कार्दश की मुख्य भूमिका होती थी। यह छिपी बात नहीं है कि सीरिया और आसपास के देशों तक फैल चुकी लड़ाई में आइएस के खिलाफ अमेरिका, रूस, तुर्की सहित कई देशों के अलग-अलग या फिर संयुक्त अभियान के बावजूद पिछले कई सालों से इस संगठन ने अपनी मौजूदगी बनाए रखी है। आइएस ने दुनिया का ध्यान पहली बार तब खींचा था, जब उसने इराकी शहर मोसुल पर कब्जा कर लिया था और यहां तक कि सद्दाम हुसैन के गृह जनपद तिकरित को भी अपने झंडे के नीचे ले लिया था। माना जाता है कि कई देशों की सेनाओं के सामने टिके रहने के पीछे अल-बगदादी की नेतृत्व क्षमता थी। रूढ़िवादी और हिंसक इस्लामी आंदोलन में विश्वास रखने वाले बगदादी ने अपने कब्जे वाले इलाके में शरीयत के मुताबिक शासन चलाने की घोषणा कर दी थी। इसलिए उसके मारे जाने की खबर निश्चित रूप से आइएस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है।

यह एक जटिल स्थिति है कि आइएस न केवल मैदानी जंग लड़ने वाला आतंकी संगठन है, बल्कि उसने अपने विचारों के प्रसार और दूसरे देशों के भोले-भाले युवाओं को अपनी चपेट में लेने की भी कोशिश की। यहां तक कि भारत में भी आइएस के एजेंटों ने युवाओं को आकर्षित करने का जाल रचा, लेकिन यहां के सामाजिक-राजनीतिक माहौल की वजह से वह नाकाम रहा। बहरहाल, बगदादी के मारे जाने की खबर ऐसे समय में आई है जब सीरिया में चल रही लंबी लड़ाई के बीच आइएस की जैसी प्रतिक्रिया सामने आने लगी थी, उससे साफ जाहिर था कि लड़ाई के मैदान में उसके पांव उखड़ रहे हैं और वह कमजोर पड़ चुका है। फिर भी इस आतंकी संगठन के कामकाज का जो तौर-तरीका रहा है, उसे देखते हुए सीरिया और उस समूचे इलाके में आइएस के खिलाफ मोर्चा लेने वाले देशों की सेनाओं को उसके समूचे अंत की रणनीति पर काम करना चाहिए।

प्रदूषण की हवा

पिछले एक हफ्ते से लगातार खराब हो रही दिल्ली की हवा ने फिर से लोगों की नींद उड़ा दी है। ऐसा लग रहा है जैसे दिल्ली जहरीली गैस के चैंबर में तब्दील हो गई है। दीपावली के दो दिन पहले ही दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका था और चेतावनी जारी की गई थी कि अगले तीन-चार दिन में यह बेहद गंभीर रूप धारण कर लेगा। प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार की ओर से कितने ही कदम क्यों न उठाए गए हों, लेकिन लग रहा है कि सब बेअसर साबित हो रहे हैं और वायु प्रदूषण भयावह रूप धारण करता जा रहा है। हवा की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) रोजाना जो नए-नए आंकड़े जारी कर रहा है, वे चिंता को और बढ़ाने वाले हैं। कभी गाजियाबाद देश का सबसे प्रदूषित शहर बन रहा है तो कभी हरियाणा का हिसार। जाहिर है, दोनों राज्य पराली के धुएं की मार झेलने को विवश हैं। सोमवार को दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण सबसे ज्यादा रहने का बड़ा कारण पटाखों का धुआं भी रहा। हालांकि दावा किया जा रहा है कि हर साल के मुकाबले इस बार पटाखे कम चले, लेकिन हालात बता रहे हैं कि ज्यादा चलें या कम, हवा में जहरीले कणों की मात्रा कम नहीं हो रही है।

जैसे गंभीर हालात हैं, उसमें जल्द कोई राहत नहीं मिलने वाली। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) ने तो आने वाले कुछ दिनों के लिए चेतावनी जारी की है और बताया है कि सिर्फ तेज हवा चलने पर ही हवा में मौजूद घातक कणों से राहत मिल सकती है। सफर ने पहले बताया था कि पराली और पटाखों का धुआं मिल कर ज्यादा हालत खराब करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि पटाखे फोड़ने पर सख्ती तो की और सिर्फ दो घंटे के लिए केवल हरित पटाखे जलाने की अनुमति दी थी, लेकिन उसका ज्यादा असर नहीं दिखा। दरअसल, कानून के जरिए पटाखे जलाने पर रोक लगा पाना न तो संभव है, न ही व्यावहारिक। पारंपरिक पटाखे इस बार भी खूब बिके, इन पर रोक नहीं लग पाई। इसके लिए लोगों को ही जागरूक होना पड़ेगा और समझना होगा कि इतने गंभीर हालात के बाद भी अगर हम नहीं सुधरे तो आने वाले दिनों में सांस लेना तक मुश्किल हो जाएगा। कानून अपनी जगह है और उसे लागू किया भी जाना चाहिए, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी लोगों को जागरूक बनाना है।

फिलहाल राहत इस बात की है कि पिछले तीन सालों के मुकाबले वायु प्रदूषण का स्तर इस बार कम रहा। लेकिन हकीकत यह है कि जितना प्रदूषण अभी है वह भी पहले जितना ही खतरनाक है। ऐसा भी नहीं है कि प्रदूषण सिर्फ पराली और पटाखे के धुएं से बढ़ रहा है, कूड़ा जलाने की समस्या इससे कहीं ज्यादा गंभीर है। हर जगह कूड़ों के निस्तारण का सबसे आसान समाधान उसे जलाने के रूप में ही देखा जाता है, इसीलिए जगह-जगह कूड़ा जलाया दिया जाता है। यह समस्या हर राज्य की है। राज्यों को निर्देश भी दिए गए हैं कि कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, लेकिन सरकारें इस काम में घोर लापरवाह साबित हो रही हैं। जहां तक सवाल है पराली जलाने का, तो इसमें किसानों को रास्ता नहीं नहीं सूझ रहा है और सरकारें उन्हें इसका कोई विकल्प मुहैया नहीं करा पाई हैं। हालांकि पंजाब और हरियाणा में अब इस दिशा में पहल तो हुई है, पर बहुत छोटे स्तर पर। दिल्ली को धुएं से बचाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

कल्पमेधा

बहुत-सी और बड़ी गलतियां किए बिना कोई बड़ा आदमी नहीं बन सकता।

-ग्लेडस्टन

कुपोषण की चुनौती

जयंतीलाल भंडारी

कुपोषण और भूख की चुनौती से निपटने के लिए कुछ और रणनीतिक कदम उठाए जाने जरूरी हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार करने होंगे। इस वितरण प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि कुपोषण और भूख का जोखिम झेल रहे बच्चों सहित सभी भारतीयों को संतुलित और पोषक आहार मिले और देश के भंडार गृहों में गेहूं और चावल का ढेर उपयुक्त रूप से वितरित होकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे।

इस समय जहां एक ओर भारत में गरीबी घटने की वैश्विक रिपोर्टें राहत भरी दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर भूख और कुपोषण बढ़ने की रिपोर्टें चिंताएं पैदा करने वाली हैं। ऐसे में देश के करोड़ों लोगों की अपेक्षा है कि गरीबी की तरह भूख और कुपोषण में भी तेजी से कमी आए। हाल में विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा है कि 1990 से 2018 के बीच भारत ने गरीबी से लड़ने में काफी काम किया है और इससे गरीबी दर में काफी सुधार आया है। तीन दशकों में गरीबी की दर आधी रह गई है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र ने एक सौ एक देशों के लिए गरीबी सूचकांक रिपोर्ट-2019 जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इन एक सौ एक देशों में एक अरब तीस करोड़ लोग गरीब हैं। भारत ने 2006-2016 के बीच दस विकासशील देशों के समूह में सबसे तेजी से गरीबी कम की है और इन दस सालों में देश के सत्ताईस करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। गरीबी सूचकांक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गरीबों की संख्या 55.1 फीसद (चौंसठ करोड़) से घट कर 27.9 फीसद (छत्तीस करोड़ नब्बे लाख) रह गई है। सूचकांक के आठ पैमानों के आधार पर गरीबी की रेटिंग की गई है, जिनमें पोषण, शिशु मृत्यु दर, रसोई गैस की उपलब्धता, स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, बिजली की उपलब्धता, आवास की समस्या और संपत्तियों का अभाव जैसे पहलू शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के कुल गरीबों में से करीब आधे गरीब यानी 19.6 करोड़ गरीब लोग देश के चार राज्यों बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में रहते हैं।

हालांकि देश में गरीबी में कमी आती जा रही है, लेकिन बढ़ती हुई जनसंख्या भूख और कुपोषण की समस्या को और बढ़ाती जा रही है। यह गंभीर चिंता का विषय इसलिए है कि विकास के साथ-साथ कमजोर वर्ग को लाभान्वित करने की कई योजनाओं के बाद भी भूख और कुपोषण की चुनौती दिखाई दे रही है। इसी महीने आई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन-2019' में कहा गया है कि भारत में पांच साल से कम उम्र के उनहत्तर फीसद बच्चों की मौत का कारण कुपोषण है। यूनिसेफ ने कहा है कि महज बयालीस फीसद बच्चों को समय पर खाना मिलता है। भारत में भूख की समस्या से संबंधित रिपोर्ट 15 अक्तूबर, 2019 को जारी हुई। इस साल के वैश्विक भूख सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) में एक सौ सत्रह देशों की सूची में भारत सात पायदान और फिसल कर एक सौ दो वें स्थान पर आ गया। जबकि वर्ष 2010 में भारत पनच्यानबे वें स्थान पर था।

रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग में गिरावट का एक बड़ा कारण यह बताया गया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में ऊंचाई के अनुपात में कम वजन वाले बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। साथ ही, भारत के छह से तेईस महीने तक के सभी बच्चों में से मात्र 9.6 फीसद बच्चों को न्यूनतम स्वीकार्य आहार मिल पाता है। यूनिसेफ की 'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2019' रिपोर्ट और वैश्विक भूख सूचकांक-2019 में भारत की बिगड़ती स्थिति का प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या और बच्चों को समय पर पर्याप्त आहार नहीं मिल पाना है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का भी कहना है कि भारत में भूख से पीड़ित लोगों और कुपोषण से ग्रस्त बच्चों की बढ़ती तादाद चिंताजनक है। बिहार, मध्यप्रदेश, ओड़ीशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और असम जैसे राज्यों में यह समस्या लंबे समय से चिंताएं बढ़ाने वाली दिखाई देती रही है। जन्म के बाद बच्चों को जिन पोषक तत्त्वों और स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है, वे बच्चों को मिल नहीं पाते हैं। स्थिति यह है कि न तो बच्चों का ढंग से टीकाकरण हो पाता है, न ही उनकी बीमारियों का समुचित इलाज।

देश में भूख और कुपोषण से निपटने के लिए विकास दर को ऊंचाई पर ले जाकर प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रों- कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में ऊंचे लक्ष्यों की प्राप्ति पर ध्यान देने की जरूरत है। गरीबी से निपटने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए सबसे पहले कृषि क्षेत्र पर ध्यान देना होगा। अभी भी मानसून अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा पहलू बना बना हुआ है। यदि देश में अच्छी बारिश होती है तो सब कुछ ठीक रहता है और मौद्रिक नीति भी कारगर साबित होती है। लेकिन यदि अच्छी बारिश नहीं होती है तो महंगाई, विकास दर जैसी चिंताएं दिखाई देने लगती हैं। हालांकि वर्तमान में भारतीय कृषि राष्ट्रीय आय में केवल सत्रह फीसद का योगदान करती है, लेकिन कृषि पर देश की तिरपन फीसद आबादी का जीवन निर्भर है।

देश में कुपोषण और भूख की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं उन्हें तेज करने की जरूरत है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार सामाजिक सुरक्षा की डगर पर तेजी से आगे बढ़ी है, जिससे देश के कमजोर वर्ग के करोड़ों लोग लाभान्वित हो सकेंगे। इसी तरह नई स्वास्थ्य नीति के तहत अब स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का ढाई फीसद धन खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है, जो अभी जीडीपी का 1.04 फीसद है। ऐसे में देश में स्वास्थ्य का स्तर बढ़ेगा और लोगों की भूख और कुपोषण की पीड़ा कम होगी। किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपए वार्षिक दिए जाने की नई व्यवस्था से भी ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण और भूख की समस्या से बहुत कुछ हद तक निजात मिलेगी। सरकार ने अपनी नीतियों को ग्रामीण भारत और गरीबों पर केंद्रित किया है, साथ ही जिस तरह श्रमिकों की न्यूनतम आय युक्त मजदूरी भी देशभर में एक समान सुनिश्चित कर दी है, उसका लाभ भी वंचित वर्ग को मिलेगा।

यह भी जरूरी है कि भूख, गरीबी और कुपोषण से निपटने के लिए हमें चीन की श्रम कौशल आधारित विकास रणनीति से सीख लेनी होगी, जिसके आधार पर देश के अधिकांश लोगों को रोजगार मुहैया कराया जा सकता है। एक ओर हमें शैक्षणिक दृष्टि से पीछे रहने वाले युवाओं को कौशल विकास से प्रशिक्षित करना होगा और उन्हें रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों से शिक्षित करना होगा। वहीं दूसरी ओर गांवों में काफी संख्या में जो गरीब, अशिक्षित और अर्धशिक्षित लोग हैं, उन्हें अर्थपूर्ण रोजगार देने के लिए निम्न तकनीक विनिर्माण में लगाना होगा।

कुपोषण और भूख की चुनौती से निपटने के लिए कुछ और रणनीतिक कदम उठाए जाने जरूरी हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार करने होंगे। इस वितरण प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि कुपोषण और भूख का जोखिम झेल रहे बच्चों सहित सभी भारतीयों को संतुलित और पोषक आहार मिले और देश के भंडार गृहों में गेहूं और चावल का ढेर उपयुक्त रूप से वितरित होकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। स्कूलों में बच्चों को सब्जियों एवं प्रोटीन से भरपूर खाना परोसने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। चूंकि देश में दूध का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और नवीनतम पशुगणना में दुधारू गायों की संख्या तेजी से बढ़ने के आंकड़े सामने आए हैं इसलिए बच्चों तक दूध की उपयुक्त पूर्ति और दुग्ध उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित किए जाने से बच्चों को एनिमिया की चपेट से बचाया जा सकेगा। यूनिसेफ की रिपोर्ट और वैश्विक भूख सूचकांक के मद्देनजर सरकार कुपोषण और भुखमरी की हकीकत को सामने रखते हुए वर्ष 2019 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार पाने वाले दंपत्ति अभिजित बनर्जी और एस्टर डफ्लर के द्वारा गरीबों की कुपोषण और भूख की समस्याओं के समाधान के लिए प्रस्तुत किए गए नए अर्थशास्त्र को भी ध्यान में रखते हुए कारगर रणनीति बनाने और उस पर अमल करने की जरूरत है।

हवा में जीवन

संगीता कुमारी

दुनिया मेरे आगे

हवा को हमने प्रकृति से मुफ्त में लिया है और कहते हैं कि जो वस्तु हमें बिना किसी मेहनत और कीमत के मिलती है, हम उसकी कद्र नहीं करते हैं। यही वजह है कि आज की हवा इस कदर प्रदूषित हो चुकी है और हवा को इस हालत में पहुंचाने में हमारी भूमिका बहुत ज्यादा है। जबकि हवा हमारे जीने का अहम साधन है। मुफ्त में मिली जिंदगी को जिस तरह हम फिजूल की बातों में बर्बाद कर देते हैं, वैसे ही शायद प्रकृति की ताजी हवा को भी जीवन के खिलाफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्या यह हमें तब समझ में आएगा, जब हमारी सांस रुकने लगेगी और शरीर थम जाएगा? दिन-रात की भागदौड़ से लेकर भविष्य की योजनाएं किसी काम नहीं आएंगी, अगर हम शुद्ध हवा में सांस लेने से वंचित हो गए।

किसी तरह से अर्जित की गई भौतिक चीजों का कई बार हम बहुत खयाल रखते हैं, क्योंकि वे यथादृष्टि हमें दिखती हैं। उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हैं। जबकि नहीं दिखने वाली चीजों की कद्र नहीं करते। हालांकि सांस हमें नहीं दिखती है, लेकिन सच यह है कि यह हमारा जीवन है। अगर हमारे भीतर इसकी कद्र होती तो हम विकास के नाम पर यों हवा को प्रदूषित नहीं होने देते! विकास के साथ-साथ वायु को प्रदूषित होने से बचाने के लिए भी हर मुमकिन इंतजाम करते। मगर ऐसा हमने नहीं किया है। हम अंधे विकास के पैरोकार बने रहे, इसमें अपना हर संभव सहयोग करते रहे, जगह-जगह फैक्ट्रियों को स्थापित करते गए, उनमें लगी चिमनियों से निकलने वाली जहरीली गैसों और धुएं को हवा में घुलने के लिए छोड़ दिया। शायद यह सोच कर कि इतना विशाल आकाश है, धुआं उड़ कर दूर निकल जाएगा। मगर यह भूल गए कि धुआं उड़ कर जाएगा तो कहीं से उड़ कर आएगा भी! अब स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि हवा जहरीली बन रही है।

शहरों की आबोहवा का तो यह हाल है कि आंखों में जलन, सीने में घुटन को आसानी से महसूस किया जा सकता है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। नवजात शिशुओं और वृद्ध लोगों के लिए खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। सुबह की सैर करने वालों की सेहत क्या बनेगी? घर बैठ कर सैर नहीं कर पाने की वजह से हम प्रदूषण और सरकार को कोसते रहते हैं। मगर यह भूल जाते हैं कि प्रदूषण को फैलाने वाली जगह पर काम करने के लिए उन्होंने कितनी माथापच्ची की थी, कितने पापड़ बेले थे। अपने गांव की खुली हवा को महत्त्व नहीं देते हुए उसे छोड़ कर शहरी बन बैठे। खेत खलिहान को 'बंटइया' पर देकर गांव भूल गए। अब जब पीछे मुड़ कर देखते हैं, तब पाते हैं कि गांव में खेतों में काम करने वाला मजदूर शहरी लोगों के मुकाबले ज्यादा स्वस्थ्य है। इसका सबसे अहम कारण शुद्ध प्राकृतिक हवा है। अधिकतर शहरी लोग अपने आपको बीच मझधार में फंसा हुआ पाते हैं, क्योंकि वे शहर में लगे काम धंधे के कारण गांव वापस जा नहीं सकते और शहर की घुटन भरी हवा में एक स्वस्थ जीवन जी नहीं सकते!

यों भी सितंबर से नवंबर के दौरान दिल्ली जैसे महानगरों में दूषित हवा का प्रकोप इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि उसका असर त्योहारों पर भी पड़ता है। प्रदूषण कम करने के अनेक उपायों पर सरकारें पूरे वर्ष कोई खास कदम नहीं उठाती हैं। मगर त्योहारों के समय एक अभियान-सा चलने लगता है। प्रदूषण से बचाव के लिए अभियान चलाना जरूरी भी हो गया है, क्योंकि फुलझड़ी, अनार, चरखी से उठने वाले धुएं प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ा देते हैं। दमा, सांस के मरीजों को अस्पताल तक पहुंचा देते हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति भी परेशानी महसूस करता है। मगर यह सोचना होगा कि ऐसे हालात क्यों पैदा हुए कि त्योहारों के सन्नाटे को चीरने वाले पटाखों पर रोक लगाने की आवश्यकता आ पड़ी? इस दिवाली पटाखे कम छोड़े जाने के बावजूद दिल्ली और दूसरे शहरों में प्रदूषण का स्तर इतना ऊंचा और चिंताजनक क्यों रहा?

घनी अमावस का घना अंधियारा बढ़ रहा है। अब नौबत यहां तक आ चुकी है कि पर्यावरणविदों की चेतावनियों और सरकारों की ओर से प्रदूषण के विरुद्ध अभियानों का मर्म सबको समझना होगा। सभी को हवा और सांस से चलने वाले जीवन के महत्त्व को समझना होगा और इसलिए रिवायती और औपचारिक चिंता जताने के बजाय पूरे साल वायु प्रदूषण को रोकने लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि वर्ष में एक दिन दीये के साथ अमावस्या के घने सन्नाटे को रौनक के साथ दूर किया जा सके। ज्यादा नहीं तो थोड़ा-सा ही सही, बच्चों के साथ-साथ बड़े भी जी को बहला सकें। यह तभी संभव है, जब हवा साफ हो, जो जीवन की सांस बन कर साथ रहे!

सहयोग का मंच

अजरबैजान की राजधानी बाकू में 18वें गुट निरपेक्ष आंदोलन का सम्मेलन आयोजित किया गया। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद जब शीत युद्ध प्रारंभ हुआ और पूरा विश्व दो ध्रुवों में विभाजित हो गया था, तब इसी आंदोलन ने उपनिवेशवाद के चंगुल से मुक्त हुए नव स्वतंत्र देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के संचालन के लिए मंच दिया था। भारत इस आंदोलन के अग्रणी देशों में से एक था। लेकिन शीत युद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद से ही इसकी प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हम शीत युद्ध के दौर में नहीं हैं लेकिन उदारीकरण और वैश्वीकरण के इस युग ने अलग तरह की चुनौतियां हमारे सामने खड़ी कर दी हैं। असमानता, पिछड़ापन, गरीबी, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन आदि कई ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिनका समाधान कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। इनसे जूझने के लिए देशों के बीच आपसी सहयोग और सामंजस्य की आवश्यकता पहले से और अधिक हो गई है और इन चुनौतियों के हल में गुट निरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता और भी प्रखर होने लगती है।

1990 के दशक के बाद से ही गुट निरपेक्ष आंदोलन ने स्वयं को पुनर्गठित करते हुए, अपना ध्यान राजनीतिक मुद्दों की तुलना में आर्थिक मुद्दों की ओर केंद्रित करना शुरू कर दिया। आज हम देखते हैं कि विकसित देश जब अपनी वैश्विक जिम्मेदारियों से विमुख हो रहे हैं तो ऐसे में भारत जैसे विकासशील देश गुट-निरपेक्ष आंदोलन के मंच का प्रयोग करके एक बेहतर और पंचशील के सिद्धांतों पर आधारित विश्व के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। भारत के पास एक सुनहरा अवसर भी है कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को लोकतांत्रिक चरित्र देने, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुपक्षीय संस्थानों को सुदृढ़ करने और आतंकवाद विरोधी आंदोलन को मजबूत बनाने में गुट निरपेक्ष मंच का प्रयोग करे। एशिया और अफ्रीका के देशों का सहयोग पाने में यह मंच लाभकारी सिद्ध होगा।

दरअसल, हमें समझना होगा कि गुटनिरपेक्ष कोई संगठन नहीं बल्कि एक आंदोलन है और आंदोलन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसके केंद्रीय मुद्दे बदलते रहते हैं लेकिन उसकी प्रासंगिकता कभी समाप्त नहीं होती। आज हमारे समक्ष जो चुनौतियां हैं वे गंभीर होने के साथ-साथ मानव अस्तित्व के लिए भी खतरा हैं। ऐसे में 120 देशों वाला यह आंदोलन आपसी सामंजस्य स्थापित करने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार ही होगा।

● राहुल राज, नवादा, बिहार

ठेंगे पर नियम

हमारे देश की खासियत रही है यहां कोई भी कानून या नियम बनने से पहले ही उससे बच निकलने के उपाय खोज लिए जाते हैं। इसका उदाहरण बिहार की गई शराबबंदी और दहेजबंदी तो हैं ही, दिल्ली में प्रदूषण मुक्ति के लिए पटाखों पर लगाया गया प्रतिबंध भी है। दिल्ली में रात के दो बजे अट्टालिकाओं पर होती आतिशबाजी और मध्यरात्रि तक बजने वाला डीजे का शोर इस बात का द्योतक है कि कितनी भी पाबंदी लगा लो, हम वही करेंगे जो हमारा मन करेगा!

सवाल है कि दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद इतने पटाखे कहां से फोड़े गए? धुएं का घोंसला बनती दिल्ली में इस नियम का सख्ती से पालन क्यों नहीं किया गया? प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में हम सरकार का साथ क्यों नहीं देते?

● सत्यम भारती, जेएनयू, नई दिल्ली

चौपाल

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

पर्यावरणीय संकट

इसमें दो राय नहीं कि आज जलवायु परिवर्तन हमारे समक्ष सबसे गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय संकट है। कई मायनों में यह हमारी सभी समस्याओं में से सबसे महत्त्वपूर्ण है। पिछले कुछ दशकों से तो पर्यावरण के प्रति काफी लापरवाही बरती गई है। विकास के चक्कर में दुनिया ने पर्यावरण का जम कर दोहन किया है और यही वजह है कि प्रकृति भी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। एक सिद्धांत है कि हम जितना प्रकृति से दूर होंगे प्रकृति भी हमसे उतनी ही दूर होती जाती है। यही वजह है कि कहीं सूखा, कहीं आवश्यकता से अधिक बरसात, कहीं तेज गर्मी, कहीं विनाशकारी सुनामी और कहीं भीषण भूकंप अब आम हो चले हैं। विकास के नाम पर हरे-भरे वृक्षों को काटा जा रहा है। ऐसे में समस्त प्राणी जगत का जीवन कैसे सुरक्षित रहेगा? यदि हमें पृथ्वी पर रहना है तो अभी भी मौका है कि प्रकृति की रक्षा करें।

● साजिद अली, इंदौर, मध्यप्रदेश

बढ़ते साइबर अपराध

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक साइबर अपराधों में विस्फोटक रफ्तार से वृद्धि न केवल चौंकाने वाली है बल्कि सरकारों के लिए एक नया सिरदर्द बनती जा रही है। आज कोई भी व्यक्ति जो कंप्यूटर और मोबाइल इस्तेमाल करता है वह साइबर अपराध से नहीं बचा है। गरीब से लेकर अमीर और नेता से लेकर अभिनेता अभी इसकी जद में हैं। खासतौर पर महिलाएं साइबर अपराध की आसान शिकार मान ली जाती हैं क्योंकि कई कारणों से वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से परहेज करती हैं। ताजा मामला केरल की एक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री मंजू वरियर का है जिसने सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ अभियान चलाने का आरोप लगाते हुए एक फिल्म निर्देशक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

देश में बढ़ते अपराधों में साइबर अपराधों में हैकिंग, ठगी, भय और अफवाहें फैलाना, देश विरोधी प्रचार आदि शामिल हैं। आज मोबाइल और कंप्यूटर दैनिक जीवन की जरूरत बन गए हैं। इनका सदुपयोग हो इसके लिए सरकार के स्तर पर और ज्यादा सजग होकर निरंतर काम करने की जरूरत है। उपभोक्ताओं के स्तर पर जागरूकता और चौकसी भी बहुत जरूरी है क्योंकि यदि हम मोबाइल और कंप्यूटर इस्तेमाल करते समय सावधान रहें तो साइबर अपराध काफी कम हो सकते हैं।

● बिजेंद्र कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय

जनसत्ता संवाद

29 अक्तूबर, 2019 7

जरा हट के

'चाइना फैशन वीक' के चौथे दिन चीनी डिजाइनर हाओ वीमिन के शो के दौरान एक बेजिंग ओपेरा कलाकार नृत्य प्रस्तुत करते हुए।

बोल

मैंने आपातकाल की घोषणा कर दी है और हमारे देश के आपातकालीन कानून के प्रावधानों के अनुसार, मेजर जनरल जेवियर इटुरियागा डेल कैंपो को राष्ट्रीय रक्षा प्रमुख नियुक्त किया है।
-सेबेस्टियन पिनेरा, चिली के राष्ट्रपति

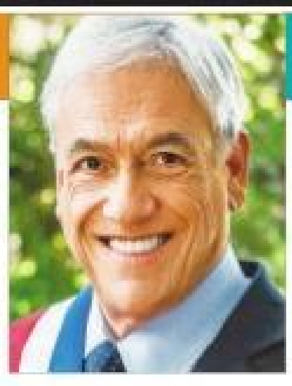

विवाद

सीरिया से अमेरिकी सैनिकों को हटाना एक गंभीर रणनीतिक गलती है। यह देश की सुरक्षा को कमजोर करेगा, हमारे दुश्मनों को मजबूत करेगा और महत्त्वपूर्ण गठबंधनों को कमजोर करेगा।
-मिच मैककोनेल, अमेरिकी सीनेटर

सम-सामयिक

इजराइल : क्या-क्या बदलेगा नेतन्याहू के कमजोर होने से

जनसत्ता संवाद

इजराइल के सशक्त नेता कहे जाने वाले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी खतरे में है। करीब साढ़े 10 साल तक प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने वाले नेतन्याहू 26 दिनों की कोशिश के बाद सरकार गठन करने में नाकाम रहे। चुनाव टालने की कोशिश में वहां के राष्ट्रपति ने नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी रहे बेनी गेंट्ज को सरकार बनाने का न्योता दिया है। रविवार को नेतन्याहू और गेंट्ज के बीच राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के मुद्दे पर बातचीत हुई है। दोनों नेता आगे एक बार और बात कर कुछ घोषणा कर सकते हैं।

इस समूची कवायद को लेकर यह कहा जाने लगा है कि इजराइल में राष्ट्रवाद के नारे के साथ वहां राज करने वाले ताकतवर नेता नेतन्याहू का दौर पर उतार पर है। इससे पहले जब नेतन्याहू को सरकार बनाने का मौका मिला था, तब भी वे गेंट्ज के साथ बात कर रहे थे और गेंट्ज ने खुद को प्रधानमंत्री बनाए जाने की शर्त रखी थी। अब गेंट्ज को बात करने का मौका मिला है। जाहिर है, गेंट्ज के समर्थक उन्हें अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखने लगे हैं। इजराइल में जोश से लबरेज गेंट्ज के समर्थक सड़कों पर चुनाव नतीजों के बाद से ही यह नारा लगा रहे हैं- 'देखो देखो कौन आया, अगला प्रधानमंत्री आया।' इजराइल की मीडिया रपटों में यह जोश बढ़ गया बताया जा रहा है।

इजराइल की आबादी लगभग 85 लाख की है। इसमें करीब 75 फीसद यहूदी हैं और 21 फीसद अरब। हिब्रू और अरबी यहां की दो मुख्य भाषाएं है। इस साल इजराइल में दो बार आम चुनाव कराए जा चुके हैं। नेतन्याहू की पार्टी अल्पमत में आई। पहली दफा न तो वह और न ही विपक्षी धड़े में से कोई सरकार बना सका। तब दूसरी बार सितंबर में चुनाव कराए गए। दोनों आम चुनावों में बेनी गेंट्ज जीते तो नहीं, लेकिन नेतन्याहू को भी नहीं जीतने दिया। सितंबर में हुए चुनाव में गेंट्ज की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी को 120 में से 33 और नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32 सीटें मिलीं।

दूसरी बार के नतीजों के बाद वहां के राष्ट्रपति ने पहले नेतन्याहू को ही सरकार बनाने को कहा। इस कवायद में सफल नहीं होने के बाद नेतन्याहू ने यह कहते हुए राष्ट्रपति कदम पीछे खींचे, 'मैंने राष्ट्रपति को बता दिया कि मैं सरकार बनाने का जनादेश लौटा रहा हूं। मैंने एक व्यापक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की बहुत कोशिश की। मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए इजराइल को इसकी जरूरत है।' अब अगला मौका बेनी गेंट्ज को मिला है। गेंट्ज ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। अभी उन्हें 28 दिनों के भीतर बहुमत हासिल करने की चुनौती पार करनी है। अगर वे ऐसा नहीं कर पाए तो इजराइल में एक साल के भीतर तीसरी बार आम चुनाव कराने होंगे।

संयोग वश यह स्थिति गेंट्ज के पक्ष में जा रही है। वहां की कोई राजनीतिक पार्टी चुनाव नहीं चाहती। ऐसे में संभव है चुनाव टालने की कोशिश में वहां कोई गठबंधन आकार ले ले। गेंट्ज को 28 दिनों के भीतर बहुमत हासिल करने की मुश्किल चुनौती पार करनी है। गेंट्ज को इजराइल में मध्यमार्गी दक्षिणपंथी माना जाता है। इसलिए उनके लिए सरकार गठन का गठबंधन करना आसान माना जा रहा है। हालांकि, गेंट्ज ने शर्त रखी है कि प्रस्तावित राष्ट्रीय सरकार में नेतन्याहू न हों। अगर ऐसा हुआ तो नेतन्याहू सत्ता के परिदृश्य से ओझल हो जाएंगे। गेंट्ज के सामने अन्य छोटे दलों का समर्थन लेकर अल्पमत की सरकार बनाने का विकल्प है।

कितने उदारवादी गेंट्ज

इजराइल की राजनीति में तेजी से उभरे 59 साल के बेनी गेंट्ज इजराइल के पूर्व सेनाध्यक्ष हैं। उन्हीं की अगुवाई में साल 2014 में गाजा में हमले हुए। नेतन्याहू की तुलना में गेंट्ज को उदार माना जाता है। सेनाध्यक्ष के तौर पर वे मशहूर रहे हैं और लोगों में उनका प्रभाव है। इस कारण इजराइल में बदलाव चाह रहे लोगों ने उन्हें समर्थन दिया है। वे राजनीति में नेतन्याहू सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों को मुद्दा बनाते हुए उभरे हैं।

शोध-अनुसधान

अब आइवीएफ का नहीं हो सकेगा दुरुपयोग

जनसत्ता संवाद

भारत सरकार जल्द ही एक ऐसा विधेयक लाने वाली है जिसमें आइवीएफ के जरिए गर्भधारण करने की अधिकतम उम्र 50 वर्ष होगी। आईवीएफ तकनीक और एआरटी क्लीनिकों की सेवाओं को कानून के दायरे में लाने के लिए सरकार संसद के अगले सत्र में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (रेगुलेशन) बिल 2019 पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो गर्भवती होने के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन से गुजरने वाली महिलाओं की आयु सीमा को कम कर देगी। विधेयक के मसौदे के अनुसार, जो महिलाएं आइवीएफ के माध्यम से गर्भधारण करना चाहती हैं उनकी अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष होनी चाहिए।

आईवीएफ यानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन कृत्रिम गर्भाधान की तकनीक है, जो अधिक उम्र में भी महिलाओं को मां बनने का अवसर प्रदान करता है। इसकी मदद से निःसंतान दंपति भी संतान सुख पा सकते हैं। इसमें महिला के अंडे और पुरुष के स्पर्म को लैबोरेट्री में एकसाथ रखकर फर्टिलाइज करने के बाद महिला के गर्भ में स्थापित कर देते हैं। इस प्रक्रिया को एम्ब्रियो कल्चर व टेस्ट ट्यूब बेबी भी कहते हैं। इस तकनीक से 50 से 60 वर्ष की महिलाएं भी मां बन सकती हैं।

लेकिन अब तक देश में इस तकनीक का इस्तेमाल कर 70 साल से ज्यादा उम्र की महिलाएं भी मां बन रही हैं। इसका उदाहरण हाल ही में देखने को मिला जब आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी की 74 वर्षीय मंगयम्मा ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। बच्चों का जन्म सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए हुआ था। चार डॉक्टरों की एक टीम ने यह ऑपरेशन किया था। डॉक्टरों की टीम का नेतृत्व करने वाले डॉक्टर एस. उमाशंकर ने कहा कि मंगायम्मा सबसे अधिक उम्र में बच्चों को जन्म देने वाली दुनिया की इकलौती महिला बन गई है। हालांकि, यह पहली घटना नहीं है जब इस तकनीक का उपयोग कर किसी बुजुर्ग महिला को मां बनाया गया हो। इससे पहले हरियाणा की 70 वर्षीय दलजिंदर कौर को बच्चे को जन्म देने वाली दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला माना जाता था। दलजिंदर कौर ने 2016 में आईवीएफ तकनीक की इस्तेमाल कर एक बच्चे को जन्म दिया था। भले ही इस तकनीक के जरिए अधेड़ उम्र की महिलाएं मां बन रही हैं लेकिन इसने उस बहस को भी छेड़ दिया है कि क्या 70 के बाद किसी महिलाओं का मां बनना सही है, क्या यह तकनीक का दुरुपयोग नहीं है। इसके बाद ही डॉक्टरों ने माना कि 50 से अधिक उम्र की किसी भी महिला को मां बनाना इस तकनीक का गलत इस्तेमाल है। डॉक्टरों ने आइवीएफ मामले में एक उम्र तय किए जाने की बात कही है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) की गाइडलाइन के मुताबिक 'अगर कोई जोड़ा बच्चा गोद लेना चाहता है तो महिला की उम्र-50 वर्ष और पुरुष की आयु 55 वर्ष होनी चाहिए।' ऐसे में डॉक्टरों का कहना है कि एक महिला नौ महीने तक अपने पेट में बच्चे को रखने जा रही है इसमें उसका स्वस्थ होना और तंदरुस्त होना बहुत जरूरी है। और जब बच्चे के गोद लेने वाले माता-पिता की उम्र तय है तो आईवीएफ तकनीक से मां बनने की चाहत रखने वाली मां की उम्र भी तय की जानी चाहिए।

सरकार आइवीएफ तकनीक से बच्चे पैदा करने की अधिकतम आयु 50 साल करने जा रही है। इस बिल का मकसद आइवीएफ तकनीक को नियंत्रित और निगरानी करने के साथ इस तकनीक को करने वाले प्रयोगशालाओं (लैब्स) की पूरी निगरानी और मापदंड के आधार पर उन्हें लाइसेंस प्रदान करना भी शामिल है। इस प्रस्तावित विधेयक में सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) के माध्यम से तकनीक के हो रहे उपयोग पर रोक लगाई जा सकेगी। साथ ही बांझपन के शिकार दंपति के शोषण को भी रोका जा सकेगा।

आइवीएफ का प्रयोग कर 50 से 60 वर्ष की महिलाएं भी मां बन सकती। लेकिन कुछ सालों से इस तकनीक का इस्तेमाल कर 70 साल से ज्यादा उम्र की महिलाएं भी मां बन रही हैं जिसे डॉक्टरों ने तकनीक का दुरुपयोग माना है।

विश्व परिक्रमा

चिली में आपातकाल की घोषणा

रविवार, 20 अक्तूबर : चिली के राष्ट्रपति ने सैंटियागो में आपातकाल की घोषणा कर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। मेट्रो के किराए में वृद्धि को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है। आधी रात को आपातकाल लगाने की घोषणा हुई।

ब्रेग्जिट में देरी करने के पक्ष में मतदान

सोमवार, 21 अक्तूबर : ब्रिटेन की संसद में शनिवार को सांसदों ने जॉनसन के ब्रेग्जिट समझौते में देर कराने वाले प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए मतदान किया। 306 के मुकाबले 322 सांसदों ने ब्रेग्जिट में देर कराने वाले संशोधन पर मतदान किया।

फिर होगा ताइवान का एकीकरण : चीन

मंगलवार, 22 अक्तूबर : चीन के रक्षा मंत्री ने सोमवार को ताइवान के 'फिर से एकीकरण' के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा, एककीरण को कोई ताकत रोक नहीं सकती है। स्वशासित ताइवान को चीन अलग हो चुका प्रांत मानता है।

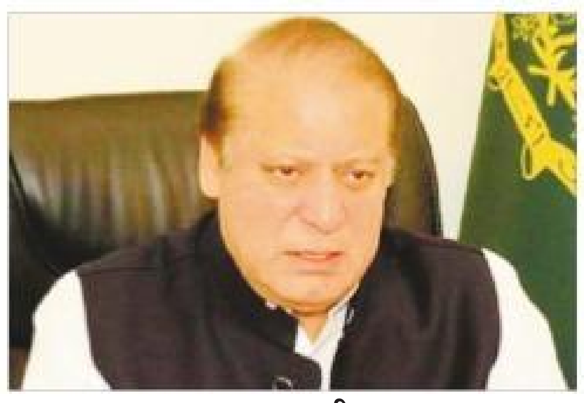

नवाज शरीफ

विदेशी मीडिया वेबसाइटों पर पाबंदी

बुधवार, 23 अक्तूबर : चीन ने देश में विदेशी समाचार संगठनों के एक धड़े पर रोक लगा दी है जिसके तहत चीन के नागरिक इन संस्थानों की वेबसाइटों की खबरें देख और पढ़ नहीं सकेंगे। प्रेस पर निगरानी रखने वाली एक एजंसी ने यह जानकारी दी।

लंदन के पास ट्रक कंटेनर से मिले 39 शव

गुरुवार, 24 अक्तूबर : ब्रिटेन में लंदन के निकट बुधवार को एक ट्रक के कंटेनर से 39 शव मिले है। यह ट्रक बुल्गारिया से आया था। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 39 लोगों की हत्या के संदेह में उत्तरी आयरलैंड के 25 वर्षीय एक चालक को गिरफ्तार किया गया है।

किशोरी को जलाने पर 16 लोगों को मृत्युदंड

शुक्रवार, 25 अक्तूबर : बांग्लादेश की एक अदालत ने 19 वर्षीय एक छात्रा को जिंदा जला कर हत्या करने के मामले में गुरुवार को 16 लोगों को मौत की सजा सुनाई। नुसरत जहां रफी ने एक मदरसे के मौलाना के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत वापस लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसे जिंदा जला दिया गया था।

बीमार नवाज शरीफ को मिली जमानत

शनिवार, 26 अक्तूबर : पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को शुक्रवार को जमानत दे दी। वह ऐसी बीमारी के शिकार हैं जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करती है।

जानें-समझें

विश्व बैंक कारोबार सुगमता

आर्थिक सुस्ती में निवेश की चुनौती

दीपक रस्तोगी

विश्व बैंक की राय में भारत में कारोबार करना ज्यादा आसान हो गया है। विश्व बैंक की कारोबार सुगमता सूची या 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में भारत ने इस साल 14 पायदान की छलांग लगाकर अब 63वां स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड पहला स्थान बरकरार रखने में सफल रहा है। सिंगापुर दूसरे और हांगकांग तीसरे स्थान पर रहे। कोरिया पांचवें और अमेरिका छठे स्थान पर रहा। भारत की रैंकिंग वर्ष 2014 में 190 देशों में 142वें स्थान पर थी। इस रैंकिंग में सुधार होने से भारत को ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। वर्ष 2018 में भारत इस सूची में 77वें स्थान पर था।

क्यों महत्त्वपूर्ण है यह सूची

विश्व बैंक की यह रैंकिंग सूची ऐसे समय में आई है, जब भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, मूडीज समेत कई विभिन्न एजंसियों ने आर्थिक सुस्ती को देखते हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बढ़त के अनुमान को घटा दिया है। किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अर्थात कारोबार सुगमता बेहद अहम होता है। विश्व बैंक की यह सूची तैयार करने में कई तरह के आकलन किए जाते हैं और किसी देश को रैंकिंग दी जाती है। यह देखा जाता है कि वहां कारोबार करने में लोगों को कितनी आसानी है। कौन सा देश किस नंबर पर रहेगा- इसका फैसला देशों में कारोबार की सुगमता के आधार पर किया जाता है।

भारत ने क्या-क्या उपाय किए

भारत ने वर्ष 2003-04 से कारोबार सुगतना के लिहाज से 48 सुधारों को लागू किया। विश्व बैंक के अनुसार भारत की इस साल की उपलब्धि कई सालों के सुधार के प्रयासों पर टिकी हुई है। भारत लगातार तीसरे साल अर्थव्यवस्था के मामले में शीर्ष-10 सुधारक देशों में शामिल रहा है। भारत के सुधार की प्रमुख वजह दिवालिया कानून को लागू करना, निर्माण परमिट से निपटना, संपत्ति का पंजीकरण करना और सीमा पार व्यापार को बेहतर करना है। कारोबार सुगमता सूची में न्यूजीलैंड शीर्ष पर बना हुआ है। इसके बाद सिंगापुर, हांगकांग का स्थान है। दक्षिण कोरिया सूची में पांचवें और अमेरिका छठे स्थान पर है। यह सूची ऐसे समय में आई है जब भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व-बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कमी की है।

शीर्ष 50 में शामिल होने की चुनौती

भारत में कंपनियों के बीच करारनामा लागू करने और संपत्ति के पंजीयन में लगने वाले समय को लेकर सुधार न होने से भारत शीर्ष 50 में शामिल होने से चूक गया। करारनामा लागू कराने को लेकर भारत की रैंकिंग 190 देशों में 163 वें स्थान पर रही। पिछले साल भी यह इसी स्थान पर रही थी। जाहिर है, एक साल में इसमें कोई भी सुधार नहीं हुआ है। दरअसल, इसमें दो कंपनियों के बीच विवाद के निपटारे की पद्धति, समय और उसकी लागत को ध्यान में रखकर इसकी रैंकिंग तय की जाती है। संपत्ति के पंजीयन में भारत को इस साल इस श्रेणी में 154 वें स्थान मिला, जबकि पिछले साल 166 वां स्थान था। दरअसल, इसकी पारदर्शी प्रक्रिया, पद्धति, लागत आदि कारकों पर रैंकिंग तय होती है।

क्या कहा विश्व बैंक ने

विश्व बैंक के निदेशक (विकास अर्थव्यवस्था) साइमन जेनकोव ने कहा कि लगातार तीसरे साल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष दस देशों में भारत जगह बनाने में सफल रहा है। इस रैंकिंग के 20 साल के दौर में ऐसी सफलता बहुत कम देशों को मिली है। बिना किसी अपवाद के ऐसा प्रदर्शन करने वाले देश बहुत छोटे और कम आबादी वाले रहे हैं। बड़ी आबादी वाले और विशाल देशों की बात करें तो भारत ऐसा पहला देश है जिसने इस साल 14 पायदान की छलांग लगाई है। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शीर्ष दस देशों में भारत के अलावा चीन (31), बहरीन (43), सऊदी अरब (62), जॉर्डन (75), कुवैत (83), टोगो (97), ताजकिस्तान (106), पाकिस्तान (108) और नाइजीरिया (131) शामिल हैं।

क्या है जानकारों की राय

यह देश कारोबार के लिहाज से जटिल बन गया है। निजी क्षेत्र अच्छा नहीं कर पा रहे हैं। बीते वर्षों में इतने सारे नियम बना दिए गए, जो सिर्फ अड़चन पैदा करते रहे हैं। पिछले चार साल में इस सरकार ने करीब 13 सौ ऐसे कानूनों को खत्म किया है।
-अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग

जीएसटी, दिवालिया कोड, ऑनलाइन ईएसआइसी और ईपीएफओ पंजीकरण जैसे कदमों को विश्व बैंक इस रिपोर्ट को तैयार करते वक्त प्रक्रिया में शामिल नही कर पाया। इस तरह के करीब एक दर्जन सुधार हैं जिन पर विश्व बैंक विचार नही कर पाया।
-रमेश अभिषेक, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग (डीआइपीपी)

व्यक्तित्व

डॉ श्याम रंजन : सुलझेगी उत्तरी ध्रुव के ग्लेशियर की पहेली!

जनसत्ता संवाद

पहली बार देश में उत्तरी ध्रुव (आर्कटिक) की वाष्प पर शोध होगा। इस वाष्प के जरिए वैज्ञानिक यह पता लगाएंगे कि ग्लेशियर कैसे बनते और पिछलते हैं। इसका श्रेय जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के दो वैज्ञानिकों को जाता है। इसमें एक वैज्ञानिक का नाम डॉ श्याम रंजन है, जो आर्कटिक की वाष्प शीशी में भरकर भारत लेकर आए हैं।

दरअसल देश की पांच संस्थानों से वैज्ञानिकों के नौ सदस्यीय दल को उत्तरी ध्रुव (आर्कटिक) भेजा गया था। इस दल में दो वैज्ञानिक जेएनयू के थे। यह दल जब पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव (आर्कटिक) के ग्लेशियर पर पहुंचा तो डॉ श्याम रंजन ने एक शीशी में वाष्प को भर लिया। हाल में ही यह दल उत्तरी ध्रुव से भारत लौटा है। दल के पास आर्कटिक के ग्लेशियर की वाष्प होने का पता चला। ऐसा पहली बार हुआ है जब उत्तरी ध्रुव की वाष्प भारत लाकर उस पर शोध किया जाएगा। इस शोध से न सिर्फ ग्लेशियर के बनने और पिछलने के कारणों का पता लगाया जा सकेगा बल्कि बाढ़ या बादल फटने जैसी घटनाओं के बारे में नए आंकड़ों के मिलने की भी उम्मीदें हैं। हर साल देश में बाढ़ और बादल फटने से हजारों लोगों की जान चली जाती है, ऐसे में वाष्प के अध्ययन से इस दिशा में महत्त्वपूर्ण जानकारी के पता चलने की भी उम्मीद है। यह शोध नवंबर के पहले हफ्ते से शुरू हो जाएगा और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा।

एक साक्षात्कार के दौरान जेएनयू के वैज्ञानिक डॉ. श्याम रंजन और शोधार्थी नवीन कुमार ने बताया कि 'वैज्ञानिकों ने 33 दिन उत्तरी ध्रुव के वेस्त्रेब्रोगेन और फेर्रिबग्रीन ग्लेशियर पर बिताए। यहां हमारी टीम ने वाष्प एकत्रित किया और भारत लाए। उम्मीद है कि इससे हमें ग्लेशियर बनने और पिघलने के नए कारणों की जानकारी मिलेगी।'

उत्तरी ध्रुव वह बिंदु है, जहां पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह आर्कटिक महासागर में पड़ता है। यहां करीब छह महीने सूरज का प्रकाश नहीं पहुंचता है। ध्रुव के आसपास का महासागर बहुत ठंडा है। यह हमेशा बर्फ की मोटी चादर से ढंका रहता है।

महासागरों और पृथ्वी की बर्फीली जमीन के बारे में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आइपीसीसी) की आगामी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 और उसके पीछे के एक दशक में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिक में बर्फ की चादर करीब हर साल 400 अरब टन कम हुई है। इसके नतीजे में महासागरों का तल हर साल करीब 1.2 मिलीमीटर बढ़ा है और पहाड़ों के ग्लेशियर ने हर साल करीब 280 अरब टन बर्फ खोई है और जो 0.77 मिलीमीटर समुद्र तल हर साल बढ़ने के लिए जिम्मेदार है। पृथ्वी पर करीब 200,000 ग्लेशियर हैं, जो प्राचीन काल से ही पृथ्वी पर बर्फ का एक विशाल भंडार हैं। ध्रुवीय इलाके के बर्फ के चादर की तुलना में छोटा होने के कारण उन पर तापमान के बढ़ने का ज्यादा असर होता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल तय करने के लिए दिल्ली में मंथन

अजय पांडेय
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार बन जाने के बाद अब दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व सूबे के नए मंत्रिमंडल का स्वरूप तय करने की कवायद में जुट गया है। लगातार दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने मनोहरलाल खट्टर सोमवार को दिल्ली पहुंचे जबकि उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मंगलवार की सुबह राजधानी पहुंच रहे हैं। अभी इन्हीं दोनों नेताओं को शपथ दिलाई गई है। समझा जा रहा है कि भाजपा व जजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच विचार विमर्श के बाद अगले दो-तीन दिनों में सूबे के नए मंत्रिमंडल के बाकी सभी मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी।

नियमानुसार 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री के अलावा अधिकतम 13 मंत्री बनाए जा सकते हैं। सूत्रों की मानें तो जजपा ने दुष्यंत के अलावा दो कैबिनेट और दो राज्यमंत्री की कुर्सी मांगी है। समझा जा रहा है कि भाजपा अपने सहयोगी दल को एक कैबिनेट और दो राज्य मंत्रियों के पद और दे सकती है। लेकिन उसकी असली समस्या अपने कोटे के मंत्रियों के नाम तय करने की है। उसे जजपा को मंत्री पद देने के अलावा निर्दलीय विधायकों को भी कुर्सी देनी है। एक दिक्कत यह भी है कि भाजपा के ज्यादातर कद्दावर जाट नेता चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी उन निर्दलीय जाट नेताओं को नए मंत्रिमंडल में शामिल कर सकती है जो पहले भाजपा का टिकट मांग रहे थे और टिकट नहीं मिलने की वजह से पार्टी के घोषित प्रत्याशियों के खिलाफ बगावत कर निर्दलीय चुनाव जीतने में कामयाब रहे। हालांकि अन्य निर्दलीय विधायकों की कुर्सी तय करने में पार्टी रणनीतिकारों को माथापच्ची करनी पड़ सकती है।

सूत्रों की मानें तो भाजपा के कोटे से अंबाला छावनी से लगातार चुनाव जीत रहे अनिल विज और जगाधरी से चुनाव जीते कंवरपाल गुर्जर को मंत्री बनाया जाना लगभग तय माना जा रहा है जबकि थानेसर से चुनाव जीते सुभाष सुधा, घरौंडा से जीते हरविंद्र कल्याण और पानीपत ग्रामीण से चुनाव जीते महीपाल ढांडा का नाम भी मंत्री पद की दौड़ में शामिल है। अहिरवाल इलाके से पार्टी डॉ. अभय सिंह यादव को मंत्री बना सकती है। पार्टी के वैश्य नेताओं में भिवानी से घनश्याम सर्राफ, पंचकूला से ज्ञानचंद गुप्ता, हिसार से डॉ. कमल गुप्ता, गुरुग्राम से सुधीर सिंगला और पलवल से दीपक मंगला चुनाव जीते हैं।

राजनाथ ने की सेना के तीनों प्रमुखों से मुलाकात

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

जम्मू-कश्मीर को लेकर जनरल बिपिन रावत, एडमिरल करमबीर सिंह और एअर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया से रक्षा मंत्री की लंबी बातचीत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बुलावे पर थल सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया सोमवार रक्षा मंत्रालय पहुंचे। तीनों कमांडरों की रक्षा मंत्री के साथ लंबी बैठक चली। जम्मू-कश्मीर का दर्जा बदले जाने का फैसला 31 अक्तूबर से लागू होगा। इसके मद्देनजर सैन्य तैयारियों का जायजा लेने के लिए रक्षा मंत्री ने यह बैठक बुलाई थी। सेना प्रमुखों के साथ राजनाथ सिंह की यह बैठक अहम मानी जा रही है। इस बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत कभी आक्रामक नहीं रहा। हमने ना कभी किसी पर हमला किया और ना ही कभी किसी की एक इंच जमीन पर कब्जा किया। अगर कोई देश की तरफ बुरी नजर से देखता है तो भारतीय सशस्त्र सेनाएं उसका मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं।

मंत्री ने पाठ्य पुस्तक में से टीपू सुल्तान के अध्याय को हटाने की मांग पर रिपोर्ट मांगी

बंगलुरु, 28 अक्तूबर (भाषा)।

कर्नाटक के मंत्री सुरेश कुमार ने सोमवार को अधिकारियों से कहा कि वे 18 वीं सदी के भूतपूर्व मैसूर रियासत के विवादित शासक टीपू सुल्तान पर आधारित अध्याय को इतिहास की पाठ्य पुस्तकों से हटाने की भाजपा विधायक की मांग पर गौर करें और तीन दिन में रिपोर्ट दें।

प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने कर्नाटक पाठ्य पुस्तक सोसाइटी के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर कहा है कि वह विधायक ए रंजन को मामले पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित करें। कुमार ने नोट में कहा, 'विधायक के अनुरोध के मुताबिक, इतिहास की पाठ्य पुस्तक में टीपू सुल्तान पर अध्याय के संबंध में इतिहास की पाठ्य पुस्तक प्रारूप समिति की एक बैठक बुलाइए।' मंत्री ने नोट में कहा, '(भाजपा के) विधायक ए रंजन को बैठक के लिए बुलाइए और अध्याय की जरूरत पर, इसे रखने और हटाने पर चर्चा करें और तीन दिन में मुझे रिपोर्ट दें।' रंजन ने पिछले हफ्ते मंत्री को चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि टीपू सुल्तान पर आधारित अध्याय को हटा देना चाहिए। रंजन ने आरोप लगाया था कि टीपू ने हजारों इसाइयों और कोडावा लोगों को जबरन इस्लाम में धर्मांतरित कराया था।

आइएस का सरगना बगदादी अमेरिकी हमले में ढेर

पेज 1 का बाकी

सबसे क्रूर और हिंसक आतंकी संगठन है। अमेरिका कई वर्षों से बगदादी की तलाश कर रहा था। बगदादी को पकड़ना या मारना मेरे प्रशासन की राष्ट्रीय सुरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही। ट्रंप ने कहा कि वह एक तरफ से बंद सुरंग में भागते हुए गया। इस दौरान वह पूरे समय रोता और चिल्लाता रहा। जिसने दूसरों के मन में डर पैदा किया, उसके जीवन के अंतिम क्षण अमेरिकी सेना के खौफ में बीते।

उन्होंने कहा कि अभियान में एक भी अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ, लेकिन बगदादी के कई समर्थक मारे गए और कई को पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा कि उसके पास से बेहद संवेदनशील सामग्री और जानकारी मिली है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति माइक पेंस और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ वाइट हाउस से अभियान का सीधा प्रसारण देखा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कमांडो ने परिसर की दीवार को धमाका करके उड़ा दिया। विस्फोट ने बगदादी के शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया, लेकिन डीएनए जांच में उसकी पहचान की पुष्टि हो गई। आइएस ने लोगों पर बहुत अत्याचार किए, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी। पिछले पांच वर्षों में बगदादी के ठिकाने के बारे में बहुत कम जानकारी मिल पाई थी। इस दौरान कई बार उसके मारे जाने की खबरें भी आईं।

बगदादी की मौत को राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ी राजनीतिक जीत माना जा रहा है, जो विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से महाभियोग की प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने अभियान में सहयोग देने के लिए रूस, तुर्की, सीरिया, और इराक को धन्यवाद दिया। उन्होंने अभियान में मददगार जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सीरियाई कुर्दों को भी धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि कुर्दों ने सैन्य भूमिका नहीं निभाई लेकिन उन्होंने हमें जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि हमने रूस से बात करके उसे बताया कि हम वहां जा रहे हैं...उन्होंने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी। हमने रूस को यह नहीं बताया कि हमारा अभियान क्या है। ट्रंप ने कहा कि यह एक खुफिया अभियान था। वहां घुसते ही हल्की गोलीबारी हुई, जिसका तुरंत जवाब दिया गया। अभियान की प्रक्रिया शाम पांच बजे (स्थानीय समयानुसार) शुरू की गई।

उन्होंने कहा कि अभियान से पहले उस परिसर से 11 बच्चों समेत कई लोगों को बचाया गया। डीएनए जांच में साबित हो गया है कि वह बगदादी था। हमले में उसकी दो पत्नियां भी मारी गईं। ट्रंप ने कहा कि बगदादी पर पिछले कुछ सप्ताह से अमेरिका लगातार निगरानी रखे हुए थे।

इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने बगदादी के मारे जाने की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा का रविवार को स्वागत करते हुए इसे एक 'महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर' करार दिया। वहीं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इसे एक महत्त्वपूर्ण क्षण करार देते हुए कहा कि आइएस के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है।

रद्द करें दौरा : स्वामी

पेज 1 का बाकी

हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह हमारी राष्ट्रीय नीति से पीछे हटना है। स्वामी ने इस दौरे को रद्द करने की मांग की। स्वामी ने कहा, 'मुझे आश्चर्य है कि विदेश मंत्रालय ने यूरोपीय संघ के सांसदों के व्यक्तिगत तौर पर (यूरोपीय संघ के आधिकारिक शिष्टमंडल के तौर पर नहीं) जम्मू-कश्मीर इलाके का दौरा करने के प्रबंध किए हैं। यह हमारी राष्ट्रीय नीति से पीछे हटना है। मैं सरकार से यह दौरा रद्द करने की अपील करता हूं क्योंकि यह अनैतिक है।'

दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने ट्विटर पर कहा है कि उम्मीद है कि सांसदों को स्थानीय लोगों से मिलने दिया जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया, 'उम्मीद है कि उन्हें स्थानीय लोगों, मीडिया, डॉक्टरों और अन्य लोगों से मिलने दिया जाएगा। कश्मीर और दुनिया के बीच लगा पर्दा हटना चाहिए। जम्मू-कश्मीर को अस्थिरता की स्थिति के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'

वहीं भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि अनुच्छेद 370 अस्थायी था। पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर अभियान छेड़ा, लेकिन भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक रणनीति के चलते उसका हर प्रयास असफल कर दिया। मुझे लगता है कि इसी के मद्देनजर यह प्रतिनिधिमंडल आया होगा।

पिछले साल के मुकाबले दिल्ली में कम घुटा दम

पेज 1 का बाकी

रही। इनका एक्यूआइ क्रम से 371, 396 व 375 रहा। डीपीसीसी ने एक बयान में कहा कि दिल्ली की हवा में खतरनाक व मोटे धूल के कणों (पीएम 10) और बारीक धूल के कणों (पीएम 2.5) के उत्सर्जन में 20 से 50 फीसद की कमी आई। इस बार पिछले साल की तुलना में महीन धूल कणों के उत्सर्जन में 30 फीसद की कमी देखी गई। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि इस बार दीपावली के बाद वायु की गुणवत्ता 2018 की तुलना में बहुत अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि लोग भी कहते हैं कि इस साल कम पटाखे जलाए गए।

डीपीसीसी ने एक बयान में कहा कि पिछले साल मोटे धूल कणों की मात्रा 1859 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर थी जो इस बार 30 फीसद घटकर 1391 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रही। इस दीपावली में सल्फर डाईऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा भी सभी मापन केंद्रों पर मान्य स्तर के अंदर ही थी। डीपीसीसी ने कहा कि 80 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के मान्य स्तर के हिसाब से सल्फर डाईऑक्साइड की मात्रा कुछ जगहों पर असुरक्षित स्तर से भी बेहतर पाई गई। समिति ने कहा कि महीन कणों, सल्फर डाईऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड में करीब 30 फीसद की अहम गिरावट से जाहिर है कि लोगों ने इस साल कम पटाखे जलाए और उन्होंने स्थिति सुधारने में योगदान दिया।

सफर का कहना है कि दक्षिण पछुवा हवा की वजह से दिल्ली में धुंध व बादल भी छाए। हवा की गति छह किलोमीटर प्रति घंटे रही। इसने प्रदूषक तत्त्वों को छितराने में मदद की। सफर के मुताबिक 2.5 माइक्रोन से कम व्यास वाले अति सूक्ष्म कण का स्तर दिल्ली विश्वविद्यालय के पास 735 पर पहुंच गया जो कि 'आपात स्थिति' है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक गाजियाबाद में 378, ग्रेटर नोएडा 364 और गुड़गांव में 359 एक्यूआइ के साथ हवा 'बहुत खराब' दर्जे की रही। 10 या 10 माइक्रोन से कम व्यास वाले मोटे धूलकणों का स्तर रविवार को आनंद विहार में 515 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था। वजीरपुर और बवाना में, पीएम 2.5 का स्तर 400 के स्तर को पार कर गया था। दिल्ली सरकार ने इस बार चार दिवसीय लेजर शो भी आयोजन किया ताकि लोगों को पटाखों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा सके।

आइसीएओ में पाकिस्तान की शिकायत की भारत ने

पेज 1 का बाकी

ने नाराजगी जताई। सामान्य तौर पर किसी भी देश द्वारा इसस्‍े इनकार नहीं किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि भारत ने संबंधित अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन निकाय के समक्ष पाकिस्तान द्वारा इनकार किए जाने का मुद्दा उठाया है। आइसीएओ के निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, अन्य देशों द्वारा अपनी उड़ानों के लिए दूसरे देशों से उनके हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने की मंजूरी मांगी जाती है और उन्हें मंजूरी दी जाती है। अधिकारियों के मुताबिक, भारत आगे भी इस तरह की मंजूरी मांगता रहेगा। यह दूसरा मौका है, जब पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमान को अपने हवाई क्षेत्र से उड़ने की अनुमति नहीं दी है। सितंबर में उनके अमेरिका दौरे के वक्त भी पाकिस्तान ने ऐसा ही किया था। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। पड़ोसी मुल्क की पुरानी आदत है कि वह बेजा कारणों का हवाला देकर मंजूरी देने से मना कर देता है।

आतंकवाद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई जरूरी

पेज 1 का बाकी

जताई कि सांसदों का देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा उपयोगी होगा और जम्मू कश्मीर की यात्रा से उन्हें जम्मू, कश्मीर और लद्दाख क्षेत्रों की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता की बेहतर समझ हो सकेगी।

प्रधानमंत्री ने यह उम्मीद भी जताई की कि इससे उन्हें क्षेत्र के विकास और शासन की प्राथमिकताओं के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण मिल सकेगा। किसी भी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि आतंकी गतिविधियों का समर्थन या प्रायोजन करने वाले तथा आतंकवाद को राज्य की नीति के तौर पर इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

यूरोपीय संघ के सांसदों की यह अनौपचारिक यात्रा है। यह प्रतिनिधिमंडल डल झील में शिकारा मालिकों से मिलने के साथ ही वहां के स्थानीय निवासियों से भी मिलेगा। इस टीम ने प्रधानमंत्री मोदी के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से भी मुलाकात की।

बताते चलें कि पांच अगस्त को कश्मीर से 370 हटाए जाने के बाद यूरोपियन यूनियन ने भारत के पक्ष का समर्थन किया था। यूनियन ने एक बयान जारी करके पाकिस्तान के रवैये को संदिग्ध बताते हुए कहा था कि कश्मीर द्विपक्षीय मसला है।

उस समय यूरोप की संसद में कई सांसदों ने एक सुर में पाकिस्तान की तीखी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि हमें भारत का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकियों को संरक्षण मिलता है और वे पड़ोसी देश में हमले करते हैं।

हरियाणा से राज्यसभा की एक सीट पर कांग्रेस का कब्जा तय

पेज 1 का बाकी

बिल्कुल आसान हो गया है। दूसरी ओर 40 सीटें जीतने वाली भाजपा भी आसानी से प्रदेश से अपना एक राज्यसभा सांसद चुन सकेगी।

कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा सांसद चुने जाने को लेकर पार्टी नेताओं ने अभी से गुणा भाग शुरू कर दिया है। पार्टी के सामने एक विकल्प तो यही है कि वह प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा को ही दोबारा यह कुर्सी दे दे। लेकिन जानकारों का यह मानना है कि प्रदेश अध्यक्ष बना दिए जाने के बाद सैलजा का दिल्ली से ज्यादा हरियाणा में रहना जरूरी है। ऐसे में संभव है कि पार्टी किसी और नेता पर दांव लगाए।

सूत्रों ने बताया कि पिछली विधानसभा में कांग्रेस के 15 विधायक थे और उसके बाद विपक्ष के नेता का पद भी नहीं था। लेकिन इस बार पार्टी को यह कुर्सी मिल गई है। मुख्य विपक्षी दल होने के नाते कांग्रेस विधायक दल के नेता का राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता बनना तय है।

चंडीगढ़ में मंगलवार को प्रस्तावित कांग्रेस विधायक दल की बैठक में पार्टी के नए नेता का चुनाव होगा। सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस पद के स्वाभाविक दावेदार हैं।

दूसरी ओर विधायकों की पर्याप्त संख्या के मद्देनजर कांग्रेस का राज्यसभा सदस्य चुना जाना भी निश्चित है।

राज्यसभा की कुर्सी के लिए पार्टी के कई दावेदार बताए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे व पूर्व सांसद दीपेंद्र हुड्डा का नाम इस क्रम में लिया जा रहा है। इस चुनाव में बहुत थोड़े मतों से चुनाव हारने वाले रणदीप सिंह सुरजेवाला भी इस पद के हकदार बताए जा रहे हैं।

बहरहाल, पार्टी चाहेगी कि वह किसी ऐसे नेता को यह कुर्सी सौंपे जो प्रदेश के अलावा आसपास के अन्य राज्यों में भी घूमकर पार्टी को मजबूत बना सके।

प्रदूषण स्तर पांच साल में न्यूनतम : केजरीवाल

पेज 1 का बाकी

राजधानी में वायु गुणवत्ता दिवाली के बाद की सुबह इस मौसम में सबसे खराब थी। हालांकि सरकारी एजंसियों ने कहा कि स्थिति पिछले वर्षों की तुलना में अब भी बेहतर है।

केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने सोमवार को मास्क मिल गए हैं और कुछ दिनों में उन्हें वितरित किया जाएगा।

सिख श्रद्धालुओं का 'नगर कीर्तन' ननकाना साहिब रवाना

पेज 1 का बाकी

कीर्तन' निकाला गया। इसमें सिख समुदाय के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इसमें कहा गया कि सोमवार सुबह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई गणमान्य लोगों ने धार्मिक यात्रा को रवाना किया। पाकिस्तान के कार्यवाहक उच्चायुक्त सैयद हैदर शाह विशेष अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

उच्चायोग ने बताया कि 'नगर कीर्तन' लुधियाना और अमृतसर होते हुए 31 अक्तूबर को वाघा सीमा के जरिए पाकिस्तान पहुंचेगा। बयान में कहा गया है, 'आज भारत के सिख श्रद्धालुओं का नगर कीर्तन नई दिल्ली से पाकिस्तान के पवित्र शहर ननकाना साहिब में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के जन्म स्थान के लिए रवाना हुआ।' इसमें कहा गया है कि गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के पावन अवसर पर पाकिस्तान इस साल विशेष सत्कार के तौर पर भारत के 'नगर कीर्तन' का स्वागत करेगा।

संसद का अपमान : कांग्रेस

पेज 1 का बाकी

आलोचना की। पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय नेताओं को वहां जाने की अनुमति नहीं देना और विदेश के नेताओं को इजाजत देना देश की संसद एवं लोकतंत्र का अपमान है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा- जब भारतीय नेताओं को जम्मू-कश्मीर के लोगों से मुलाकात करने से रोक दिया गया तो फिर राष्ट्रवाद के चैंपियन होने का दावा करने वालों ने यूरोपीय नेताओं को किस वजह से जम्मू-कश्मीर का दौरा करने की इजाजत दी? यह भारत की संसद और लोकतंत्र का अपमान है। दूसरी ओर कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग के प्रमुख रोहन गुप्ता ने कहा कि जब भारतीय नेता जम्मू-कश्मीर का दौरा करना चाहते हैं तो तथाकथित राष्ट्रवाद के लिए खतरा पैदा हो जाता है।

दो निर्दलीय विधायकों ने भाजपा, एक ने शिवसेना को दिया समर्थन

पेज 1 का बाकी

को समर्थन देने का एलान किया। इनमें से एक निर्दलीय विधायक को हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-राकांपा गठबंधन का समर्थन प्राप्त था। अमरावती जिले के बडनेरा से विधायक रवि राणा ने रविवार को भाजपा को 'बिना शर्त' समर्थन देने की घोषणा की। वहीं विदर्भ क्षेत्र के चंद्रपुर से निर्दलीय विधायक किशोर जोरगेवार ने भी भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की। उधर राकांपा समर्थित निर्दलीय विधायक शंकरराव गडख ने शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा की।

रोचक बात यह है कि राणा विदर्भ क्षेत्र की सीट से कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के समर्थन से जीते हैं। यह उनकी लगातार तीसरी जीत है।

उनकी पत्नी नवनीत राणा अमरावती से निर्दलीय लोकसभा सदस्य हैं। वह भी राकांपा समर्थित उम्मीदवार थीं और उन्होंने मई में हुए लोकसभा चुनाव में शिवसेना के आनंदराव अडसुल को हराया था।

रवि राणा ने कहा, 'हां, मैंने भाजपा को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विदर्भ से हैं, और मैं भी इसी क्षेत्र से हूं।' उन्होंने कहा, 'फडणवीस ने कई विकास कार्य किए हैं और मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक मेडिकल कॉलेज की मंजूरी भी दी है।' राणा ने उन्हें समर्थन देने वाली राकांपा की ओर से प्रतिकूल टिप्पणी आने की संभावना को भी खारिज किया। उन्होंने कहा, 'राकांपा के साथ कोई विवाद नहीं होगा। यदि राज्य में वह सरकार बनाने की स्थिति में होती तो मैं उसका साथ देता।' राकांपा समर्थित निर्दलीय विधायक शंकरराव गडख ने शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा की। अहमदनगर जिले के नेवासा से विधायक गडख ने यहां शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की। गडख के पिता राकांपा के नेता थे। विधायक ने कहा, 'मैं ग्रामीण क्षेत्र से संबंध रखता हूं, जहां समस्याएं अधिक जटिल हैं।'

हमें विकल्प ढूंढ़ने पर मजबूर न करे भाजपा

पेज 1 का बाकी

एक अधिकारी ने बताया कि दोनों नेताओं की यह मुलाकात सिर्फ 'औपचारिक भेंट' थी। दोनों नेता राज्यपाल कोश्यारी से अलग-अलग मिले हैं। फडणवीस दक्षिण मुंबई स्थित राज भवन पर सुबह 11 बजे पहुंचे।

राउत ने एक समाचार चैनल के साथ बातचीत में कहा, 'हम गठबंधन (भाजपा के साथ) में विश्वास करते हैं। लेकिन भाजपा को हमें सरकार गठन के लिए अन्य विकल्प ढूंढ़ने को विवश नहीं करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'राजनीति में कोई संत नहीं होता।' राउत की यह बात संभवतः वरिष्ठ सहयोगी भाजपा को यह संकेत है कि उससे परे सरकार गठन शिवसेना के लिए पूरी तरह असंभव नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि दोनों दल सत्ता में 'बराबर भागीदारी' पर सहमत हुए थे और इस संबंध में मुंबई में घोषणा भी की गई थी। राउत ने कहा कि सरकार गठन को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर भाजपा खुद अपने दम पर बहुमत जुटा लेती है तो वह इसका स्वागत करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि इस वर्ष के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और फडणवीस के बीच बने सत्ता में हिस्सेदारी के फार्मूले से भाजपा इनकार करती है तो शिवसेना क्या रुख अपनाया जाएगा तो राउत ने कहा, 'भाजपा राम का नाम पुकारती है। आप (भाजपा) राम मंदिर बनाने जा रहे हैं। राम 'सत्यवचनी' थे, इसलिए उन्हें इस (फार्मूले) पर सच बोलना चाहिए।' इससे पूर्व शिवसेना ने 'शोले' फिल्म में रहीम चाचा के डायलॉग 'इतना सन्नाटा क्यों है भाई?' का इस्तेमाल करते हुए महाराष्ट्र में भाजपा की गठबंधन सहयोगी शिवसेना ने देश में आर्थिक सुस्ती को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दोनों दलों के बीच जारी इस खींचतान के बीच सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के नेता दिवाकर राउते ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की। फडणवीस दक्षिण मुंबई स्थित राज भवन पर सुबह 11 बजे पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि राउते ने भी कोश्यारी से भेंट की।

उधर भाजपा प्रवक्ता जीवी एल नरसिम्हा राव ने नई दिल्ली में कहा कि महाराष्ट्र को जल्द ही भाजपा नीत सरकार मिलेगी।

पराली व पटाखों से हवा हुई दमघोंटू

पेज 1 का बाकी

खराब' श्रेणी में रखा जाता है। सबसे अधिक प्रदूषण के साथ मुजफ्फरनगर की हवा 'गंभीर' दर्जे की पाई गई।

औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) के इजाफे से हरियाणा व पंजाब के शहरों का भी बुरा हाल रहा। अंबाला का एक्यूआइ 385, अमृतसर का 337, भिवानी 337, फरीदाबाद का एक्यूआइ 358, हिसार 370, जींद 373, कैथल 319, करनाल 323, कुरुक्षेत्र 392, लुधियाना 353, मानेसर 326, पानीपत 366 रोहतक 329 और पटियाला 349 एक्यूआइ के साथ हवा 'बहुत खराब' दर्जे की बनी रही।

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से अधिकार प्राप्त समिति ईपीसीए के अध्यक्ष भूरे लाल ने कहा कि प्रदूषण के लिए पटाखे के अलावा अन्य कारक भी जिम्मेदार हैं। हमने हरियाणा व पंजाब सहित दूसरे राज्यों से डीजल जेनरेटर के बारे में रिपोर्ट मांगी है। वह 22 अक्तूबर तक आ जानी थी लेकिन चूंकि हरियाणा में अभी तक पूरी तरह से सरकार का गठन नहीं हो पाया है इसलिए अभी तक हमें रिपोर्ट नहीं मिली है। हमने आज भी उनको याद दिलाया है। हमने कई सारे कदम उठाए हैं और हवा की गति को देखते हुए हमें इंतजार है कि किसी तरह प्रदूषण उड़ जाए।

वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान (सफर) ने सोमवार कहा कि हरियाणा और पंजाब में पुआल जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

अजय चौटाला ने छोटे भाई अभय से की मुलाकात

पेज 1 का बाकी

था। शिक्षक भर्ती घोटाले में अपने पिता ओमप्रकाश चौटाला के साथ जेल की सजा काट रहे अजय चौटाला ने रविवार को दो सप्ताह के फरलो पर तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद अपने भाई से मुलाकात की। अजय चौटाला ने सिरसा जिले में तेजा खेड़ा में अपने परिवार के फार्महाउस में अभय से मुलाकात की। इस दौरान उनके चाचा रंजीत सिंह चौटाला भी मौजूद रहे जो 21 अक्तूबर को हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय विधायक के तौर पर निर्वाचित हुए।

दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ने ट्रक चालक की हत्या की

पेज 1 का बाकी

लिया है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि पिछले 10 दिनों में कश्मीर में आतंकवादियों ने तीन ड्राइवरों, पंजाब के एक व्यापारी और एक प्रवासी मजदूर की हत्या कर दी है।

इससे पहले जम्मू कश्मीर के सोपोर शहर में एक बस अड्डे पर सोमवार को आतंकवादियों ने हथगोला (ग्रेनेड) फेंका, जिसमें 20 नागरिक घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल 20 लोगों में से गंभीर रूप से घायल छह लोगों को श्रीनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों का एक स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। दूसरी ओर यूरोपीय संघ के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के घाटी का दौरा करने से एक दिन पहले यह हमला हुआ है। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल को घेर लिया और आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए एक अभियान चलाया गया।

उधर, पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर सोमवार को संघर्षविराम उल्लंघन करते हुए छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार दागकर सीमावर्ती चौकियों और गांवों को निशाना बनाया।

खबर कोना

तुर्क-अमेरिकी सैन्यबलों में गहन तालमेल : अंकारा

इस्तांबुल, 28 अक्तूबर (एएफपी)।

तुर्की ने सोमवार को कहा कि उनके देश की सैन्य और खुफिया सेवा ने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ इस्लामिक स्टेट के सरगना अबू बकर अल-बगदादी के ऊपर किए गए हमले के दौरान गहन संपर्क रखा। तुर्की के राष्ट्रपति के प्रवक्ता इब्राहिम कलिन ने कहा, 'हमारी सैन्य सेवा और खुफिया सेवा इस मामले में अपने अमेरिकी समकक्षों से संपर्क में थे। हम कह सकते हैं कि अभियान वाली रात हमारी सेनाओं के बीच गहन बातचीत हुई।'

पाक में अहमदियों की पुरानी मस्जिद गिराई गई

लाहौर, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक अहमदियों के 70 साल पुराने इबादत स्थल को पंजाब प्रांत के अधिकारियों ने गिरा दिया। समुदाय के सदस्यों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी संसद ने 1974 में अहमदी समुदाय को गैर मुस्लिम घोषित किया था। एक दशक बाद उनके खुद को मुसलमान कहने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उनके उपदेश देने और यात्रा के लिए धार्मिक यात्रा पर सऊदी अरब जाने पर भी प्रतिबंध है। अहमदी समुदाय के प्रवक्ता सलीमुद्दीन ने कहा कि जिस इबादतगाह को ढहाया गया, वह यहां से 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर जिले के हासिलपुर गांव में है।

बाबा गुरु नानक यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखी

लाहौर, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के जन्मस्थान ननकाना साहिब में सोमवार को गुरु नानक विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की। प्रधानमंत्री इमरान खान ने बाबा गुरु नानक इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखी। यह विश्वविद्यालय 10 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा। इस मौके पर गृह मंत्री एजाज शाह ने कहा कि इस परियोजना पर छह अरब रुपए खर्च किए जाएंगे और उसके तीन चरणों में बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। पंद्रह साल से भी अधिक समय पहले यह प्रस्ताव पहली बार सामने आया था। शाह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में पंजाबी और खालसा भाषाएं पढ़ाई जाएंगी। पाकिस्तान के सिख ननकाना साहिब में गुरु नानक देव जी के नाम पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग करते आ रहे थे। वर्ष 2003 में पहली बार परवेज इलाही की अगुआई वाली पंजाब सरकार इस विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव लायी थी। दो साल बाद इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इस परियोजना को अंतिम मंजूरी दी। बोर्ड के अध्यक्ष सिद्दिकुल फारूक ने कहा कि इस विश्वविद्यालय से पाकिस्तान में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी छवि सुधरेगी।

बगदादी की मौत आइएस के खिलाफ बड़ी जीत : अमेरिका

वाशिंगटन, 28 अक्तूबर (भाषा)।

उत्तर पश्चिमी सीरिया में अमेरिकी हवाई हमले में दुनिया के सर्वाधिक वांछित आतंकवादी अबू बक्र अल-बगदादी का मारा जाना अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए बहुत बड़ी सफलता है। यह ट्रंप शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को यह घोषणा की कि अमेरिकी सेना के हवाई हमले में आईएसआईएस का नेता और दुनिया के सबसे वांछित आतंकवादी अबू बक्र अल-बगदादी ने खुद को बम से उड़ा लिया।

ईराक के समारा शहर में 1971 में जन्मे बगदादी ने खुद को 'खलिफा इब्राहीम' का नाम दिया था। पांच साल पहले आइएस के उदय के समय से बगदादी पर अमेरिका सरकार ने ढाई करोड़ डालर का ईनाम रखा था। वर्ष 2014 से बगदादी को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कहा कि यह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बहुत बड़ी जीत है। इस अभियान के बारे में जानकारी रखने वाले चुनिंदा लोगों में से एस्पर भी एक थे, जिन्होंने इस पूरे हमले को वाइट हाउस के सिचुएशन रुम से लाइव देखा। रक्षा मंत्री ने बयान में कहा, 'इस वर्ष की शुरुआत में हमने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर आइएस को शिकस्त दी थी और अब उसका सरगना मारा गया है।' एस्पर ने रविवार को कहा कि यह अमेरिका के लिए और दुनिया के लिए महत्त्वपूर्ण दिन है और शनिवार देर रात अमेरिका के संयुक्त विशेष अभियान बल और अनेक एजंसियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर बगदादी को जिंदा पकड़ने या उसे समाप्त करने का अभियान पूरा किया। एस्पर ने कहा है कि उत्तर पश्चिमी सीरिया में अमेरिकी हवाई हमले में दुनिया के सबसे वांछित आतंकवादी अबू बक्र अल-बगदादी का मारा जाना आईएसआईएस के खिलाफ अभियान में बड़ी कामयाबी है।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने एक समाचार चैनल से साक्षात्कार में कहा कि दुनिया में इतना आंतक फैलाने वाला यह शख्स अपने अंतिम क्षणों में अमेरिकी सेना से पूरी तरह से डरा हुआ था। नेशनल इंटेलिजेंस के कार्यवाहक निदेशक जोसेफ मगुइरे ने बगदादी का खात्मा करने के लिए खुफिया समुदाय और विशेष अभियान बल को धन्यवाद दिया।

आइएस पश्चिमी सीरिया से पूर्वी ईराक तक लगभग 88,000 वर्ग किमी के क्षेत्र को नियंत्रित कर वहां के निवासियों को उत्पीड़ित करता रहा है। बगदादी ने आइएस के सदस्यों को दुनिया भर में बेकसूर लोगों के खिलाफ कायरतापूर्ण हमले करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। बराक ओबामा द्वारा मई 2011 में एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के मारे जाने की घोषणा के बाद रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान किसी प्रमुख आतंकवादी के मारे जाने की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बयान है।

दिवाली वाशिंगटन स्थित वाइट हाउस में रविवार को दीपावली उत्सव के दौरान दीप जलाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

हमले के दौरान अमेरिकी सेना का कुत्ता घायल हुआ : ट्रंप

वाशिंगटन, 28 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उत्तरी सीरिया में एक अंधेरी भूमिगत सुरंग में आइएस सरगना बगदादी का पीछा करने वाले अमेरिकी सेना का एक कुत्ता घायल हो गया।

वाइट हाउस में इस पूरे अभियान को देखने वाले ट्रंप ने रविवार को वाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमारे कुत्तों ने पीछा करना पर वह सुरंग के आखिरी छोर पर जाकर घिर गया। उसने (बगदादी) अपनी जैकेट सुलगाकर तीन बच्चों के साथ खुद को बम से उड़ा लिया।' उन्होंने कहा कि हमले के दौरान कोई भी अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ, न ही किसी कुत्ते की मौत हुई। ट्रंप ने कहा कि हमले में हमारे 'के9' स्वान दस्ते का एक सुंदर और प्रतिभाशाली कुत्ता घायल हुआ है।

अमेरिकी कार्रवाई का वीडियो फुटेज जारी करने पर विचार

वाशिंगटन, 28 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिमोत्तर सीरिया में अमेरिका के उस विशेष अभियान की वीडियो फुटेज का हिस्सा जारी करने पर विचार कर रहे हैं जिसमें इस्लामिक स्टेट का सरगना व दुनिया का वांछित आतंकवादी अबु बकर अल-बगदादी मारा गया।

अमेरिकी विशेष अभियान बल द्वारा बगदादी के ठिकाने पर शनिवार को किए गए हमले के दौरान एक सुरंग के भीतर पीछा किए जाने पर आईएसआईएस सरगना ने आत्मघाती बम से खुद को उड़ा लिया। ट्रंप ने वाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, 'हम इस बारे में सोच रहे हैं। हम कर सकते हैं। सवाल पूछा गया था कि क्या मैं हमले का वीडियो फुटेज जारी करने पर विचार कर रहा हूं? हां, हम इसके कुछ हिस्से जारी कर सकते हैं।'

शुरुआती सुराग मिले थे बगदादी की पत्नी की गिरफ्तारी से : न्यूयॉर्क टाइम्स

वाशिंगटन, 28 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार खुफिया एजंसी सीआइए को सरगना अबू बकर अल बगदादी के संभावित ठिकाने के बारे में कुछ महीने पहले पता चला था जब उसकी एक पत्नी और एक संदेशवाहक को गिरफ्तार किया गया था।

केंद्रीय खुफिया एजंसी (सीआइए) ने शुरुआती गुप्त सूचना के आधार पर बगदादी के ठिकानों की सटीक पहचान करने के लिए इराकी और कुर्दिश खुफिया अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया। साथ ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जासूसों को काम पर लगाया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने समाचार पत्र को बताया कि कुर्दों को सीरिया में ही छोड़कर अमेरिका को बाहर निकालने के राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले के बाद भी कुर्दों ने सीआइए को बगदादी के ठिकाने के बारे में जानकारी देना जारी रखा। अधिकारी ने कहा कि सीरियाई और इराकी कुर्दों ने किसी भी देश के मुकाबले हमले को लेकर अधिक खुफिया जानकारी मुहैया कराई। हमले की जगह के निकट गांव में रहने वाले लोगों से बात करने वाले इंजीनियर के मुताबिक बगदादी एक और चरमपंथी समूह हुर्रास अल दीन के एक कमांडर अबू मोहम्मद सलामा के घर में शरण लिए हुए था। समाचार पत्र की खबर में कहा गया है कि सेना ने कम से कम दो बार अंतिम क्षणों में मिशन रोका था। हमले की अंतिम योजना पिछले सप्ताह दो से तीन दिन में बनाई गई थी।

ईयू ने ब्रेग्जिट की समयसीमा 31 जनवरी बढ़ाने पर सहमति दी

ब्रसेल्स, 28 अक्तूबर (एपी)।

यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देश ब्रेग्जिट की समय सीमा तीन महीने तक बढ़ाकर 31 जनवरी तक करने संबंधी ब्रिटेन की पेशकश पर सोमवार को सहमत हो गए। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क ने ट्वीट किया, 'ईयू के 27 अन्य देश राजी हो गए हैं कि वह ब्रेग्जिट की अवधि में 31 जनवरी, 2020 तक विस्तार करने का ब्रिटेन का अनुरोध स्वीकार करेगा।' लिखित प्रक्रिया के माध्यम से निर्णय को औपचारिक रूप दिये जाने की उम्मीद है। ईयू के राजनयिकों की शुक्रवार को ब्रसेल्स में हुई बैठक में 31 अक्तूबर को प्रस्तावित ब्रेग्जिट को टालने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई थी। ईयू के इस कदम का मतलब होगा कि ब्रिटेन गुरुवार की अपनी योजना के अनुसार 28 सदस्यीय ब्लॉक को नहीं छोड़ेगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस हफ्ते की शुरुआत में 12 दिसंबर को मध्यावधि आम चुनाव कराने की मांग की थी जिस पर संसद को फैसला लेना था। जॉनसन ने इस संबंध में प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने कहा, 'ब्रेग्जिट को हासिल करना का एक तरीका है, मेरा मानना है कि संसद के साथ उचित व्यवहार होना चाहिए और यह कहना कि क्या वे वास्तव में इस समझौते का अध्ययन करने के लिए अधिक समय चाहते हैं तो उनके पास यह समय हो सकता है, लेकिन उन्हें 12 दिसंबर को आम चुनाव के लिए सहमत होना होगा।'

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का सम्मेलन शुरू

बेजिंग, 28 अक्तूबर (भाषा)।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने सोमवार को अपना बहुप्रतीक्षित चार दिवसीय सम्मेलन शुरू किया। यह सम्मेलन राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हांगकांग में प्रदर्शन और अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध व अर्थव्यवस्था में मंदी के मुद्दे पर पार्टी के अंदर बेचैनी बढ़ रही है।

बंद दरवाजों के अंदर हुई पूर्ण सत्र या 'प्लेनम' बैठक में सोमवार सुबह शी (66) ने काम की रिपोर्ट पेश की। शी 2012 में सत्ता संभालने के बाद से ही चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और सेना प्रमुख के अलावा राष्ट्रपति पद की दोहरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। शी ने प्रमुख मुद्दों पर सीपीसी की केंद्रीय समिति के फैसलों के बारे में कार्य रिपोर्ट पेश की और अहम मुद्दों पर मसौदा दस्तावेज के बारे में जानकारी दी।

करतारपुर के तीर्थयात्रियों को त्वरित मंजूरी के लिए 80 आव्रजन काउंटर

लाहौर, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तान ने गुरुद्वारा दरबार साहिब आने के इच्छुक श्रद्धालुओं को बिना वीजा प्रवेश की मंजूरी देने के लिए करतारपुर गलियारे में 80 आव्रजन काउंटर बनाए हैं। भारत और पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह करतारपुर गलियारे के संचालन के संबंध में समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे भारतीय श्रद्धालु बिना वीजा के गुरुद्वारा दरबार साहिब आ सकेंगे। इस समझौते के तहत भारत से प्रतिदिन पांच हजार तीर्थयात्री यहां आ सकेंगे। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने अनुसार पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने भारत से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तीन प्रवेश द्वार बनाए हैं। वहीं लौटने के लिए एक निर्दिष्ट मार्ग होगा।

रिपोर्ट के अनुसार संघीय जांच एजंसी (एफआइए) भारतीय सीमा बल को श्रद्धालुओं की यात्रा के 10 दिन पहले मंजूर की गई सूची सौंपेगी। इन तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा दरबार साहिब ले जाए जाने से पहले इनका पासपोर्ट स्कैन किया जाएगा। यदि किसी श्रद्धालु का पासपोर्ट काली सूची में पाया गया तो उसे आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार गलियारे में यात्रा के संचालन के लिए पाकिस्तान गृह मंत्रालय ने दो सहायक निदेशक और एक उपनिदेशक सहित 169 निरीक्षक, उपनिरीक्षक, कॉस्टेबल और महिला कॉस्टेबल नियुक्त किए हैं।

इसमें कहा गया है कि पाकिस्तानी रेंजर जीरो प्वाइंट पर पहुंचने के बाद प्रत्येक तीर्थयात्री से से 20 डॉलर लेंगे। मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 80 आव्रजन काउंटर बनाने के अलावा तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए दरबार साहिब से चार किलोमीटर दूर जीरो प्वाइंट पर आव्रजन कक्ष बनाया गया है। गुरुद्वारा दरबार साहिब में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर गुरुद्वारे का उद्घाटन करेंगे।

पाक में टीवी एंकरों के राय देने पर रोक लगी

इस्लामाबाद, 28 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक ने 'टॉक शो' के दौरान टीवी एंकरों के राय देने पर रोक लगा दी है और उनकी भूमिका महज 'संचालन' करने तक सीमित कर दी है। सोमवार को मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

डॉन अखबार की खबर के मुताबिक रविवार को जारी किए गए आदेश में पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटर अथॉरिटी (पीईएमआरए) ने नियमित शो करने वाले एंकरों को निर्देश दिया कि वे अपने या दूसरे चैनलों के टॉक शो में विशेषज्ञ की तरह पेश न हों। पीईएमआरए की आचार संहिता के मुताबिक एंकर की भूमिका कार्यक्रम का संचालन निष्पक्ष, तटस्थ और बिना भेदभाव के करने की है और उन्हें किसी मुद्दे पर व्यक्तिगत राय, पूर्वाग्रहों या फैसला देने से खुद को मुक्त रखना है। खबर में आदेश का हवाला देते हुए कहा गया, 'इसलिए, नियमित रूप से खास शो का संचालन करने वाले एंकरों को अपने या किसी दूसरे चैनल के टॉक शो में बतौर विषय विशेषज्ञ पेश नहीं होना चाहिए।' नियामक निकाय ने मीडिया घरानों को निर्देश दिया कि वे टॉक शो के लिए मेहमानों का चयन बेहद सतर्कता से करें और ऐसा करने के दौरान उस खास विषय पर उनके ज्ञान और विशेषज्ञता को भी ध्यान में रखें। इस्लामाबाद हाईकोर्ट द्वारा 26 अक्तूबर को दिए गए आदेश के बाद सभी सैटेलाइट टीवी चैनलों को यह आदेश जारी किया गया। अदालत ने शहबाज शरीफ बनाम सरकार के मामले में विभिन्न टीवी टॉक शो पर संज्ञान लिया, जहां एंकरों ने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए न्यायपालिका और उसके फैसलों की छवि दुर्भावनापूर्ण मंशा से धूमिल करने की कोशिश की। इसमें कहा गया, 'अदालत ने ऐसे उल्लंघनों पर पीईएमआरए द्वारा की गई कार्रवाई और सजा पर रिपोर्ट मांगी।' पीईएमआरए ने कहा कि हाईकोर्ट ने इस बात पर भी संज्ञान लिया कि कुछ एंकर/पत्रकारों ने 25 अक्तूबर को कुछ टीवी चैनलों पर कयासों के आधार पर चर्चा की और आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को 26 अक्तूबर को जमानत देने के संदर्भ में कथित डील हुई है। इसमें कहा गया, 'ऐसा माना गया कि यह माननीय हाई कोर्ट की छवि और अक्षुण्णता को धूमिल करने और उनके फैसले को विवादित करने का प्रयास है।' इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में 26 अक्तूबर को मंगलवार को जमानत दे दी थी। शरीफ इस मामले में सात साल कैद की सजा काट रहे थे।

एबीएम इण्टरनेशनल लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 10/60, इण्डस्ट्रियल एरिया, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015
दूरभाष : 25927878, 25927699, 41426055
ई-मेल : vkgandhi@abmintl.in, वेबसाइट : www.abmintl.in
सीआईएन : L51909DL1983PLC015585

बोर्ड की बैठक की सूचना

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 47 के अनुसार अन्य बातों के साथ-साथ 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही हेतु कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार करने हेतु कम्पनी के निदेशक मण्डल की एक बैठक 9 नवम्बर, 2019 को 11.30 बजे प्रातः कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय 10/60, इण्डस्ट्रियल एरिया, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015 पर आयोजित की जायेगी।

इस सूचना की एक प्रति कम्पनी की वेबसाइट www.abmintl.in पर तथा स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.nseindia.com पर उपलब्ध है। कम्पनी की प्रतिभूतियों में संव्यवहार करने हेतु कम्पनी की आचार संहिता के अनुसार व्यापार खिड़की 11 नवम्बर, 2019 तक बन्द रहेगी।

कृते एबीएम इण्टरनेशनल लिमिटेड
ह./-
(वीरेन्द्र कुमार गांधी)
प्रबन्ध निदेशक
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.10.2019

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
(भारत सरकार का उपक्रम)
एसएसआई गुड़गाँव शाखा
एससीओ-13, हुडा कॉमर्सियल कॉम्प्लैक्स, सेक्टर-14, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
टेलीफोन: 0124-2333505, ई-मेल: ssigurgaon@unionbankofindia.com

कब्जा सूचना

परिशिष्ट-IV [देखें नियम 8(1)]

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के 54 के अंतर्गत, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एससीओ-13, हुडा कॉमर्सियल कॉम्प्लैक्स, सेक्टर-14, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना संदर्भ सं. एसएमईजी/19-20 तिथि 13.6.2019 के माध्यम से जारी कर ऋणधारक मै. एबी एग्रिटेक एग्रो मशीनरी प्रा.लि. को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 3,06,05,188.83 (रुपये तीन करोड़ छः लाख पाँच हजार एक सौ अठासी एवं पैसे तिड़ासी मात्र) के साथ ब्याज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक, इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 23 अक्टूबर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 3,06,05,188.83 (रुपये तीन करोड़ छः लाख पाँच हजार एक सौ अठासी एवं पैसे तिड़ासी मात्र) के साथ ब्याज के लिये यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

मकान सं. 204, सेक्टर 17, गुरुग्राम, हरियाणा में शामिल सम्पत्ति क सभी भाग तथा हिस्सा।

तिथि: 23.10.2019 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: गुरुग्राम — यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

COURT NOTICE
In the court of Sh. Devnoor Singh JMIC Ludhiana
CNR NO. PBLD03-070580-2018
PESHI : 27-11-2019
PUBLICATION NOTICE FOR PROCLAMATION UNDER SECTION 82 CR.PC
M/S RAJINDRA SALES CORPORATION
V/S
M/S SOCIAL CYCLE STORES
Compaint R/w sec -138 of N.I.ACT
Notice to : 1. M/S SOCIAL CYCLE STORES, OPPOSITE CITY POLICE STATAION, CHANDRAPUR MAHARASHTRA, THROUGH ITS PROP/ AUTH SIGNATORY EJAZ SHEIKH 2. EJAZ SHEIKH PROP. / AUTH SIGNATORY M/S SOCIAL CYCLE STORES, OPPOSITE CITY POLICE STATION, CHANDRAPUR MAHARASHTRA
whereas it has been proved to the satisfaction of the court that, you, thje accused named cannot be served in the irdinary way of service in the ordinary way of service. Hence, this proclamation under section 82 CRPC is hereby issued against you with a direction that you shouls appear before the court on 27-11-2019 at 10.00 a.m. Or within 30 days from the date of publication of this proclamation. Take notice that, in default of your part to appear as directed above, the above said case will be heard and determined as per law, in your absence. Given under my hand and the seal of the court, this 16-10-2019 FOR DETAILS LOGIN TO https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=ludhiana
JMIC LUDHIANA

एन एच पी सी लिमिटेड NHPC
(भारत सरकार का उद्यम)
(CIN: L40101HR1975GOI032564)
पंजी. कार्या.: एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सैक्टर-33, फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)
ई-मेल: companysecretary@nhpc.nic.in
टेलीफैक्स: 0129-2278018 वेबसाइट: www.nhpcindia.com

सूचना

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 47 के साथ पठित विनियम 29 के अनुसरण में एतद्द्वार सूचना दी जाती है कि एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक सोमवार, 11 नवम्बर, 2019 को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के लिये और अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों (एकल व समेकित) पर विचार और अनुमोदन करने का निर्णय लिया जाएगा। उपरोक्त बैठक का विवरण कंपनी की वेबसाइट www.nhpcindia.com और शेयर बाजारों की वेबसाइट www.nseindia.com और www.bseindia.com. पर भी उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, सेबी (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) (संशोधन) विनियम, 2018 के अनुसरण में पदनामित व्यक्तियों द्वारा कंपनी की प्रतिभूतियों में व्यवहार के लिए इन्साइडर्स ट्रेडिंग विंडो मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2019 से बुधवार, 13 नवम्बर, 2019 तक (दोनों दिन शामिल) बंद रहेगी।

जिन सदस्यों ने अब तक अपने ई-मेल पते पंजीकृत नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे संबंधित डिपाजिटरी पार्टिसिपेंट / रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट के पास अपने ई-मेल पते रजिस्टर करें।

एनएचपीसी लिमिटेड के लिए एवं उसकी ओर से
हस्ता/-
स्थानः फरीदाबाद — (विजय गुप्ता)
दिनांकः 24.10.2019 — कम्पनी सचिव

फार्म आईएनसी-26
[कंपनी (निगमन) विनियम, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में]
समक्ष केंद्र सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली
कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) तथा कंपनी (निगमन) विनियम, 2014 के नियम 30(5)(अ) के मामले में
- तथा -
एसवीडी मेटल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
CIN : 27310DL2006PTC154624 जिसका पंजीकृत कार्यालय : घर सं. 67, गुरुद्वारा के पीछे, सुल्तानपुर कालोनी, नई दिल्ली -110030 में स्थित है, के मामले में
...आवेदक
सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि 30.09.2019 को आयोजित वार्षिक आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन के पुष्टिकरण हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) के तहत कंपनी केंद्र सरकार को एक आवेदन दाखिल करेगी ताकि कंपनी को अपने पंजीकृत कार्यालय का स्थानांतरण "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से हरियाणा राज्य" में करने का अधिकार प्राप्त हो जाए।
यदि किसी व्यक्ति का हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से प्रभावित हो, तो वह हलफनामे में विरोध के आधार व प्रभावित होने वाले अपने/अपनी हित की प्रकृति का जिक्र कर अपने/अपनी आपत्ति इस सूचना की प्रकाशन तिथि से तीस दिनों के भीतर निवेशक शिकायत फार्म भरकर एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर प्रेषित करें अथवा क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, द्वितीय तल, अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, दिल्ली- 110003 को दाखिल करें अथवा पंजीकृत डाक से उनके पास पहुंच जाए, तथा उसकी एक प्रति आवेदक कंपनी को भी उसके उपर्युक्त उल्लिखित पते पर पंजीकृत कार्यालय में भिजवाएं।
वास्ते तथा आवेदक की ओर से
एसवीडी मेटल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
हस्ता.-(दिलीप कुमार राय)
निदेशक
दिनांक : 30.09.2019
स्थान : नई दिल्ली
DIN : 08236635

सार्वजनिक सूचना
प्रपत्र सं. आइएनसी-26
[कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में]
कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय एक राज्य से दूसरे राज्य में अंतरित करने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन
क्षेत्रिय निदेशक, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003, नई दिल्ली से पहले कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(6) के मामले में
और
संचेतना फाइनांसियल सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत गठित एक कम्पनी जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय : 3 नं. 3 टाइम एस-2, सेक्टर-1, लैंडमार्क सीएसी नं. 05 अवन्तिका, रोहिणी, नई दिल्ली डीएल -110085 में स्थित है के मामले में
.....याचिकाकर्ता
आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि यह कंपनी केन्द्रीय सरकार के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अधीन आवेदन फाइल का प्रस्ताव करती है जिसमें कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "उत्तर प्रदेश राज्य" में स्थानांतरित करने के लिए तारीख 25 अक्टूबर, 2019 को आयोजित असाधारण साधारण अधिवेशन में पारित विशेष संकल्प के संदर्भ में कंपनी के संगम ज्ञापन में संशोधन की पुष्टि की मांग की गई है।
कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता है तो वह व्यक्ति या तो **निवेशक शिकायत प्ररुप फाइल कर एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) में शिकयत दर्ज कर सकता है** या एक शपथ पत्र जिसमें उनके हित का प्रकार और उसके विरोध का कारण उल्लिखित हो के साथ अपनी आपत्ति प्रादेशिक निदेशक को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनो के भीतर बी-2 विंग, द्वितीय तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003 पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकता है या सुपुर्द कर सकते है और इसकी प्रति आवेदक कंपनी को उनके निम्नलिखित रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते पर भी भेजेगा :
उनके लिए और उनकी ओर से
संचेतना फाइनांसियल सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता./- विनोद कुमार राय, डीआईएन : 00789161, निदेशक
हस्ता./- गौरव कुमार राय, डीआईएन : 08273497, निदेशक
तिथि : 28 अक्टूबर, 2019
स्थान : नई दिल्ली

कर्नाटका बैंक लिमिटेड
सम्पूर्ण भारत में, आपका पारिवारिक बैंक
मुख्य कार्यालय: मंगलूरु-575 002 CIN : L85110KA1924PLC001128
पी.बी. नं. 599, महाबीरा सर्किल, कंकंणाडी, मंग्लुरू-575002
फोनः 0824-2228488/104, ई-मेलः legal.recovery@ktkbank.com

लीगल एवं रिकवरी विभाग

1. मै. 5 कोर एकॉस्टिक्स प्रा.लि., प्रतिनिधित्व द्वारा उसके निदेशकों i. श्री अमरजीत सिंह कालरा पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कालरा ii. श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा पत्नी श्री अमरजीत सिंह कालरा पंजी. कार्यालयः डब्ल्यूजेड-15बी, उग्रसेन मार्केट, अशोक नगर, नई दिल्ली-110018 साथ हीः 1सी-828, रिको इंडस्ट्रियल एरिया फेज-II, भिवाडी, अलवर जिला, राजस्थान-301019	2. श्री अमरजीत सिंह कालरा पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कालरा 3. श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा पत्नी श्री अमरजीत सिंह कालरा दोनों 2 एवं 3 निवासीः सी-130, मानसरोवर गार्डन, दिल्ली-110015

महोदय/महोदया

i) रु. 200.00 लाख के लिये पीएस-ओवर ड्राफ्ट खाता नं. 5427000600001301 तिथि 15.7.2017 (नवीकरण); ii) रु. 1500.00 लाख के लिये पोस्ट शिपमेन्ट क्रेडिट तिथि 15.7.2017 (नवीकरण), iii) रु. 1000.00 लाख के लिये प्री-शिपमेन्ट क्रेडिट तिथि 15.7.2017 (नवीकरण), रु. 32.00 लाख के लिये अग्रगामी क्रेडिट के लिये क्रेडिट लाइन तिथि 15.7.2017 (नवीकरण) उक्त सभी सुविधाऐं मै. 5 कोर एकॉस्टिम्स प्रा.लि., (प्रतिनिधित्व द्वारा उसके निदेशकों आप सं. 2) श्री अमरजीत सिंह कालरा, आप सं. 3) श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा जो ऋणधारक हैं तथा आप सं. 2) श्री अमरजीत सिंह कालरा, आप सं. 3) श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा जो सह-देनदार/गारन्टर द्वारा प्राप्त की गई जिसे 29.4.2019 को गैर प्रचालन परिसम्पत्ति वर्गीकृत किया गया है तथा संबंधित पार्टियों को 22.7.2019 को बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) एवं (3) के अंतर्गत विस्तृत मांग सूचना जारी कर सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई शुरु की गई है। ऊपर वर्णित पते पर अभिस्वीकृति के साथ स्पीड पोस्ट से भेजी गई उक्त मांग सूचना अन्डेलिवर्ड वापस लौट आई है। अतएव, सरफैसी अधिनियम, 2002 में निर्दिष्ट प्रक्रियाओं का अनुसरण कर हम इस सूचना के द्वारा मांग सूचना का विषय-वस्तु प्रकाशित कर रहे हैं। पीएस ओवरड्राफ्ट खाता नं. 5427000600001301 में 23.7.2019 को रु. 233.15 लाख के साथ 1.7.2017 से मासिक रूप से मिश्रित 12.95% की दर पर आगे का ब्याज बकाया है तथा पोस्ट शिपमेन्ट तथा प्री शिपमेन्ट क्रेडिट लाइन में 1.7.2019 से मासिक दर से मिश्रित 12.95% की दर से आगे के ब्याज के साथ रु. 2462.32 लाख की कुल राशि बकाया है। आपको निर्देश दिया जाता है कि इस पत्र प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर उसका भुगतान करें।

गिरवी सम्पत्ति का विवरण

फेज-1, रोड नं. 19, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाडी, राजस्थान में स्थित बिल्डिंग (जीएफ+एफएफ) माप 3959.89 वर्ग मी. पर निर्मित के साथ औद्योगिक सम्पत्ति माप 7900 वर्ग मी. की औद्योगिक सम्पत्ति प्लॉट नं. सी-828 का सभी भाग तथा हिस्सा।

कृपया ध्यान रहे कि मैं, प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक का प्राधिकृत अधिकारी इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों की समाप्ति पर या उससे पूर्व आपके द्वारा सम्पूर्ण देयताओं के निष्पादन में विफल होने की स्थिति में उपरोक्त प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को प्रवर्त्तित करने के लिये इच्छुक हूँ।

स्थानः मंग्लुरू
तिथिः 24.10.2019 — मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी, कर्णाटका बैंक लि.

एअर इंडिया के लिए एफडीआइ नियमों में ढील पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआइआइटी) और नागर विमानन मंत्रालय राष्ट्रीय विमानन कंपनी एअर इंडिया के लिए खरीदारों को आकर्षित करने के लिए इस क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) नियमों में ढील देने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

सरकार लंबे समय से कर्ज के बोझ तले दबी एअरलाइन को बेचने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसके लिए खरीदार नहीं मिल रहे हैं। अब सरकार ने अगले महीने एअर इंडिया के लिए बोलियां मांगने का फैसला किया है। विमानन क्षेत्र में स्वतः मंजूर मार्ग से रखरखाव, मरम्मत, ओवरहॉल (एमआरओ), ग्राउंड हैंडलिंग और विमान खरीद के लिए सौ फीसद एफडीआइ की अनुमति है। अधिकारी ने कहा कि एअरलाइन के परिचालन में उल्लेखनीय स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण का मुद्दा होता है। ऐसे में हम नागर विमानन मंत्रालय से इस बारे में बातचीत कर रहे हैं कि क्या वे इसे उदार करने की इच्छा रखते हैं।

अधिकारी ने कहा- ऐसा लगता है कि आप सौ फीसद एफडीआइ की अनुमति देते हैं, तो इससे एअर इंडिया की बोली की संभावनाएं बेहतर हो सकेंगी। नागर विमानन मंत्रालय को भी इसकी जानकारी है। हम यह मुद्दा उनके साथ भी उठा रहे हैं। एअरलाइन पर 58,000 करोड़ रुपए का कर्ज का बोझ है। उसका घाटा भी हजारों करोड़ रुपए का है।

एक अंतर-मंत्रालयी समूह की मंगलवार को होने वाली बैठक में अन्य चीजों के अलावा इस मुद्दे पर भी विचार-विमर्श हो सकता है। अंतर-मंत्रालयी समूह की बैठक में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एफडीआइ नीति को और उदार करने पर विचार-विमर्श होगा। अधिकारी ने कहा कि विभाग उन क्षेत्रों में नियमों को उदार करने पर विचार कर रहा है, जहां अभी स्वतः मंजूर मार्ग से सौ फीसद एफडीआइ की अनुमति नहीं है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश में एफडीआइ का प्रवाह 28 फीसद बढ़कर 16.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

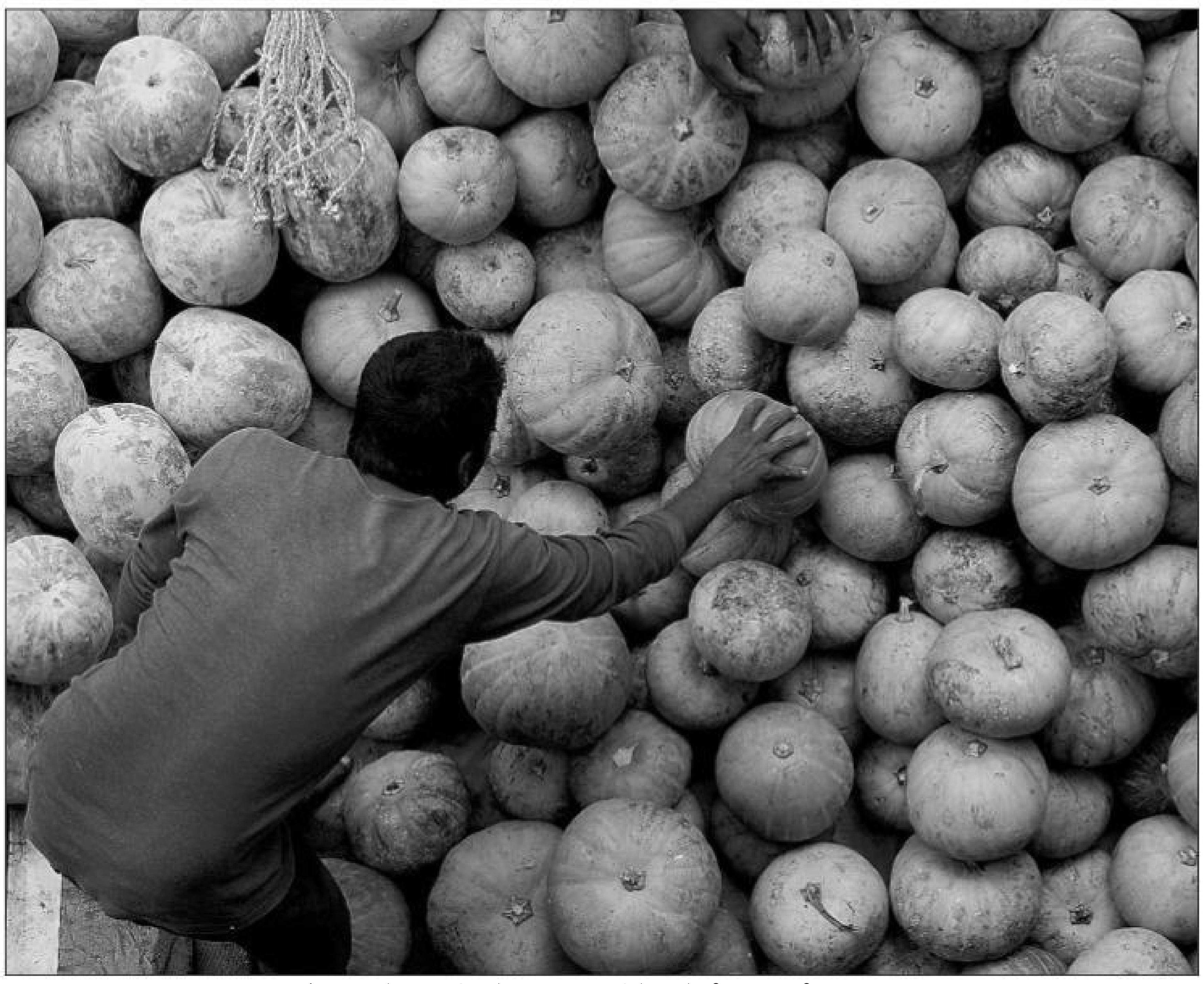

हैदराबाद में सड़क किनारे दुकान लगाए विक्रेता से सीताफल खरीदता ग्राहक।

लक्ष्मी विलास बैंक के प्रमुख पद की दौड़ में 70 बैंक अधिकारी

मुंबई, 28 अक्तूबर (भाषा)।

लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) के मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक के पद की दौड़ में करीब 70 वरिष्ठ बैंक कार्यकारी शामिल हैं।

चेन्नई स्थित इस बैंक में सितंबर के मध्य से प्रमुख का पद खाली है। उस समय बैंक के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी पार्थसारथी मुखर्जी ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही बैंक से विदाई ले ली थी। अगस्त से लक्ष्मी विलास बैंक को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के तहत रखा है। पूंजी 'बफर' के निचले स्तर और गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के ऊंचे स्तर व बढ़ते घाटे की वजह से बैंक को पीसीए के तहत रखा गया है।

मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि हमें मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक के पद के लिए 68 आवेदन मिले हैं। इससे करीब सौ साल पुराने बैंक के प्रति बैंक कार्यकारियों के आकर्षण का पता चलता है। एक सूत्र ने कहा कि निजी क्षेत्र के आइसीआइसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक के वरिष्ठ कार्यकारियों ने एलवीबी के प्रमुख पद के लिए आवेदन किया है।

बैंक प्रमुख पद की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इसके 10 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। यदि भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिल जाती है तो दिसंबर के पहले सप्ताह में बैंक का नया प्रबंधन प्रभार संभाल लेगा।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्तूबर में किया 3,800 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने अक्तूबर में अब तक 3,800 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। सकारात्मक वैश्विक संकेत मिलने और घरेलू मांग बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों से विदेशी निवेशकों का भारतीय पूंजी बाजार की तरफ रुझान बढ़ा है।

डिपोजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी निवेशकों ने अक्तूबर में सप्ताहांत तक इक्विटी में शुद्ध रूप से 3,769.56 करोड़ रुपए और ऋण पत्रों में 58.4 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस प्रकार विदेशी निवेशकों का कुल निवेश महीने के पिछले सप्ताहांत तक 3,827.9 करोड़ रुपए रहा है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशक बाजार में शुद्ध रूप से लिवाल बने हुए हैं। इससे पिछले माह सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इक्विटी और ऋण पत्र दोनों वर्गों में घरेलू पूंजी बाजारों में शुद्ध रूप से 6,557.8 करोड़ रुपए का निवेश किया। सितंबर 2019 से पहले जुलाई और अगस्त दोनों महीनों के दौरान घरेलू बाजारों से विदेशी निवेशकों ने पूंजी की निकासी की थी।

मोर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के वरिष्ठ विश्लेषक व शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि जुलाई और अगस्त माह के दौरान काफी नकारात्मक रुझान देखा गया। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाजार में जबरदस्त बिकवाली निकाली। इसके बाद सितंबर और अक्तूबर में अब तक जो रुख देखा गया है, वह सकारात्मक रुझान की तरफ इशारा करता है। श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू आर्थिक गतिविधियों के पुनरुत्थान के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं, अंततः विदेशी निवेशकों के बीच उन्हें लेकर सकारात्मक रुख बना है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध में सकारात्मक पहल होने से भी विदेशी निवेशकों के बीच जोखिम उठाने का साहस बढ़ा है। इससे भारत सहित दुनिया के उभरते बाजारों में विदेशी निवेश प्रवाह बढ़ने में मदद मिलेगी।

आने वाले दिनों में विदेशी पोटफोलियो निवेशकों का प्रवाह इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन कैसा रहता है और कंपनियों के तिमाही परिणाम कैसे आते हैं। इसके अलावा अमेरिका के फेडरल रिजर्व का मौद्रिक रुख और वैश्विक तरलता परिदृश्य विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के लिहाज से महत्त्वपूर्ण होंगे। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते में होने वाली प्रगति से भी दुनिया के उभरते बाजारों की ओर निवेश प्रवाह में तेजी आने की संभावना है।

कश्मीर में पिछले तीन महीने में दस हजार करोड़ के कारोबार का नुकसान

श्रीनगर, 28 अक्तूबर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाली धारा 370 को निरस्त कर दिए जाने के बाद सुरक्षा कारणों से लगाई गई विभिन्न पाबंदियों के कारण पिछले तीन महीनों के दौरान कश्मीर घाटी में व्यावसायिक समुदाय को 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। एक व्यापारिक संगठन ने यह दावा किया है।

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर में लागू धारा 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निष्प्रभावी कर दिया। उसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से राज्य में कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं। रविवार को इन पाबंदियों को लागू हुए 84 दिन हो गए। इन पाबंदियों के कारण मुख्य बाजार ज्यादातर समय बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी सड़कों से नदारद रहा।

व्यापारिक संगठन, कश्मीर वाणिज्य व उद्योग मंडल के अध्यक्ष शेख आशिक के मुताबिक शहर के लाल चौक इलाके में कुछ दुकानें सुबह के समय और शाम को अंधेरा होते समय खुलती हैं लेकिन मुख्य बाजार बंद हैं। शेख आशिक ने कहा कि कितना नुकसान हुआ है, इसका अनुमान अभी लगाना मुश्किल है क्योंकि स्थिति अभी तक सामान्य नहीं हो पाई है। इस दौरान कारोबारी समुदाय को गंभीर झटका लगा है और उसका इससे उबरना मुश्किल लगता है।

आशिक ने कहा कि कश्मीर क्षेत्र में अब तक कुल कारोबारी नुकसान 10,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुका है और सभी क्षेत्रों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। करीब तीन माह होने को हैं और मौजूदा स्थिति को देखते हुए लोग अभी भी कारोबार नहीं कर रहे हैं। हाल के हफ्तों में कुछ बाजार खुले और कारोबार शुरू किया गया। लेकिन हमारे पास उपलब्ध सूचना के मुताबिक कामकाज काफी सुस्त रहा। उन्होंने कारोबारी नुकसान के लिए इंटरनेट सेवाओं का निलंबित रहना मुख्य वजह बताई। उन्होंने कहा कि आज के समय में किसी भी कारोबार के लिए इंटरनेट सेवाओं का होना जरूरी है। इसके बिना काम करना मुश्किल है। हमने इस बारे में राज्यपाल प्रशासन को अवगत करा दिया है। उन्हें बता दिया गया है कि कश्मीर में काम-धंधे को नुकसान होगा और अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ जाएगी। आने वाले समय में इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि हम हस्तशिल्प क्षेत्र की बात करें तो इससे जुड़े लोगों को जुलाई- अगस्त में आर्डर मिलते हैं। उन्हें क्रिसमस त्योहार यानी नए साल के आसपास ये आर्डर पूरे करने होते हैं। ये दस्तकार कब अपने आर्डर पूरे कर पाएंगे? यह काम तभी हो पाएगा, जब उन्हें कन्नेक्टीविटी मिलेगी। इसके अभाव में 50 हजार के करीब बुनकरों और दस्तकारों को रोजगार का नुकसान हुआ है।

कार्यालयः रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली
4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. नं. 459/2018

बिक्री उद्घोषणा

बैंक ऑफ बड़ौदा बनाम श्री विशाल गौतम

ऋणों की वसूली तथा दिवालिया अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 52(2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा नीलामी बिक्री वेबसाईट https://drt.auctiontiger.net के माध्यम से ऑन लाइन ई-नीलामी द्वारा होगी।

नीलामी की तिथि एवं समयः 30.11.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 12.00 बजे दोपहर तक

बोली जमा करने की अंतिम तिथिः 28.11.2019 के 5.00 बजे अप. से पूर्व (यदि जरूरी हो, 12 बजे दोपहर के बाद 5 मिनट के विस्तार के साथ।)

सम्पत्ति का विवरण

गिरवी सम्पत्ति अर्थात् अपार्टमेन्ट/फ्लैट नं. 503, माप 1475 वर्ग फीट, 15वां तल, दिव्यांश फ्लोरा, प्लॉट नं. जीसी-03, एच-जीएच-03, सेक्टर 16-सी, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुध नगर (उ.प्र.); आरक्षित मूल्यः रु. 43,00000/- (रुपये तैंतालिस लाख मात्र); धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी): रु. 4,30,000/- (रुपये चार लाख तीस हजार मात्र)

नियम एवं शर्तें

1. नीलामी बिक्री वेबसाईट पोर्टलः https://drt.auctiontiger.net पर "ऑन लाईन ई-नीलामी" होगी।
2. ईएमडी का भुगतान रिकवरी अधिकारी-1, डीआरटी-II, दिल्ली आर.सी. नं. 459/2018 के पक्ष में डीडी/पेआर्डर द्वारा किया जाएगा। उक्त डिमाड ड्राफ्ट/ पे आर्डर के द्वारा भुगतान के मूल प्रमाण पत्र, ईएमडी सहित पहचान के स्व- सत्यापित प्रमाण (वोटर आई-कार्ड/ ड्राइविंग लाइसेंस/ पासपोर्ट) जिसमें भविष्य में पत्राचार का पता शामिल हो तथा पैन कार्ड की स्वतः सत्यापित प्रति अधिकतम 28.11.2019 के 5.00 बजे अप. तक रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए। व्यक्तिगत मामले में उनके/उनके प्रधान की ओर से उद्घोषणा जमा की जायेगी बाद के मामले में बोलीदाता को अपना प्राधिकार जमा करना होगा जिसमें चूक करने पर बोली निरस्त कर दी जाएगी। उसके बाद प्राप्त ईएमडी अथवा ईएमडी के मूल प्रमाण को स्वीकार नहीं किया जायेगा।
3. ईएमडी या ईएमडी के एनईएफटी/ आरटीजीएस द्वारा जमा की गई मूल प्रमाण तथा प्रेषक के विवरणों जैसे पते, ई-मेल आईडी तथा मोबाईल नंबर आदि से युक्त लिफाफे के ऊपर 'आरसी नं. 459/2018' शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
4. संपत्ति की बिक्री "**जैसा है जहां है आधार**" पर की जा रही है।
5. बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल https://drt.auctiontiger.net देखें एवं/ अथवा श्री एस.पी. सिंह, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एलजीएफ, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 (अब, इस पते पर स्थानांतरित, पूर्व का पता थाः राजेन्द्र भवन, 4 था तल, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110018) मोबाईल नं. 8929031261 से सम्पर्क करें।
6. संभावित बोलीदाता को पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा तथा अग्रिम में लॉगिन आईडी तथा पास्वर्ड प्राप्त करना होगा जो मै. ई-प्रॉक्योर्मेंट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि., ए-201/208, वाल स्ट्रीट-II, ऑरिएन्ट क्लब के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, टेलिफोन नम्बर, 079-40230808/807/831/833/813-820, ईमेलः support@auctiontiger.com, सम्पर्क व्यक्तिः श्री कुशल कोठारी, मोबाईल नं. 9978591888/08980690773, ई-मेल आईडीः kushal@auctiontiger.net श्री नितीश झा, सम्पर्क नं. 7982880393, ई-मेलः delhi@auctiontiger.net तथा सपोर्ट लैंड लाइन नं. 079-40230833/41072508 तथा श्री राम शर्मा, सम्पर्क नं. 06351896834 से प्राप्त करना उक्त नीलामी में भाग लेने के लिये अनिवार्य है।
7. इच्छुक बोलीदाता मै. ई-प्रॉक्योर्मेंट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि., ए-201/208, वाल स्ट्रीट-II, ऑरिएन्ट क्लब के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006, टेलीफोन नम्बर, 079-40230808/807/831/833/813-820, ईमेलः support@auctiontiger.com, सम्पर्क व्यक्तिः श्री कुशल कोठारी, मोबाईल नं. 9978591888/08980690773, ई-मेल आईडीः kushal@auctiontiger.net श्री नितीश झा, सम्पर्क नं. 7982880393, ई-मेलः delhi@auctiontiger.net तथा सपोर्ट लैंड लाइन नं. 079-40230833/41072508 तथा श्री राम शर्मा, सम्पर्क नं. 06351896834 से ई-नीलामी पर ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
8. सम्भावित क्रेता 11.11.2019 से 16.11.2019 तक 10.30 पूर्वा. से 4.00 बजे अप. के बीच सम्पत्ति का निरीक्षण कर सकते हैं।
9. केवल ऐसे बोलीदाता ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने के लिए अधिकृत होंगे जिनके पास वैद्य यूजर आईडी एवं पास्वर्ड तथा डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर या एनईएफटी/ आरटीजीएस के माध्यम से ईएमडी के भुगतान का निश्चित प्रमाण होगा।
10. जो इच्छुक बोलीदाता 28.11.2019 के 5.00 बजे अप. तक रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में आरक्षित मूल्य से ऊपर अपना प्रस्ताव जमा करते हैं वे ई-नीलामी में भाग लेने के योग्य होंगे जो 30.11.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 12 बजे दोपहर के बीच आयोजित की जाएगी। यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो अंतिम समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगी।
11. बोलीदाता रु. 100000/- (रुपए एक लाख मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।
12. असफल बोलीदाता ई-नीलामी के तत्काल बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली, सीएच, बैंक अर्थात् बैंक ऑफ बड़ौदा से प्रत्यक्ष रूप से अपना ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
13. सफल/ उच्चतम बोलीदाता को ई-नीलामी की समाप्ति के तत्काल बाद धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद 24 घंटे के भीतर रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता आरसी नं.459/2018 के पक्ष में 25% का डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे अगले बैंक कार्य दिवस के 4.00 बजे अप. तक इस अधिकरण में जमा करना होगा।
14. सफल/उच्चतम बोलीदाता को रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II दिल्ली, खाता आर.सी. नं. 459/2018 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर द्वारा तथा संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15 वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वाँ दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को 1000/- तक 2% तथा उससे अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से रजिस्ट्रार, डीआरटी-II, दिल्ली के पक्ष में पाउंडेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी- I, डीआरटी-II, दिल्ली के पक्ष में देय शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे के डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता को उस राशि अथवा जिसके लिए बाद में उसकी बिक्री की जाएगी, के प्रति दावे करने के सभी अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।
15. अधोहस्ताक्षरी को उसका कोई भी कारण बताए बिना यदि अस्वीकार होता है तो किसी या सभी बोलियों को स्वीकार अथवा निरस्त करने तथा किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार हैं तथा इस संदर्भ में उनका निर्णय अंतिम तथा मान्य होगा।

संपत्ति की अनुसूची

बिक्री की जाने वाली संपत्ति का विवरण	संपत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्व	ऐसे किसी अधिभारों का विवरण जो संपत्ति पर देय है	दावे यदि कोई हो जिसे संपत्ति पर रखा गया हो तथा अन्य कोई ज्ञात विवरण जिसमें इसकी प्रकृत्ति एवं मूल्य हो
1. गिरवी रखी गई सम्पत्ति अर्थात् अपार्टमेन्ट/फ्लैट नं. सी-1503, माप 1475 वर्ग फीट, 15वां तल, दिव्यांश फ्लोरा, प्लॉट नं. जीसी-03, एच/जीएच-03, सेक्टर-16 सी, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुध नगर, उ.प्र.	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं

मेरे हाथ से तथा अधिकरण की मुहर लगाकर 16.10.2019 को दी गई।

(शिव कुमार)
रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली

बाजार में संवत वर्ष 2076 की अच्छी शुरुआत, सूचकांक 192 अंक चढ़ा

मुंबई, 28 अक्तूबर (भाषा)।

बीएसई और एनएसई सोमवार 28 अक्तूबर को 'दिवाली बलीप्रतिपदा' के मौके पर में बंद रहा। इससे एक दिन पहले रविवार को देश के शेयर बाजारों में नए संवत वर्ष 2076 की शुरुआत अच्छी रही। एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार में निवेशकों की खरीदारी अच्छी रही जिससे बंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक 192 अंक चढ़कर 39,250.20 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 11,600 अंक से ऊपर रहा।

दीपावली के अवसर पर शेयर बाजार में हर साल विशेष मुहूर्त कारोबार होता है। इसी दिन नये संवत वर्ष की भी शुरुआत होती है। रविवार को संवत वर्ष 2076 की शुरुआत के मौके पर एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित बंबई शेयर बाजार का सूचकांक मजबूती के साथ 39,397.37 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान और बढ़कर 39,402.23 अंक तक चढ़ा।

निवेशकों का वाहन कंपनियों, सूचना प्रौद्योगिकी और बैंकों के शेयरों में लिवाली का जोर रहा। कारोबार के दौरान बाजार के उच्चस्तर पर मुनाफा वसूली से सूचकांक कारोबार समाप्ति के समय कुछ नीचे आ गया। फिर भी यह पिछले दिन के मुकाबले 192.14 अंक यानी 0.49 फीसद ऊंचा रहकर 39,250.20 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 43.25 अंक यानी 0.37 फीसद बढ़कर 11,627.15 अंक पर बंद हुआ।

सूचकांक में शामिल शेयरों में से टाटा मोटर्स, येस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, वेदांता, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयरों में अच्छा उछाल दर्ज किया गया। दूसरी तरफ मारुति लिमिटेड, भारती एअरटेल, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयर मूल्य में 0.78 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई। शेयर ब्रोकरों ने कहा कि संवर्त वर्ष 2076 की शुरुआत के मौके पर निवेशकों में उत्साह रहा। खरीदारी का जोर रहने से एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार में तेजी का रुख रहा।

दूरसंचार और टिकाऊ उपभोक्ता सामानों को छोड़कर दूसरे क्षेत्रों के समूह सूचकांक में तेजी रही। पिछले संवत वर्ष 2075 में पूरे वर्ष के दौरान बीएसई सूचकांक 4,066.15 अंक यानी 11.62 फीसद चढ़ा है जबकि निफ्टी सूचकांक 1,053.90 अंक यानी 10 फीसद चढ़ा है।

एसोचेम जम्मू में नए उद्यमियों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगा

जम्मू, 28 अक्तूबर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर में उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संगठन एसोचेम बुधवार को यहां एक कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इसमें नए उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्र विशेष के विशेषज्ञों से मिलाया जाएगा, जहां उनका उचित मार्गदर्शन हो सकेगा।

एसोचेम के यहां जारी एक बयान के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन जम्मू विश्वविद्यालय में 30 अक्तूबर को होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में नए स्टार्टअप तैयार करना और उन्हें उनके क्षेत्र में सफल उद्यमी बनाने के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा। एसोचेम ने इस कार्यक्रम का नाम 'एसोचेम लांचपैड- स्टार्टअप एलेवेटर पिच' शृंखला रखा है। यह कार्यक्रम देशभर में 12 शहरों में आयोजित किया जा रहा है जिसमें नए बढ़ने वाले उद्यमियों को एक मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि इस पहल के तहत एसोचेम छोटे और मझोले श्रेणी के शहरों के स्टार्टअप उद्यमियों को संबंधित उद्योगों के विशेषज्ञों से मुलाकात कराएगा जो उन्हें जरूरी सुझाव और सलाह दें। यह सलाह उनके कारोबार, उत्पाद व विपणन के क्षेत्र में दी जा सकती है। उन्हें वित्त पोषण प्रक्रिया के बारे में सही लोगों से संपर्क में लाने का काम भी इसमें किया जाएगा।

एसोचेम की स्टार्टअप पर गठित राष्ट्रीय परिषद के चेयरमैन अनिल खेतान ने कहा कि जम्मू के स्टार्टअप उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों के साथ संपर्क में आने के लिए एसोचेम के इस मंच का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस मंच के जरिए वह अपने लिए कारोबार बढ़ाने और वित्त पोषण के अवसर भी पैदा कर सकते हैं।

बयान में कहा गया है कि कार्यक्रम में स्टार्टअप को जूरी सदस्यों के समक्ष अपने उत्पाद और सेवा के बारे में बताने के लिए पांच मिनट का समय दिया जाएगा। बिल्कुल नए स्टार्टअप से लेकर दो साल पुराने स्टार्टअप और तीन से पांच साल के कार्यकाल वाले स्थापित स्टार्टअप को कार्यक्रम में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें शीर्ष तीन विजेताओं को फरवरी 2020 में दिल्ली में होने वाले फाइनल में आमंत्रित किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा संहिता का ताजा मसविदा निराशाजनक : भारतीय मजदूर संघ

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के ताजा मसौदे को खारिज कर दिया है। श्रमिक संगठन ने सोमवार को कहा कि यह देश में कर्मचारियों के लिए पूरी तरह निराशाजनक है। श्रम व रोजगार मंत्रालय ने संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया जानने के लिए हाल में सामाजिक सुरक्षा संहिता पर मसौदा जारी किया है।

बीएमएस ने सोमवार को मंत्रालय को सौंपे अपने जवाब में कहा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता 2019 पर चौथा मसौदा कर्मचारियों के लिए पूरी तरह निराशाजनक है। यूनियन के बयान के अनुसार मसौदे में विभिन्न लाभों के लिए अलग-अलग सीमाओं के मौजूदा आठ सामाजिक सुरक्षा कानून के कमजोर पुराने प्रावधानों को ही इधर-उधर कर के जोड़ा गया है। इसमें हर लाभ के लिए अलग-अलग न्यूनतम सीमाएं लागू की गई हैं। यह मौजूदा रूप श्रम कानूनों को संहिताबद्ध करने के लक्ष्य के विपरीत है।

इसमें कहा गया है कि मजदूरी संहिता के विपरीत यह सार्वभौमिक नहीं है। यानी इसका लक्ष्य यह नहीं है कि अंतिम छोर पर खड़ा कर्मचारी सभी लाभों से लाभान्वित हो। यह विशेषाधिकार प्राप्त कर्मचारियों, श्रमिकों और मजदूरी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के बीच विभिन्न लाभों को लेकर भेद करता है। बीएमएस ने कहा कि संहिता के पहले मसौदे में अधिक लाभ वाला प्रावधान शामिल था। उसमें सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, कर्मचारियों को करीब 14 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, प्रधानमंत्री द्वारा केंद्रीय शीर्ष परिषद का गठन, वेतन न्यूनतम मजदूरी से कम नहीं होना, सेवानिवृत्ति के बाद लाभ जारी रहना, ग्रेच्युटी के लिए अलग प्रावधान समेत अन्य प्रावधान शामिल हैं। ट्रेड यूनियन के अनुसार ये सभी लाभ के प्रावधान नई संहिता में नदारद हैं। यूनियन ने मांग की है कि ग्रेच्युटी के लिए पात्रता को पांच साल से कम कर एक साल किया जाना चाहिए क्योंकि कई संगठित क्षेत्रों में 80 फीसद तक कर्मचारी ठेके पर काम कर रहे हैं।

> बीएमएस ने कहा- संहिता के पहले मसौदे में सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, कर्मचारियों को 14 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, प्रधानमंत्री द्वारा केंद्रीय शीर्ष परिषद का गठन, वेतन न्यूनतम मजदूरी से कम नहीं होना, सेवानिवृत्ति के बाद लाभ जारी रहना, ग्रेच्युटी के लिए अलग प्रावधान समेत अन्य प्रावधान शामिल हैं। ट्रेड यूनियन के अनुसार ये सभी लाभ के प्रावधान नई संहिता में नदारद हैं।

बीएमएस ने कहा कि पूरी कवायद का मकसद ईएसआइ (कर्मचारी राज्य बीमा) का विकल्प छोड़ने और ईपीएस (कर्मचारी पेंशन योजना) के स्थान पर एनपीएस (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) अपनाना शामिल है। दुनिया में कोई ऐसा स्वास्थ्य बीमा नहीं है, जिसकी तुलना लाभ और बिना सरकारी समर्थन के लाभ के संदर्भ में ईएसआइ से की जा सके। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने स्वयं एक अध्ययन में कहा कि कर्मचारियों के लिए एनपीएस के मुकाबले ईपीएस ज्यादा फायदेमंद है।

तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक पर 35 लाख का जुर्माना

मुंबई, 28 अक्तूबर (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक पर 35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक पर यह जुर्माना धोखाधड़ी के वर्गीकरण और उसकी सूचना देने के नियमों के अनुपालन में कमी के लिए लगाया गया है।

केंद्रीय बैंक ने इस बाबत 24 अक्तूबर को एक आदेश किया। केंद्रीय बैंक ने 25 अक्तूबर को एक बयान में कहा कि बैंक पर धोखाधड़ी के वर्गीकरण और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा सार्वजनिक की जाने वाली सूचना पर केंद्रीय बैंक के दिशानिर्देशों और कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

शराब परीक्षण में विफल एअरलाइंस के 13 कर्मचारी निलंबित

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

विभिन्न विमानन कंपनियों और हवाई अड्डों के 13 कर्मचारी 16 सितंबर के बाद से शराब परीक्षण में विफल पाए गए हैं। सभी को तीन माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारी ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इसमें सात कर्मचारी इंडिगो के और एक-एक गोएअर और स्पाइस जेट के हैं।

ऑर्थोडॉक्स धड़े को फिर गिरजाघर से घुसने से रोका, क्षेत्र में तनाव

कोच्चि, 28 अक्तूबर (भाषा)।

केरल के एर्नाकुलम जिले के कोतमंगलम में सोमवार को उस वक्त तनाव फैल गया जब जैकोबाइट धड़े के पादरियों और अनुयायियों ने ऑर्थोडॉक्स धड़े के लोगों को गिरजाघर में प्रवेश करने से रोका और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए उन्हें गिरजाघर का नियंत्रण नहीं लेने दिया। गिरजाघर के सामने जैकोबाइट धड़े के साथ घंटों चले गतिरोध के बाद ऑर्थोडॉक्स धड़े के पादरी और अनुयायी घटनास्थल से चले गए। उन्होंने पुलिस पर सुरक्षा उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया।

जब ऑर्थोडॉक्स धड़े के पादरी गिरजाघर पहुंचे तो जैकोबाइट धड़े के पादरियों और अनुयायियों ने गिरजाघर के द्वार अंदर से बंद कर लिए। उनके पास अदालत का आदेश था जिसमें पुलिस को गिरजाघर में धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए उनके पादरियों को सुरक्षा देने के निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने केरल में एक हजार गिरजाघरों तथा संपत्तियों पर कब्जे का फैसला ऑर्थोडॉक्स धड़े के पक्ष में दिया था जिसका जैकोबाइट धड़े से विवाद चलता रहा है। शीर्ष न्यायालय के आदेश के बावजूद अभी तक आर्थोडॉक्स धड़ा गिरजाघर का नियंत्रण अपने हाथ में नहीं ले पाया है। मुवाट्टुपुझा की एक अदालत ने पुलिस को ऑर्थोडॉक्स धड़े को सुरक्षा मुहैया कराने के निर्देश दिए थे जिसके बाद वे गिरजाघर का नियंत्रण लेने वहां पहुंचे थे।

भारी ड्रामा के बीच जिला प्रशासन ने गिरजाघर में और उसके परिसर में जैकोबाइट धड़े की मौजूदगी को गैरकानूनी घोषित किया और उनसे स्थान छोड़ने का अनुरोध किया।

बहरहाल, जैकोबाइट धड़े के पादरी और अनुयायी गिरजाघर और उसके परिसर में बने हुए हैं जिससे ऑर्थोडॉक्स धड़े के पादरियों को बाहर इंतजार करने के लिए विवश होना पड़ा।

जैकोबाइट धड़े के सैकड़ों लोग गिरजाघर में डेरा डाले हुए हैं जिसे जैकोबाइट गिरजाघर के अनुयायियों का मुख्य तीर्थस्थल माना जाता है। हालात देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस बीच ऑर्थोडॉक्स धड़े का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन किया जाना चाहिए।

अभिवादन जम्मू कश्मीर के राजौरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली पर जवानों का अभिवादन करते हुए।

दलित कार्यकर्ता ने अनुसूचित जाति आयोग का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

एक दलित कार्यकर्ता ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से अपील की है कि वह दो नाबालिग लड़कियों के दुष्कर्म और आत्महत्या के मामले में आरोपियों को मिली रिहाई में दखल देकर उन्हें न्याय दिलाए।

दलित कार्यकर्ता विपिन कृष्णन ने सोमवार को आयोग को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस की ओर से शुरुआती जांच में चूक हुई है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में पुलिस ने आरोपी की मदद करने के लिए जांच को नुकसान पहुंचाया जिसके बाद पलक्कड़ की विशेष पॉक्सो अदालत को आरोपी को रिहा करना पड़ा क्योंकि अभियोजन पक्ष दोष साबित करने में नाकाम रहा।' पलक्कड़ जिले के शेल्वापुरम से ताल्लुक रखने वाली दो लड़कियां फांसी से लटकी हुई क्रमशः 2017 के जनवरी और मार्च में मिली थीं। इन दो लड़कियों की उम्र 11 साल और नौ साल थी।

सीबीआइ जांच की मांग को लेकर केरल विधानसभा में हंगामा

तिरुवनंतपुरम, 28 अक्तूबर (भाषा)।

केरल विधानसभा के 16वें सत्र के पहले दिन सोमवार को विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों ने दो नाबालिग बहनों के यौन उत्पीड़न एवं हत्या के 2017 के मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग को लेकर हंगामा किया और मांग स्वीकार नहीं किए जाने पर सदन से वाकआउट किया।

कांग्रेस सदस्यों ने इस मामले की सीबीआइ से जांच की मांग करते हुए कार्य स्थगन प्रस्ताव दिया था। लेकिन विधानसभाध्यक्ष पी श्रीरामकृष्णन ने इसे स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस नीत यूडीएफ के सदस्य सीबीआइ जांच की मांग करते हुए आसन के समीप आ सके। इसके बाद विधानसभाध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

गौरतलब है कि 25 अक्तूबर को एक पोक्सो अदालत ने पलक्कड जिले की इस घटना के तीन आरोपियों को रिहा करने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री पी विजयन ने कांग्रेस विधायक शफी परमबिल द्वारा पेश प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि सरकार अदालत के आदेश के खिलाफ अपील करेगी।

विजयन ने कहा कि इस मामले में कोई राजनीति नहीं है और हम हमेशा पीड़ितों के साथ हैं। सरकार उन बच्चों को न्याय मुहैया कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार कार्रवाई करेगी और विचार करेगी कि इस मामले की फिर से जांच कराने या सीबीआई जांच करायी जानी चाहिए। उन्होंने सदन को सूचित किया कि इस मामले को देख रहे सब-इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और आसन के समीप आ गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। बाद में विपक्षी नेताओं ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि सरकार आरोपियों को बचा रही है।

उन्होंने कहा कि आरोपियों के वकील को जिला बाल कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

चक्रवाती तूफान 'क्यार' से गुजरात में बेमौसम बरसात का अनुमान

अमदाबाद, 28 अक्तूबर (भाषा)।

अरब सागर पर बने चक्रवाती तूफान 'क्यार' के धीरे-धीरे ओमान सागर की ओर बढ़ने का अनुमान है लेकिन इससे अगले कुछ दिनों में गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश होने का अनुमान है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने सोमवार को राज्य के मछुआरों को खराब मौसम के कारण अगले दो दिनों तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है। आइएमडी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि चक्रवात अभी 830 किलोमीटर दूर मुंबई के पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम तट पर है और इसके बुधवार तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है। इसके मुताबिक क्यार के सोमवार शाम तक शक्तिशाली चक्रवाती तूफान की तीव्रता बनाए रखने के आसार हैं और इसके बाद यह धीरे-धीरे कमजोर होगा। आइएमडी के अहमदाबाद केंद्र के निदेशक जयंत सरकार ने कहा, 'गुजरात चक्रवाती तूफान से बचा रहेगा लेकिन कुछ स्थानों पर बेमौसम बारिश होने का अनुमान है।'

फर्जी आधार कार्ड इस्तेमाल करते पकड़ा गया इंडिगो कर्मचारी और उसकी महिला मित्र

कोच्चि, 28 अक्तूबर (भाषा)।

सीआइएसएफ ने कोच्चि एयरपोर्ट पर रियायती हवाई टिकट का लाभ उठाने के लिए कथित रूप से फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करते इंडिगो के कर्मचारी और उसकी महिला मित्र को पकड़ा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना 26 अक्तूबर को हुई जब सीआइएसएफ कर्मियों ने 23 वर्षीय महिला के आधार कार्ड को संदिग्ध पाया।

अधिकारियों ने कहा कि हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज में महिला राकेश व्यास नामक व्यक्ति के साथ आती दिखाई दी। इंडिगो उड़ान सेवा का कर्मचारी राकेश भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि वह राकेश की महिला मित्र है और रियायती हवाई टिकट का लाभ उठाने के लिये उसकी बहन का आधार कार्ड इस्तेमाल कर रही थी।

> *सीआइएसएफ के* **एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'इंडिगो एयरलाइंस ने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों यात्री उसके द्वारा जारी स्टाफ टिकटों पर यात्रा कर रहे थे।'**

अधिकारियों ने कहा कि राकेश के पास हवाई अड्डे में प्रवेश के लिये वैध पास है और दोनों ने आधार कार्ड पर अपनी असली तस्वीर को बदल दिया था। सीआइएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'इंडिगो एयरलाइंस ने इस बात की पुष्टि की है कि दोनों यात्री उसके द्वारा जारी स्टाफ टिकटों पर यात्रा कर रहे थे।' उन्होंने कहा कि दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पानी पानी असम के कार्बी जिले का दीफू शहर बाढ़ से जलमग्न हुआ।

जद (सेकु) का झंडा थाम कर शिवकुमार ने खड़ा किया विवाद

बंगलुरु, 28 अक्तूबर (भाषा)।

धनशोधन मामले में जमानत मिलने के बाद दिल्ली से यहां लौटने पर जद (सेकु) का झंडा पकड़ने को लेकर कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार को उनकी पार्टी के कुछ नेताओं की आलोचना झेलनी पड़ी है।

शिवकुमार को ईडी ने गिरफ्तार किया था और वे न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद थे। वे शनिवार को यहां लौटे। वापसी पर उनका जोरदार स्वागत हुआ, जहां उनका इंतजार कांग्रेस नेताओं के अलावा जद (सेकु) के लोग भी कर रहे थे। वे जब फूलों से सजी गाड़ी में जुलूस में चल रहे थे उसी दौरान जद (सेकु) कार्यकर्ता ने कांग्रेस नेता को अपनी पार्टी का झंडा दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया, कुछ देर लहराया और फिर उसे कार्यकर्ता को वापस कर दिया। घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यहां तक कि

> *ईडी ने किया था गिरफ्तार*
> **बंगलुरु में जोरदार स्वागत हुआ। वे जब फूलों से सजी गाड़ी में जुलूस में चल रहे थे उसी दौरान जद (सेकु) कार्यकर्ता ने उनको अपनी पार्टी का झंडा दिया, जिसे उन्होंने कुछ देर लहराया और फिर उसे कार्यकर्ता को वापस कर दिया।**

सोशल मीडिया में एक और वीडियो चल रहा है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता सिद्धरमैया निजी बातचीत में शिवकुमार की आलोचना कर रहे हैं। वीडियो में सिद्धरमैया यह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि भाजपा का समर्थन करने वाला लिंगायत समुदाय अब समुदाय के प्रतिष्ठित नेता और मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से अलग हो रहा है, वहीं वोक्कालिगा समुदाय जद(सेकु) और एचडी कुमारस्वामी से दूरी बना रहा है।

जद (सेकु) का झंडा पकड़ने की घटना पर अपना बचाव करते हुए शिवकुमार ने कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझे तमाम तरीके के झंडे देते हैं... लोग कन्नड़ झंडे भी देते हैं। सभी तरह के लोग मुझसे मिलने आते हैं। अभी भी जद(सेकु) के तीन विधायक मुझसे मिलने के लिए इंतजार कर रहे हैं। क्या मैं उनसे कह सकता हूं कि वे मत आएं।' शिवकुमार ने कहा कि झंडा पकड़ना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है क्योंकि वे जन्मजात कांग्रेसी हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण दिया, 'मैं सीधे कांग्रेस कार्यालय आया जो मेरे लिए मंदिर है।' सिद्धरमैया ने उनके निजी संवाद का वीडियो सार्वजनिक करने को शरारत बताया। वहीं, शिवकुमार ने कहा कि सिद्धरमैया उनसे बहुत प्यार करते हैं।

महिलाओं के लिए परिसर में सुरक्षित वातावरण तैयार करें संस्थान : यूजीसी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 28 अक्तूबर।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से कहा है कि वे अपने परिसर में महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करें। इस संबंध में यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन की ओर से सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखा गया है।

> *आयोग की ओर से* **सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखा गया है।**

पत्र में प्रोफेसर जैन ने लिखा है कि यूजीसी मानता है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्राओं और महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण का होना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के लिए पहली जरूरत है। संस्थान बेहतर तंत्र और सख्त सुरक्षा मानक बनाकर महिलाओं के लिए परिसर को पूरी तरह से सुरक्षित बना सकता है। इसके अलावा संस्थान छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए अन्य बेहतर उपायों को भी अपना सकता है। इस संबंध में यूजीसी की ओर से सभी संस्थानों को कुछ उपाए करने के लिए भी कहा गया है। इनमें सबसे पहले संस्थानों से कहा गया है कि वे अपने यहां आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) का गठन करें। यह समिति जेंडर आधारित हिंसा के मामलों को देखेगी और इस संबंध में परिसर के लोगों के बीच संवेदीकरण कार्यक्रम चलाएगी। इसके साथ यह भी तय किया जाए कि आइसीसी यूजीसी के 2015 के नियमन के अनुसार कार्य करे। कार्य क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ होने वाली यौन हिंसा के संबंध में बनाए गए कानून के बारे में परिसर में विस्तृत रूप से जानकारी फैलाई जाए। विद्यार्थियों को बताया जाए कि वे यूजीसी के विद्यार्थी शिकायत निवारण पोर्टल के माध्यम से यौन हिंसा की शिकायत भी कर सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर 1800-111-656 पर भी शिकायत की जा सकती है।

बिहार में 3950 मरीजों में डेंगू के लक्षण पाए गए

पटना, 28 अक्तूबर (भाषा)।

बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक डेंगू के 3950 और चिकनगुनिया के 351 मरीज पाए गए हैं। समिति से सोमवार को प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रदेश में 28 अक्तूबर तक कुल 3950 मरीजों में डेंगू के लक्षण पाए गए है। पटना जिले में डेंगू के कुल 2,953 मरीज चिह्नित किए गए हैं। बिहार में इस अवधि तक चिकनगुनिया के कुल 351 मरीज पाए गए हैं। इनमें 305 पटना जिले के हैं।

> ***कहर*** **पटना जिले में डेंगू के कुल 2,953 मरीज चिह्नित किए गए हैं।**

पटना जिले के अंतर्गत 22 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से 04 से 28 अक्तूबर तक लगभग 20,856 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 12 अक्तूबर से रैपिड किट के माध्यम से डेंगू के जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। तापमान में गिरावट अर्थात 16 डिग्री से कम होने पर डेंगू के मरीजों की संख्या में अपेक्षाकृत कमी आ जाती है। वर्तमान में पटना का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास तथा अधिकतम तापमान 29 डिग्री के आसपास रह रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने आगामी माह से डेंगू मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज होने की संभावना जताई है। डेंगू के मरीजों के जांच के साथ-साथ गंभीर डेंगू के मरीजों के इलाज के निमित्त उपलब्ध विविध सुविधाओं के साथ-साथ राज्य के 9 सरकारी ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। साथ ही 8 निजी ब्लड बैंकों में भी प्लेटलेट्स की सुविधा उपलब्ध है। ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की उपलब्धता को निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से 10 अक्तूबर से 'स्वैच्छिक रक्तदान शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। प्लेटलेट्स की उपलब्धता 28 अक्तूबर तक कुल 430 यूनिट है।

बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के लिए जर्मन मशीन का इस्तेमाल

> *तमिलनाडु में* **तीन साल का बच्चा 72 घंटों से अधिक समय से 88 फुट की गहराई में फंसा हुआ है।**

तिरुचिरापल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में एक बोरवेल में गिरा तीन साल का बच्चा 72 घंटों से अधिक समय से 88 फुट की गहराई में फंसा हुआ है और पथरीली मिट्टी तथा बारिश के कारण बचाव अभियान बाधित होने से उसकी सलामती को लेकर चिंता बढ़ गई है।

बचाव अभियान के चौथे दिन यहां से करीब 40 किलोमीटर दूर नादुकट्टुनपट्टी गांव में बचाव अभियान को देखने के लिए कई पड़ोसी गांवों के लोग उमड़े हुए हैं। बच्चा शुक्रवार शाम को साढ़े पांच बजे अपने घर के समीप खेलते समय बोरवेल में गिर गया था। बचावकर्ता बच्चे को बाहर निकालने के लिए एक उचित गहराई तक पहुंचने के वास्ते रविवार से एक और बोरवेल खोदने में जुटे हुए हैं और अब खुदाई के काम को तेज करने के लिए जर्मनी की मशीन को काम में लगाया गया है। बचाव अभियान में आ रही चुनौतियों के बारे में बताते हुए राजस्व प्रशासन आयुक्त जे राधाकृष्णन ने कहा कि इसमें शामिल जटिलताओं को समझे बिना बचाव कदमों के बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया कि बोरवेल की मोटाई बहुत कम है और बच्चा पथरीली मिट्टी के बीच फंसा है।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में 'क्लैंपिंग' (जोर से पकड़ना) तकनीक का इस्तेमाल कर बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की गई लेकिन यह सफल नहीं हुई। उन्होंने बताया कि बोरवेल के साथ ही रविवार से एक अन्य गड्ढा खोदा जा रहा है। अब बचाव अभियान को तेज करने के लिए लार्सन एंड टर्बो निर्मित ड्रिलिंग मशीन को काम में लगाया गया है।

राधाकृष्णन ने बताया कि खुदाई के दौरान गति के संबंध में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि कंपन होने पर बोरवेल के पूरी तरह बंद होने की आशंका है और यह अहम चुनौती है। उन्होंने बताया कि भूवैज्ञानिकों ने कहा कि मिट्टी क्वाट्र्ज (एक तरह का चमकीला पत्थर) और फेल्डस्पार जैसी सख्त पत्थर से बनी है।

उन्होंने कहा, 'मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया और हम इसे पेशेवर तरीके से कर रहे हैं। विशेषज्ञ की सलाह पर बचाव प्रयास पर फैसला लिया गया।' वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैमरों के जरिए की गई निगरानी से पता चला कि बच्चा करीब 88 फुट की गहराई में फंसा हुआ है और उस पर थोड़ी मिट्टी गिर गई है। बच्चा एक 'स्थिर जगह' पर है तथा बच्चे को और नीचे जाने से रोकने के लिए इस स्थान पर वायु बंद कर दी गई है।

उन्होंने कहा, 'मिट्टी को धंसने से रोकने के लिए सभी तकनीकी प्रयास किए गए।' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'बचाव कार्यों को किसी भी कीमत पर बंद नहीं किया जाएगा। प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। साथ ही हम बच्चे के माता-पिता को कोई झूठी उम्मीद नहीं देना चाहते हैं।'

बच्चे की सलामती के लिए कर रहा हूं प्रार्थना : मोदी

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में शुक्रवार से बोरवेल में फंसे हुए तीन वर्षीय सुजीत की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि बच्चे को बचाने का हरंसभव प्रयास चल रहा है।

मोदी ने कहा कि उन्होंने बचाव प्रयासों के बारे में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ई के पलानीस्वामी से बात की है। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर कहा, 'मेरी दुआएं नन्हे बहादुर सुजीत विल्सन के साथ हैं। सुजीत को बचाने के लिए चल रही कोशिशों के संबंध में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से बात की है। यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं कि वह सुरक्षित रहे।'

गुलाबी गेंद से ईडन गार्डन में हो सकता है बांग्लादेश से टैस्ट

नई दिल्ली/ कोलकाता, 28 अक्तूबर (भाषा)।

बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सोमवार को उम्मीद जताई की बांग्लादेश की टीम ईडन गार्डन में होने वाले टैस्ट मैच को दिन-रात्रि में खेलने के लिए सहमत होगी। ईडन गार्डन में यह मुकाबला 22 से 26 नवंबर तक खेला जाना है। बांग्लादेश की टीम हालांकि गुलाबी गेंद से खेलने से बचना चाहती है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ बैठक कर इस मामले में अपने फैसले के बारे में बीसीसीआइ अध्यक्ष को जल्द सूचित कर देगा।

गांगुली ने एजंसी से कहा, मैंने बीसीबी अध्यक्ष (नज्मुल हसन) से बात की है। वे सहमत हैं, वे इस मामले पर खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं। मुझे यकीन है कि यह दिन-रात्रि मैच होगा। वे जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा भी करेंगे। उम्मीद है, जल्द हमें इसकी सूचना मिल जाए।

बीसीबी के क्रिकेट संचालन प्रमुख और पूर्व कप्तान अकरम खान ने स्वीकार किया कि जहां तक दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से खेलने की बात है तो टीम के साथ तैयारी की कमी जैसे व्यावहारिक मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, यह एक शानदार पहल है लेकिन हमें खिलाड़ियों को विश्वास में लेने की जरूरत है। यदि आप यात्रा कार्यक्रम को देखते हैं, तो हमें दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से प्रशिक्षण और तैयारियों के लिए शायद दो दिन ही मिलेंगे। यह तैयारी के लिए बहुत कम समय है। खिलाड़ी बोर्ड अध्यक्ष से मुलाकात कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द फैसला हो जाएगा।

गांगुली को उम्मीद

मैंने बीसीबी अध्यक्ष से बात की है। वे सहमत हैं, वे इस पर खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं।

गांगुली चाहते हैं कि इस बारे में बांग्लादेश बोर्ड जल्द फैसला कर ले ताकि उस मुताबिक तैयारी शुरू की जा सके। इस टैस्ट मैच के दौरान अभिनव बिंद्रा, एमसी मेरीकोम और पीवी सिंधू जैसे दिग्गज ओलंपिक पदक विजेताओं को आमंत्रण करने की योजना है। गांगुली ने कहा, हमें उन्हें आमंत्रित करना चाहते हैं और उन्हें सम्मानित करने की योजना बना रहे हैं। हम फिलहाल बीसीबी की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। इसमें स्कूली बच्चों को भी स्टेडियम लाने की योजना है, जिसके लिए उन्हें मुफ्त पास दिए जाएंगे।

गांगुली चाहते हैं कि जिस तरह आस्ट्रेलिया में वार्षिक 'पिंक टैस्ट' (दिन-रात्रि) टैस्ट मैच का आयोजन होता है उसी तरह ईडन गार्डन में भी सालाना तौर पर दिन-रात्रि टैस्ट मैच का आयोजन हो। गांगुली ने कहा, मैं चाहता हूं कि ईडन गार्डन में वार्षिक तौर पर दिन-रात्रि टैस्ट मैच का आयोजन हो। भारतीय क्रिकेटर लंबे समय से टैस्ट मैच को दिन-रात्रि में खेलने से बचते रहे लेकिन गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि कप्तान विराट कोहली दिन-रात्रि टैस्ट खेलने के विचार से सहमत हैं और निकट भविष्य में इसका आयोजन हो सकता है।

भारतीय क्रिकेट का भविष्य संवारने के लिए द्रविड़ से मिलेंगे गांगुली

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर (भाषा)।

राष्ट्रीय टीम का लंबे समय तक एक साथ प्रतिनिधित्व करने वाले सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ क्रम से बीसीसीआइ अध्यक्ष और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख के तौर पर भारतीय क्रिकेट के भविष्य का खाका तैयार करने के लिए बुधवार को बंगलुरु में मुलाकात करेंगे।

द्रविड़ ने जुलाई में एनसीए प्रमुख का कार्यभार संभाला था। उन्होंने इस संस्था के लिए भविष्य की योजना का खाका तैयार कर रखा है। जब दोनों पूर्व कप्तानों की मुलाकात होगी तब द्रविड़ अपने विचार साझा करेंगे। इस बैठक में बीसीसीआइ ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी भाग लेंगे। एनसीए को भारतीय क्रिकेट की 'सप्लाई लाइन' माना जाता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह रिहैबिलिटेशन केंद्र सा बन गया है। गांगुली ने भी अध्यक्ष बनने के बाद इस बात को माना। ऐसी संभावना है कि गांगुली एनसीए की नई परियोजना की जानकारी लेंगे, जिसे विकसित किया जा रहा है। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने एजंसी से कहा, गांगुली और द्रविड़ एनसीए की भविष्य की योजना और उसके सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

प्लिस्कोवा को हराकर स्वितोलिना चीन डब्लूटीए के फाइनल में

शेनजेन (चीन), 28 अक्तूबर (एएफपी)।

मौजूदा चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपना दबदबा जारी रखते हुए सोमवार को यहां डब्लूटीए (चीन) टूर्नामेंट के फाइनल में जगह पक्की की। आठवीं वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने एक घंटे 53 मिनट तक मुकाबले को 7-6, 6-4 से अपने नाम किया। प्लिस्कोवा पूरे मैच में सहज नहीं दिखी और उन्होंने 42 'अनफोर्स्ड' गलतियां की जिसका स्वितोलिना ने फायदा उठाते हुए इस खिलाड़ी के खिलाफ चौथी जीत दर्ज की।

शाकिब पर बीसीबी नरम, अब नहीं करेगा कानूनी कार्रवाई

ढाका, 28 अक्तूबर (भाषा)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) संभवतः शाकिब अल हसन पर किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा लेकिन बोर्ड के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा कि केंद्रीय अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए टैस्ट और टी-20 कप्तान को कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा।

शाकिब को देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी 'ग्रामीणफोन' ने अपना ब्रांड दूत नियुक्त किया है जो कि टीम के प्रायोजक 'रोबी' का प्रतिस्पर्धी है। केंद्रीय अनुबंध की शर्तों के अनुसार यह उल्लंघन है और बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दे डाली थी। लेकिन बीसीबी सीईओ चौधरी के अनुसार शाकिब के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने बंगाली दैनिक 'प्रोथमो आलो' से कहा, यह बोर्ड का अंदरूनी मामला है और इसलिए शाकिब के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है। उन्हें हालांकि इसका जवाब देना होगा कि उन्होंने यह प्रायोजन अनुबंध क्यों किया जो कि केंद्रीय अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन है।

फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

पेरिस, 28 अक्तूबर (भाषा)।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को यहां मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी से हार गई।

भारतीय जोड़ी को मार्कस और केविन से 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। इंडोनिशया की जोड़ी का यह विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर 121वां सप्ताह है। सात्विक और चिराग अभी तक सात बार उनसे भिड़े हैं लेकिन हर बार भारतीय जोड़ी को पराजय झेलनी पड़ी। अगस्त में थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने वाले सात्विक और चिराग 35 मिनट तक चले फाइनल में थोड़ा नर्वस दिखे। इस हार के बावजूद इस जोड़ी का प्रदर्शन सराहनीय रहा क्योंकि वह विश्व टूर 750 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी है। पार्थो गांगुली और विक्रम सिंह बिष्ट आखिरी भारतीय जोड़ी थी जिसने 1983 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। एकल में किदाम्बी श्रीकांत ने 2017 में पुरुष वर्ग का खिताब जीता था जबकि साइना नेहवाल 2012 में यहां फाइनल में पहुंचीं थीं। सात्विक और चिराग की शुरुआत अच्छी नहीं रही और इंडोनेशिया की जोड़ी ने 7-1 से बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इसके बाद वापसी की और वे एक समय स्कोर को 17-17 से बराबरी पर ले आए। इंडोनेशिया की जोड़ी ने हालांकि जल्द ही तीन गेम अंक हासिल किए। इनमें भारतीय जोड़ी ने एक अंक बचाया लेकिन वे मार्कस और केविन को पहला गेम जीतने से नहीं रोक पाए। दूसरे गेम में शुरू में पिछड़ने के बाद सात्विक और चिराग ने वीडियो रेफरल अपने पक्ष में आने के बाद 6-6 से बराबरी की।

चिराग शेट्टी और रंकीरेड्डी

भारतीय जोड़ी अभी तक सात बार भिड़ चुकी है गिडियोन और सुकामुल्जो की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी से, लेकिन हर बार पराजय का सामना करना पड़ा

Models	Hexa	Nexon	Tiago	Tiago NRG	Tigor	Harrier
नकद ऑफर*	₹50 000	₹25 000	₹25 000	₹25 000	₹30 000	
एक्सचेंज बोनस*	₹50 000	₹25 000	₹15 000	₹15 000	₹25 000	₹50 000
कॉरपोरेटस ऑफर्स*	₹15 000	₹7 500	₹5 000	₹5 000	₹12 000	₹15 000
चुनिंदा स्टॉक पर ऑफर*	₹50 000	₹30 000	₹25 000	₹25 000	₹50 000	
अधिकतम लाभ*	₹1 65 000	₹87 500	₹70 000	₹70 000	₹1 17 000	₹65 000

स्पेशल फायनेंस ऑफर^
₹1 499 प्रति लाख से EMI शुरु

To know more, visit http://drivethefuture.tatamotors.com | Toll free number: 18002098282 | /tatamotorsgroup /tatamotors | सभी टाटा कारें CSD के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध. कृपया किसी भी आवश्यकता के लिए sandipan.sharma@tatamotors.com पर लिखें | सरकारी कर्मचारी, कॉरपोरेट्स, डॉक्टर्स एवं अध्यापकों के लिए स्पेशल ऑफर्स

SOUTH DELHI: Concorde Motors, Lajpat Nagar, 7303658483; Concorde Motors, Mathura Road, 7303658949; Treo Auto, Okhla, 7303658596
SOUTH WEST DELHI: Sparsh Autotech, Palam, 6364921247; Sparsh Autotech, Najafgarh, 8448512647; Truenorth, Mayapuri, 7303658527; Autovikas, Dwarka, 7303658917; Treo Auto, Safdarjung Enclave, 7303658571
WEST DELHI: Concorde Motors, Peera Garhi, 8448512448; Autovikas, Moti Nagar, 7303658916
NORTH WEST DELHI: Hemkund, Wazirpur, 8956319658; Malwa, Prashant Vihar, 7303658763
CENTRAL DELHI: Arya Motors, Daryaganj, 7303658776
EAST DELHI: Concorde Motors, Akshardham Metro, 8448512436; Concorde Motors, Patparganj, 7303658439
NOIDA: Sagar Motors, Sector 5, 7303658920
GREATER NOIDA: Sagar Motors, Site-4, 7303658491
GHAZIABAD: Sab Motors, Mohan Nagar, 7303658919; Sab Motors, Patel Nagar-III, 7303658901
FARIDABAD: Multitech Motors (Near YMCA Chowk) 8956319659; Multitech Motors (Near Sec. 28 Metro Station) 7303658559
PALWAL: Multitech Motors 6364921246
GURUGRAM: Arya Motors, Opp Sec 14, Mehrauli Road, 7303658789; Hartron Motors, Sohna Road, 8956319657
REWARI: Premium Motocorp 7303658597
NARNAUL: Premium Motocorp 8956319660
SONIPAT: Swan Motors 8956319643
MEERUT: Shree Vasu 7303658962
BIJNOR: Shree Vasu 7303658962
HAPUR: Sab Motors 7303658502
MODINAGAR: Sab Motors 8448576927
BULANDSHAHAR: Mascot Motors 8956317857

24X7 CALL 1 800 209 7979
EXCHANGE THROUGH TATA MOTORS ASSURED

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 344, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार।
कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।